● सीधी, सिंगरौली,मऊगंज, रीवा एवं भोपाल से एक साथ प्रकाशित ● website-https://vindhyatiger.in ● epaper-https://epaper.vindhyatiger.in ● वर्ष : 36, अंक 276, पृष्ठ : 08, सीधी, शुक्रवार, 22 नवम्बर 2024 - मूल्य : 2.00 रुपया मात्र

दैनिक समाचार पत्र

विन्ध्य टाइगर

हक की बात, बुलंदी के साथ

आईएफएफआई फिल्म इंडस्ट्री के विकास में महत्वपूर्ण 5

पर्थ में भारत आस्ट्रेलिया भिड़ने को तैयार 6

दुनियाभर में जाना जायेगा उज्जैन का मेडिसिटी : डॉ. यादव

सिंहस्थ के पहले उज्जैन में बनकर तैयार होगा मेडिसिटी एवं चिकित्सा महाविद्यालय

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने मध्यप्रदेश के उज्जैन को मेडिसिटी एवं चिकित्सा महाविद्यालय की सौगात दी है। इसका गुरूवार को भूमि-पूजन किया गया। सिंहस्थ के पहले यह महत्वाकांक्षी प्राजेक्ट तैयार हो जायेगा। इस नवीन व्यवस्था से महाकाल की निगरानी में अब हर मर्ज का ईलाज होगा। स्वास्थ्य के क्षेत्र में उज्जैन की मेडिसिटी दुनियाभर में जानी जायेगी। उज्जैन में हाईटेक स्वास्थ्य सुविधाओं के साथ मेडिकल डिवाईस पार्क भी विकसित होगा। एक ही परिसर में सारी सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से हाईराईज बिल्डिंग बनाई जाएगी तथा एक-एक इंच भूमि का उपयोग किया जायेगा। परिसर में ही चिकित्सकों एवं पैरामेडिकल स्टॉफ आदि के लिए

आवासीय व्यवस्था रहेगी। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश गठन के बाद वर्ष 2003-04 तक प्रदेश में कुल 05 मेडिकल कॉलेज थे। आज प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में प्रदेश में 30 मेडिकल कॉलेज संचालित हो रहे हैं, जिनमें 17 सरकारी हैं और 13 निजी क्षेत्र के हैं। उन्होंने कहा कि सरकार और समाज सहकार के साथ व्यवस्थाएं बनाएंगे। अगले वर्ष 12 मेडिकल कॉलेज और तैयार हो रहे हैं। जिन चिकित्सालयों की क्षमता अधिक है वहां चिकित्सा शिक्षा की व्यवस्था करने की भी योजना है। प्रदेश में पहले चिकित्सा शिक्षा एवं लोक स्वास्थ्य अलग-अलग विभाग होते थे, जिन्हें अब एक कर दिया गया है। सरकार एक-एक पैसे का सदुपयोग कर आम जनता को सुविधाएं दे रही है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव गुरूवार को उज्जैन में 592.30 करोड़ रूपये लागत से निर्मित होने वाली मेडिसिटी एवं शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय का भूमि-पूजन कर संबोधित कर रहे थे। भूमि-पूजन के दौरान वेदपाठी बाह्मणों द्वारा स्वस्ति वाचन किया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह मेडिसिटी एवं शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय सिंहस्थ-2028 के पहले प्रारंभ होगा। उज्जैन में प्रायवेट सेक्टर के साथ मिलकर मेडिकल टूरिज्म की स्थापना भी की जाएगी। उज्जैन में प्रदेश ही नहीं बल्कि विदेशों से आने वाले सभी मरीजों का उपचार किया जायेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा आयुष्मान भारत निरामय योजना शुरू करने के बाद राज्य सरकार ने भी तीन महीने में ही गंभीर मरीजों को एयर लिफ्ट कर बड़े चिकित्सालयों में उपचार कराने की सुविधा शुरू की है। जिन स्थानों पर एयरपोर्ट या हवाई पट्टी नहीं है वहां हेलीकॉप्टर से एयर लिफ्ट कर मरीजों को उपचार की सुविधा दी जा रही है। वर्तमान में प्रदेश में 5000 विद्यार्थियों को चिकित्सा शिक्षा प्रदान की जा रही है, जो आने वाले समय में 10 हजार हो जायेगी। साथ ही प्रदेश में आयुर्वेद के 5 मेडिकल कॉलेज शुरू कर रहे हैं। उज्जैन के आयुर्वेदिक धनवंतरी महाविद्यालय को सर्वसुविधायुक्त एम्स की तरह बनाया जायेगा, इसकी प्रक्रिया चल रही है। साथ ही उज्जैन में हौम्योपैथी महाविद्यालय भी शुरू कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश के सभी विश्वविद्यालयों को रोजगार मूलक पैरामेडिकल एवं नर्सिंग की शिक्षा देने के निर्देश दिये गये हैं, इससे प्रदेश में रोजगार उपलब्ध होगा। विश्वविद्यालय को पैरामेडिकल एवं नर्सिंग परीक्षाएं भी आयोजित करने के निर्देश दिये गये हैं।

समावेशी समाज के निर्माण का लोकतंत्र से बड़ा कोई माध्यम नहीं : पीएम मोदी

जॉर्जटाउन। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गुरुवार को गुयाना में संसद के विशेष सत्र को संबोधित किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि भारत और गुयाना का रिश्ता बहुत गहरा है। यह मिट्टी, पसीने और परिश्रम का रिश्ता है। करीब 180 साल पहले एक भारतीय गुयाना की धरती पर आया था और उसके बाद से सुख और दुख दोनों में भारत और गुयाना का रिश्ता आत्मीयता से भरा रहा है।

उन्होंने कहा कि पिछले 200-250 वर्षों में भारत और गुयाना ने एक जैसी गुलामी देखी है। एक जैसा संघर्ष देखा है। आजादी की लड़ाई में कितने लोगों ने यहां और वहां अपनी जान कुर्बान की। आज दोनों देश दुनिया में लोकतंत्र को मजबूत कर रहे हैं। गुयाना की संसद में मैं भारत के 140 करोड़ लोगों की ओर से आप सभी का अभिनंदन करता हूं। पीएम ने कहा कि 24 साल पहले एक जिज्ञासु के रूप में मुझे इस खूबसूरत देश में

आने का मौका मिला। आमतौर पर लोग ऐसे देशों में जाना पसंद करते हैं जहां तामझाम हो चकाचौंध हो, लेकिन मुझे गुयाना की विरासत और इतिहास को जानना और समझना था। आज भी गुयाना में कई लोग मिल जाएंगे जिन्हें मेरी मुलाकात याद होगी। मेरी तब की यात्रा से बहुत सी यादें जुड़ी हुई हैं।

पीएम ने कहा कि गुयाना ने मुझे कल ही सर्वोच्च सम्मान दिया है। मैं इस सम्मान के लिए आप सभी का और गुयाना के हर नागरिक का हृदय से आभार व्यक्त करता हूं। यहां के सभी नागरिकों को बहुत-बहुत धन्यवाद। मैं यह सम्मान भारत के प्रत्येक नागरिक को समर्पित करता हूं। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज विश्व के सामने आगे बढ़ने का सबसे मजबूत मंत्र है- डेमोक्रेसी फर्स्ट, ह्यूमिनिटी फर्स्ट। लोकतंत्र प्रथम की भावना हमें सिखाती है कि सबको साथ लेकर चलो, सबको साथ लेकर सबके विकास में सहभागी बनो। मानवता प्रथम की भावना हमारे निर्णयों की दिशा तय करती है। जब मानवता प्रथम को निर्णयों का आधार बनाते हैं तो नतीजे भी मानवता के हित करने वाले ही होते हैं। पीएम मोदी ने कहा कि समावेशी समाज के निर्माण का लोकतंत्र से बड़ा कोई माध्यम नहीं है। लोकतंत्र हमारे डीएनए में है, हमारे लक्ष्य में है और हमारे आचार-व्यवहार में है। इसलिए जब विश्व को एकजुट करने की बात आई, तब भारत ने अपने ज20 अध्यक्षता के दौरान एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य का मंत्र दिया। जब कोरोना का संकट आया, पूरी मानवता के सामने चुनौती आई, तब भारत ने एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य का संदेश दिया।

बंधुआ मजदूरों की अंतर-राज्यीय तस्करी से निपटने के लिए बनाएं प्रस्ताव

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को केंद्र सरकार को निर्देश दिया कि वह सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के साथ एक बैठक करें और बंधुआ मजदूरों, खासतौर पर बच्चों की अंतरराज्यीय तस्करी की समस्या को सुलझाने के लिए एक विशेष प्रस्ताव तैयार करें।

इस मामले में सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यह एक गंभीर समस्या है और इसे केंद्र और राज्यों के बीच समन्वय से हल करना होगा। उच्चतम न्यायालय ने इस मामले में कहा कि, इस पर तुरंत आर्थिक मदद की प्रक्रिया को सरल बनाने के लिए एक योजना बनानी होगी।

मामले में न्यायमूर्ति बीआर गवई और न्यायमूर्ति केवी विश्वनाथन की पीठ ने उत्तर प्रदेश में रिहा कराए गए 5,264 बंधुआ मजदूरों में से केवल 1,101 को तत्काल वित्तीय सहायता मिलने संबंधी आंकड़े पेश किए जाने को चिंताजनक बताया। वहीं बाल बंधुआ मजदूरों की बात करें तो, बच्चों को उनके गृह राज्यों से तस्करी कर पड़ोसी राज्यों में बंधुआ मजदूरी के लिए मजबूर किया जाता है। शीर्ष न्यायालय ने मामले में निर्देश दिया कि, श्रम और रोजगार मंत्रालय के सचिव सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के सचिवों के साथ बैठक करें। इस समस्या का समाधान खोजने के लिए एक एकीकृत प्रक्रिया तैयार करें। इसके साथ ही राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) को भी इस प्रक्रिया में शामिल करें। वहीं डिजिटल समाधान को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि लापता बच्चों के पोर्टल की तरह ही बंधुआ मजदूरों की ट्रैकिंग के लिए भी एक पोर्टल होना चाहिए।

इसरो और ऑस्ट्रेलियाई एजेंसी में समझौता, अंतरिक्ष में मानव को ले जाना व वापस लाना है मिशन

नई दिल्ली। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने गुरुवार को बताया कि उसने दो अंतरिक्ष गतिविधियों में सहयोग को और मजबूत करने के लिए ऑस्ट्रेलियाई अंतरिक्ष एजेंसी (एएसए) के साथ एक कार्यान्वयन समझौते (आईए) पर हस्ताक्षर किए हैं। यह समझौता देश के पहले मानवयुक्त अंतरिक्ष उड़ान कार्यक्रम, गगनयान मिशन के लिए दोनों अंतरिक्ष एजेंसियों के बीच चालक दल और चालक दल मॉड्यूल से जुड़े सहयोग को सक्षम बनाएगा।

महायुति के प्रति मतदाताओं के लगाव से वोट प्रतिशत में हुई वृद्धि : फडणवीस

मुंबई। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने राज्य विधानसभा चुनाव में मतदान प्रतिशत में बढ़ोतरी का कारण महायुति सरकार के प्रति मतदाताओं के लगाव को बताया। मतदान प्रतिशत बढ़ने से भाजपा और उसके सहयोगी गठबंधन को फायदा होगा। उन्होंने विश्वास जताते हुए कहा कि महाराष्ट्र में महायुति सरकार बनाएगी। बुधवार को राज्य में 65 फीसदी मतदान हुआ। चुनाव अधिकारियों ने बताया कि 2019 में 61.74 फीसदी मतदान हुआ था। राज्य में महायुति गठबंधन (भाजपा,

राकांपा, शिवसेना) एक बार सत्ता बरकरार रखने के प्रयास में है, जबकि महाविकास अघाड़ी (कांग्रेस, राकांपा-एसपी, शिवसेना-यूबीटी) का लक्ष्य महायुति को राज्य की सत्ता से बाहर करना है।

नागपुर में पत्रकारों से बात करते हुए देवेंद्र फडणवीस ने कहा, महाराष्ट्र में मतदान प्रतिशत बढ़ा है। अब जब वोट प्रतिशत बढ़ेगा, इससे भाजपा और उसके सहयोगी पार्टियों को फायदा होगा। हम उम्मीद कर रहे हैं कि इससे हमें फायदा हो और हम एक बार फिर महाराष्ट्र में सरकार बनाएं। उन्होंने आगे कहा कि इस बात को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है कि लाड़की बहिन योजना के कारण महिला मतदाताओं के मतदान में भी वृद्धि हुई है।

फडणवीस से जब एग्जिट पोल को लेकर सवाल किया गया तब उन्होंने कहा, एग्जिट पोल पर नेता नहीं बल्कि पार्टी प्रवक्ता बात करते हैं।

अदाणी विवाद के बाद संजय सिंह भाजपा पर हमलावर

नई दिल्ली। अदाणी विवाद के सहारे आम आदमी पार्टी ने दिल्ली की राजनीति को भी हैंडल करने की रणनीति बना ली है। भाजपा दिल्ली में बिजली महंगी होने का आरोप लगाते हुए अरविंद केजरीवाल पर हमलावर थी। उसका आरोप है कि दिल्ली में पीपीएसी बढ़ाकर उपभोक्ताओं को महंगी बिजली उपलब्ध कराई जा रही है। लेकिन अब अदाणी विवाद सामने आने के बाद आम आदमी पार्टी सांसद संजय सिंह ने आरोप लगाया है कि केंद्र सरकार के दबाव में एमपी और यूपी जैसे राज्यों को महंगी बिजली खरीदनी पड़ रही है। उनका आरोप है कि केंद्र सरकार ने दिल्ली पर भी उक्त कंपनी से बिजली लेने का दबाव बनाया था, लेकिन अरविंद केजरीवाल ने इसे स्वीकार नहीं किया।

विवेक तन्खा का दावा एमपी में एक नई कांग्रेस का होगा उदय

भोपाल। मध्य प्रदेश कांग्रेस में जहां युवा अध्यक्ष बनाए जाने से कई सीनियर नेता नाराज चल रहे हैं वहीं राज्यसभा सांसद और वरिष्ठ वकील विवेक तन्खा ने इस नई टीम का स्वागत किया है उन्होंने कहा है कि आने वाले समय में मध्य प्रदेश में एक नई कांग्रेस का उदय होगा जिसमें युवा और प्रगतिशील लोग दिखेंगे। दरअसल गुरुवार को विवेक तन्खा पीसीसी में राजनीतिक मामलों के गठित समिति की बैठक में शामिल होने पहुंचे थे। बैठक में

भविष्य की योजनाओं पर चर्चा की गई। इस दौरान उन्होंने सरकार की कार्यशैली पर सवाल उठाते हुए कहा है कि प्रदेश को हर क्षेत्र में बदहाल कर दिया है। सांसद विवेक तन्खा ने कहा कि जब मैं प्रदेश को देखता हूं तो निराश होता हूं, यहां शिक्षा, स्वास्थ्य सब व्यवस्था फेल है, रोजगार के साधन नहीं है यहां सिर्फ बांटने की बातें होती हैं ध्रुवीकरण की बातें होती हैं, कांग्रेस चाहती है कि हमारा प्रदेश एक प्रगतिशील प्रदेश बने और अब उसी दिशा में काम करेगी।

रूस का यूक्रेनी शहर पर बड़ा हमला

पहली बार अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल का इस्तेमाल

कीव। रूस ने गुरुवार को यूक्रेन पर एक बड़ा हमला किया, जिसमें उसने अपने दक्षिण आस्त्रखान क्षेत्र से अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिलाइल दागी। यह पहली बार है, जब रूस ने इस तरह की शक्तिशाली और लंबी दूरी वाली मिसाइल का इस्तेमाल किया। यूक्रेनी वायुसेना ने यह जानकारी दी।

मॉस्को की ओर से अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल से हमला उस समय हुआ

है, जब यूक्रेन ने इस हफ्ते अमेरिका और ब्रिटेन की मिसाइलों का उपयोग करके रूस के अंदर कुछ लक्ष्यों को निशाना बनाया, जिसके बारे में मॉस्को ने महीनों पहले चेतावनी दी थी कि यह तनाव को बहुत अधिक बढ़ा सकता है।

रूस ने निप्रो शहर के मध्य-पूर्व क्षेत्र में मौजूद उद्यमों और महत्वपूर्ण ढांचों को निशाना बनाया। हालांकि बयान में यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल से किसे निशाना बनाया गया था और इससे क्या नुकसान हुआ। अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइलों की रेंज हजारों किलोमीटर होती है और इन्हें परमाणु वारहेड भेजने के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है। हालांकि इनका इस्तेमाल पारंपरिक वारहेड के लिए भी किया जा सकता है। यूक्रेन की वायु रक्षा प्रणालियों ने इस हमले के दौरान 6 केएच-101 क्रूज मिसाइलों को नष्ट किया।

संजय मूर्ति ने नए सीएजी के रूप में ली शपथ

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने गुरुवार को पूर्व उच्च शिक्षा सचिव के.संजय मूर्ति को भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) के रूप में शपथ दिलाई। मूर्ति भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के 1989 बैच के अधिकारी हैं और हिमाचल प्रदेश कैडर से ताल्लुक रखते है। उन्होंने गिरीश चंद्र मुर्मू की जगह ली है। मूर्ति को सोमवार को केंद्र सरकार ने नए सीएजी के रूप में नियुक्त किया था।

जबकि गिरीश चंद्र मुर्मू ने बुधवार को इस पद पर अपने कार्यकाल को पूरा किया। राष्ट्रपति कार्यालय ने एक बयान में कहा, आज सुबह 10 बजे राष्ट्रपति भवन के गणतंत्र मंडप में एक समारोह आयोजित किया गया, जहां के.संजय मूर्ति ने भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक के रूप में शपथ ली। उन्होंने राष्ट्रपति के समक्ष अपने पद की शपथ ली।

रक्षा मंत्री ने तीन देशों के समकक्षों से की मुलाकात

वियनतियाने। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने लाओस में आयोजित 11वें आसियान रक्षा मंत्रियों की बैठक के दौरान अपने दक्षिण कोरियाई समकक्ष किम योंग ह्यून, अमेरिकी समकक्ष लॉयड जे. ऑस्टिन-तृतीय और न्यूजीलैंड की समकक्ष जूडिथ कॉलिन्स से मुलाकात की। इस बैठक के दौरान रक्षा मंत्री सिंह ने दक्षिण कोरियाई समकक्ष के साथ रक्षा सहयोग को मजबूत करने पर चर्चा की। इसके बाद उन्होंने अमेरिकी रक्षा मंत्री के साथ भी बैठक की, जिसमें दोनों देशों के बीच रक्षा क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने पर विचार-विमर्श हुआ। इसके अलावा बैठक में राजनथा सिंह ने न्यूजीलैंड की रक्षा मंत्री कॉलिन्स के साथ भी रक्षा सहयोग को मजबूत करने पर चर्चा की।

पाक में वाहन पर बंदूकधारियों का घातक हमला, 50 की मौत, 20 घायल

पेशावर। पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिमी क्षेत्र खैबर पख्तूनख्वा में शिया मुसलमानों को ले जा रहे यात्री वाहन पर बंदूकधारियों ने हमला कर दिया, जिसमें 50 लोगों की मौत हो गई। इनमें कई महिलाएं भी शामिल हैं। हमले में 20 लोग भी घायल हुए हैं। यह हाल के वर्षों में सबसे घातक हमला माना जा रहा है। पुलिस ने यह जानकारी दी।

यह हमला कुर्रम जिले में हुआ है, जो खैबर पख्तूनख्वा प्रांत का हिस्सा है। इस जिले में हाल ही में शिया और सुन्नी मुसलमानों के बीच सांप्रदायिक घटनाएं बढ़ी हैं। पुलिस के मुताबिक, हमलावरों ने उन यात्री वाहनों पर गोलियां चलाईं जो परचिनार से पेशावर की ओर जा रहे थे। पुलिस अधिकारी अजमत अली ने बताया कि मरने वालों में छह महिलाएं भी शामिल हैं और दस यात्री अस्पताल में गभीर हालत में भर्ती हैं। पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने हमले की निंदा की और पीड़ितों के परिजनों के प्रति संवेदना जताई। उन्होंने आदेश दिया कि इस हमले के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जाए।

पाकिस्तान में शिया मुसलमानों की आबादी करीब 15 फीसदी है, जबकि देश में सुन्नी मुसलमान बहुसंख्यक हैं। हालांति, दोनों समुदाय आमतौर पर आपस में शांति से रहते हैं। लेकिन कुर्रम जैसे कुछ क्षेत्रों में शियाओं और सुन्नियों के बीच दशकों से तनाव रहा है।

देश के 76 फीसदी से ज्यादा शहरों में प्रदूषण से हालत खराब

नई दिल्ली। देश में बढ़ता प्रदूषण का थमने का नाम ही नहीं ले रहा। देश के 76 फीसदी से ज्यादा शहरों में प्रदूषण से हालात चिंताजनक बने हुए हैं। वहीं महज 4 फीसदी शहरों में हवा साफ है। इन दिनों भारत के कई शहरों में प्रदूषित जहरीली हवा में सांस लेना एक पैकेट सिगरेट पीने के बराबर है।

एक तरह से वायु प्रदूषण तंबाकू से भी ज्यादा खतरनाक होता है। एक अंतरराष्ट्रीय एक्यूआई निगरानी एजेंसी आईक्यूएयर ने वर्ष 2023 में दिल्ली को सबसे प्रदूषित राजधानी के तौर पर चिह्नित किया था। अमेरिकन शहर बर्कले के शोधकर्ता रिचर्ड ए. मिलर और एलिजाबेथ मिलर ने

वायु प्रदूषण को सिगरेट के धुएं से तुलना करने के लिए ऑनलाइन कैलकुलेटर बनाया है। उनके अनुसार अगर कोई व्यक्ति 64 वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) लेवल पर 24 घंटे तक सांस ले रहा है तो यह दिन भर में एक सिगरेट पीने जैसा है। कुछ भारतीय शहरों में सांस लेना इन दिनों एक दिन में एक पैकेट से ज्यादा सिगरेट पीने के बराबर है। राजधानी दिल्ली की जहरीली हवा में प्रदूषण एक दिन में 49 सिगरेट पीने जैसा है। जयपुर की हवा में सांस लेने वाले लोग 10.9 सिगरेट व भोपाल की हवा 10.6 सिगरेट के बराबर जहरीली है। इसी तरह लखनऊ में 12.4, पटना में14.1, कोलकाता में 9.2, भुवनेश्वर में 6.7 और चेन्नई में हवा 12.1 सिगरेट के बराबर जहरीली है। देश के व्यस्त शहरों में मौजूद वायु प्रदूषण बच्चों के स्वास्थ्य पर गहरा असर डाल रहा है। इससे न केवल बच्चों का विकास अवरुद्ध होता है बल्कि बेहद खराब परिस्थितियों में यह जन्मे और अजन्मे बच्चों की असमय मृत्यु की वजह तक बन सकता है। ऐसा इसलिए है क्योंकि वायु प्रदूषण के संपर्क में आने वाली गर्भवती महिलाओं को कई तरह के खतरों का सामना करना पड़ सकता है। इसकी वजह से जहां जन्म के समय कम वजन और समय से पहले प्रसव जैसी समस्याएं पैदा हो सकती हैं। शोधकर्ताओं के अनुसार धूम्रपान स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है। यह तथ्य इस नशे की लत, कैंसर पैदा करने वाले उत्पाद के खिलाफ दशकों से चले आ रहे व्यापक अभियान के माध्यम से लोगों के दिमाग में बैठ गया है। लेकिन दूसरी ओर वायु प्रदूषण के स्वास्थ्य प्रभावों की व्याख्या करना और इनके प्रदूषकों की जटिल प्रकृति को देखते हुए इनका विश्लेषण करना बहुत अधिक कठिन है। इस समस्या से निपटने के लिए भौतिक विज्ञानी रिचर्ड मुलर और उनकी बेटी एलिज़ाबेथ मुलर ने एक अभिनव दृष्टिकोण पेश किया। उन्होंने परिवेशी वायु प्रदूषण के स्वास्थ्य प्रभावों की तुलना सिगरेट से होने वाले नुकसानों से की । व्यापक शोध के माध्यम से बर्कले अर्थ के वैज्ञानिक प्राथमिक प्रदूषक महीन कण पदार्थ (पीएम2.5) को सिगरेट के बराबर बदलने के एक मोटे मूल्य पर पहुंचे।

देश के 76 फीसदी से ज्यादा शहरों में प्रदूषण से हालत खराब

नई दिल्ली। देश में बढ़ता प्रदूषण का थमने का नाम ही नहीं ले रहा। देश के 76 फीसदी से ज्यादा शहरों में प्रदूषण से हालात चिंताजनक बने हुए हैं। वहीं महज 4 फीसदी शहरों में हवा साफ है। इन दिनों भारत के कई शहरों में प्रदूषित जहरीली हवा में सांस लेना एक पैकेट सिगरेट पीने के बराबर है।

एक तरह से वायु प्रदूषण तंबाकू से भी ज्यादा खतरनाक होता है। एक अंतरराष्ट्रीय एक्यूआई निगरानी एजेंसी आईक्यूएयर ने वर्ष 2023 में दिल्ली को सबसे प्रदूषित राजधानी के तौर पर चिह्नित किया था। अमेरिकन शहर बर्कले के शोधकर्ता रिचर्ड ए. मिलर और एलिजाबेथ मिलर ने

वायु प्रदूषण को सिगरेट के धुएं से तुलना करने के लिए ऑनलाइन कैलकुलेटर बनाया है। उनके अनुसार अगर कोई व्यक्ति 64 वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) लेवल पर 24 घंटे तक सांस ले रहा है तो यह दिन भर में एक सिगरेट पीने जैसा है। कुछ भारतीय शहरों में सांस लेना इन दिनों एक दिन में एक पैकेट से ज्यादा सिगरेट पीने के बराबर है। राजधानी दिल्ली की जहरीली हवा में प्रदूषण एक दिन में 49 सिगरेट पीने जैसा है। जयपुर की हवा में सांस लेने वाले लोग 10.9 सिगरेट व भोपाल की हवा 10.6 सिगरेट के बराबर जहरीली है। इसी तरह लखनऊ में 12.4, पटना में14.1, कोलकाता में 9.2, भुवनेश्वर में 6.7 और चेन्नई में हवा 12.1 सिगरेट के बराबर जहरीली है। देश के व्यस्त शहरों में मौजूद वायु प्रदूषण बच्चों के स्वास्थ्य पर गहरा असर डाल रहा है। इससे न केवल बच्चों का विकास अवरुद्ध होता है बल्कि बेहद खराब परिस्थितियों में यह जन्मे और अजन्मे बच्चों की असमय मृत्यु की वजह तक बन सकता है। ऐसा इसलिए है क्योंकि वायु प्रदूषण के संपर्क में आने वाली गर्भवती महिलाओं को कई तरह के खतरों का सामना करना पड़ सकता है। इसकी वजह से जहां जन्म के समय कम वजन और समय से पहले प्रसव जैसी समस्याएं पैदा हो सकती हैं। शोधकर्ताओं के अनुसार धूम्रपान स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है। यह तथ्य इस नशे की लत, कैंसर पैदा करने वाले उत्पाद के खिलाफ दशकों से चले आ रहे व्यापक अभियान के माध्यम से लोगों के दिमाग में बैठ गया है। लेकिन दूसरी ओर वायु प्रदूषण के स्वास्थ्य प्रभावों की व्याख्या करना और इनके प्रदूषकों की जटिल प्रकृति को देखते हुए इनका विश्लेषण करना बहुत अधिक कठिन है। इस समस्या से निपटने के लिए भौतिक विज्ञानी रिचर्ड मुलर और उनकी बेटी एलिज़ाबेथ मुलर ने एक अभिनव दृष्टिकोण पेश किया। उन्होंने परिवेशी वायु प्रदूषण के स्वास्थ्य प्रभावों की तुलना सिगरेट से होने वाले नुकसानों से की । व्यापक शोध के माध्यम से बर्कले अर्थ के वैज्ञानिक प्राथमिक प्रदूषक महीन कण पदार्थ (पीएम2.5) को सिगरेट के बराबर बदलने के एक मोटे मूल्य पर पहुंचे।

मैने कई जिलों का भ्रमण किया लेकिन ऐसा अस्पताल नहीं देखा : सतीश चंद्र

इमरजेंसी - एसएनसीयू वार्ड का केंद्रीय खनन मंत्री ने किया निरीक्षण

सिंगरौली। तीन दिवसीय दौरे पर आए केंद्रीय खनन राज्य मंत्री सतीश चंद्र दुबे गुरुवार को देर साम अस्पताल सह ट्रामा सेंटर के हालातो का जायजा लेने पहुंचे। इस दौरान उनके साथ ग्रामीण एवं पंचायत विकास मंत्री राधा सिंह मौजूद रही। केंद्रीय खनन मंत्री श्री दुबे सबसे पहले अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड, एसएनसीयू वार्ड सहित अन्य वार्डो का निरीक्षण किया। हॉस्पिटल की साफ सफाई और व्यवस्था को देखकर कहा कि मैं कई जिलों का भ्रमण किया लेकिन ऐसा व्यवस्थित अस्पताल नहीं देखा।

गौरतलब है कि केंद्रीय खनन राज्य मंत्री सतीश चंद्र दुबे जिले में डीएमएफ फंड से हुए विकास कार्यों का निरीक्षण किया। खनन मंत्री श्री दुबे ने कलेक्ट्रेट सभागार में जिले के विकास व शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की समीक्षा बैठक करते हुए डीएमएफ फंड से हुए निर्माण

कार्यों की जानकारी ली। उन्होंने डीएमएफ जरहा में स्थापित कोदो-कुटकी प्रसंस्करण इकाई, सरकारी स्कूल गढ़हरा सहित गनियारी पहुंच निर्माण कार्यों का मुआयन किया। वहीं देर जिला चिकित्सालय सह ट्रामा सेंटर पहुंच सबसे पहले अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड, सीटी स्कैन मशीन, एसएनसीयू वार्ड, एमआरआई जांच केंद्र सहित अन्य वार्डो का निरीक्षण किया। इस दौरान केंद्रीय मंत्री द्वारा अस्पताल के सिविल सर्जन डॉ देवेंद्र सिंह को स्वास्थ्य व्यवस्था को और बेहतर करने को लेकर कई दिशा निर्देश दिया। इस दौरान केंद्रीय मंत्री ने बताया कि मैं कई जिलों के अस्पतालों का निरीक्षण किया लेकिन जो व्यवस्था सिंगरौली में दिखी वह कहीं और नहीं दिखी। इस दौरान सांसद राजेश मिश्रा, सिंगरौली विधायक रामनिवास शाह, देवसर विधायक राजेंद्र मेश्राम, सिहावल विधायक विश्वामित्र पाठक , कलेक्टर चंद्रशेखर शुक्ला, सीएमएचओ डॉ एनके जैन सहित पुलिस अधिकारी मौजूद रहे।

केंद्रीय मंत्री ने सिविल सर्जन की तारीफ

जिला चिकित्सालय शह ट्रामा सेंटर का निरीक्षण करने के पश्चात जब केंद्रीय खनन मंत्री सतीश चंद्र दुबे ट्रामा सेंटर से बाहर निकले और अपने वाहन में बैठ गए तो सिविल सर्जन डॉक्टर देवेंद्र सिंह खनन मंत्री का अभिनंदन किया। खनन मंत्री ने जिला चिकित्सालय शह ट्रामा सेंटर की व्यवस्था को देखकर उत्साहित रहे और सिविल सर्जन को शाबाशी देते हुए जमकर तारीफ की। खनन मंत्री श्री दुबे जिला चिकित्सालय की व्यवस्था के साथ-साथ चिकित्सक,नर्स, अन्य स्टाफ की उपलब्धता देखा और मरीजो का इलाज होते देखा। साथ ही सभी वार्डो में जाकर मरीज का हाल-चाल जाना। चुस्त दुरुस्त व्यवस्थाओं को देखकर खनन मंत्री काफी प्रसन्न हुए और जिला चिकित्सालय के सिविल सर्जन और उनकी टीम को बधाई दी।

काश ऐसे ही आते रहते माननीय

जिला चिकित्सालय शह ट्रामा सेंटर आज गुरुवार की शाम 6 बजे इस तरह से सजा हुआ था की लग रहा था कि कहीं बड़े शहर की प्राइवेट हॉस्पिटल में आ गए है। मुख्य गेट के अंदर पार्किंग व्यवस्था में वाहन खड़े मिले। प्रवेश द्वार के अंदर डॉक्टरों की टोकन मशीन चलती हुई मिली। गेट के बाहर पान गुटखा के दाग धब्बे साफ मिले। साथ ही समय सारणी गायनी वार्ड के बाहर महिलाओं को कौन सी सुविधा मिलनी चाहिए। सभी बोर्ड विद्युत से जगमगा रहे थे। चिकित्सकों के कमरे खुले हुए थे सभी चिकित्सक अपने-अपने चेंबर में बैठे हुए थे। दवा का भी रूम खुला पाया गया। जो कई महीने से मरीज बिना चद्दर के बेड पर सो रहे थे सभी वार्डों में में चद्दर आज ही बेड पर लगाए गए। यहां तक की जिस टेबल पर मरीज दवा रखते थे उस टेबल पर भी सफेद कभर लगा हुआ था। पूरा जिला चिकित्सालय चमचमा रहा था। सफाई व्यवस्था एकदम क्लीन रही। कहीं भी गंदगी नजर नहीं आ रही थी। मरीज ने कहा काश इसी तरह कोई ना कोई माननीय आते रहे जिससे जिला चिकित्सालय की व्यवस्था इसी तरह बनी रहे।

केंद्रीय मंत्री ने आजीविका मिशन के कामों का किया निरीक्षण

सिंगरौली। कलेक्टर सभागार में केंद्रीय कोयला एवं खनन राज्यमंत्री सतीश चंद्र दुबे की अध्यक्षता में जिला खनिज प्रतिष्ठान द्वारा संचालित आजीविका मिशन की गतिविधियों की समीक्षा

और हितग्राहियों से संवाद किया गया। इस अवसर पर सिंगरौली वूमेन पॉल्ट्री प्रोड्यूसर कंपनी के प्रतिनिधियों, सुरक्षा गार्डों, लार्नेट स्किल और महिला उद्योग संचालकों से विस्तार से चर्चा की गई। इस दौरान सांसद राजेश मिश्रा सहित विधायक मौजूद रहे। महिलाओं द्वारा संचालित उद्योगों और स्व सहायता समूहों की गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए मंत्री श्री दुबे ने उनकी प्रशंसा की और उनके उत्पादों का अवलोकन किया। समूह द्वारा तैयार उत्पाद मंत्रीजी को भेंट किए गए, जिन्हें उन्होंने सराहना की मंत्रीजी ने हितग्राहियों से संवाद करते हुए आत्मनिर्भर बनने और अपने जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने का संदेश दिया। कार्यक्रम के दौरान केंद्रीय मंत्री ने भारत सरकार की विभिन्न योजनाओं की जानकारी साझा की और उनके क्रियान्वयन की सराहना की।

उन्होंने लाभार्थियों को इन योजनाओं का अधिकतम लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया।इस अवसर पर पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री राधा सिंह, सांसद राजेश मिश्रा, विधायक रामनिवास साह, राजेंद्र मेश्राम, विश्वामित्र पाठक,कलेक्टर, जिला पंचायत सीईओ, एसडीएम सहित अन्य विभागीय कर्मचारी मौजूद रहे। कार्यक्रम में क्षेत्रीय विकास और महिलाओं की आजीविका सुधारने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाने की दिशा में एक नई उम्मीद जगी हैं।

पूर्वा पंचायत में जल संवाद कार्यक्रम का आयोजन

सिंगरौली

जनपद पंचायत देवसर अंतर्गत ग्राम पंचायत पूर्वा में जल संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया।कार्यक्रम में भारत सरकार द्वारा सम्मानित जल प्रहरी एवं वाटर हीरो नीरज वानखेडे एवं उनकी टीम द्वारा जल संवर्धन एवं संरक्षण के विषय पर प्रकाश डाला गया एवं विभिन्न कहानियों, उदाहरण एवं प्रयोग के माध्यम से ग्रामीणजन को जल संरक्षण के संबंध में प्रेरित किया। कार्यक्रम सरपंच नीलेश चतुर्वेदी के अध्यक्षता में संपन्न हुआ । कार्यक्रम में मुख्य रूप से जिला पंचायत से जिला समन्वयक अवनीश पाठक , म.प्र. जल निगम के प्रबंधक विजय त्रिपाठी, जनपद पंचायत देवसर के अतिरिक्त मुख्य कार्यक्रम अधिकारी शशीकांत तिवारी, राजेंद्र बीपीओ, बीएम आजीविका मिशन राजेश सोनवंशी, उपयंत्री विवेक तिवारी, सीएफ पी के जनपद प्राकृतिक संसाधन विशेषज्ञ ग्राम पंचायत के जल समिति के अध्यक्ष बृजेश चतुर्वेदी, नीरज द्विवेदी, ग्राम पंचायत के सचिव, रोजगार सहायक, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, सहायिका आशा कार्यकर्ता, ग्राम पंचायत के ग्रामीण जन एवं विद्यालय के छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

मवेशियों के आतंक से परेशान सैकड़ों अन्नदाताओं ने नही किया खेतीबाड़ी

हजारों एकड़ खेत पड़ती, एक साथ मवेशियों का चलता है झूण्ड, अब किसी तरह बाड़ी के सहारे खेती बचाने की चल रही कवायद

सिंगरौली। अन्नदाता एक नही दोहरी मार से झेल रहे हैं। एक ओर प्रकृति करीब-करीब हर साल कहर ढहाती रहती है। वही अब दूसरी ओर मवेशी भी अन्नदाताओं के फसलों के लिए दुश्मन बनते जा रहे हैं। जिसके चलते इस रबी फसल की सीजन में हजारों अन्नदाताओं ने मवेशियों से परेशान होकर खेतीबाड़ी ही नही किया है।

दरअसल तहसील क्षेत्र में मवेशियों का आतंक इतना बढ़ गया है कि अन्नदाता अपने फसलों की रखवाली करने रतजगा करते आ रहे हैं। इस तरह की समस्या पिछले तीन-चार वर्षो से है। आलम यह है कि पिछले वर्ष

खरीफ फसल के सीजन में अधिकांश फसलों को मवेशियों ने निपटा दिया था। जिसके चलते अन्नदाताओं में जहां भारी गुस्सा है। वही इस वर्ष रबी फसल की बुआई भी नही किया है। बताया जा रहा है कि ग्राम फुलकेश, खैरा, गांगी, धरौली, बरहट, नौडिहवा, पोड़ी, खैड़ार, बड़रम, तमई, बरवाडिह, क्योंटली, लोहदा समेत दर्जनों गांव के अन्नदाताओं ने अपने खेतो को पड़ती छोड़ दिया है। सबसे ज्यादा फुलकेश, खैरा, चिकनी, बर्दी, कोरसर, खुरमुचा, नौगई सहित अन्य गांव के किसानों ने परेशान होकर अपने अधिकांश रकवे में खेतीबाड़ी नही किया है। अब ये भगवान भरोसे हैं। आरोप है कि प्रशासन इन मवेशियों के बारे में कोई सोच-विचार एवं सार्थक प्रयास नही कर रहा है और न ही ग्राम पंचायतो के द्वारा मवेशियों का इंतजामात किया जा रहा है। परेशान कि सानों ने इस ओर कलेक्टर का ध्यान आकृष्ट कराया है।

सक्षम किसान ही अपने खेतों में लगा रहे बाड़ी

मवेशियों के आतंक से परेशान होकर बड़े किसान ही खेतों में चारों तरफ बाड़ी लगाकर मवेशियों से फसलों को बचाने जद्दोजहद करने के विवश हैं। वही जो किसान आर्थिक रूप से कमजोर हैं।

वे रबी फसल की बुआई ही नही किया है। फुलकेश गावं के किसान सुखसैन नाई, बुद्धसेन कोल बताते हैं कि अब खेतीबाड़ी करना आसान नही है। सैकड़ों की संख्या में मवेशी डेरा डाले हुये हैं। रोजाना रतजगा करना भी संभव नही है। आर्थिक रूप से सभी इतना संपन्न नही है कि चारों तरफ खेतों में बाड़ी लगा सके। जितने की बाड़ी लगायेंगे। उतने लागत का अनाज खरीद लेंगे।

बरका महाविद्यालय के 44 परीक्षार्थी आधार पाठ्यक्रम में पूरक

बीए तृतीय वर्ष में अध्ययनरत हैं छात्र, ओएमआर सीट से उत्तर पुस्तिकाओं की हुई थी जांच

सिंगरौली। शासकीय महाविद्यालय बरका में बीए तृतीय वर्ष में अध्ययनरत करीब आधा सैकड़ा छात्रों के फेल होने की खबर सोशल मीडिया में वायरल होते ही महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं में हड़कंप मच गया है। हालांकि बाद में प्राचार्य की ओर सफाई आई है। दरअसल शासकीय महाविद्यालय सेशनल एक्जाम तृतीय वर्ष में अनध्ययनरत छात्रों का डाटा अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय

रीवा न भेजने का आरोप लग रहा है और यह भी चर्चा है कि डाटा न जाने के कारण बीए तृतीय वर्ष के 98 में से 84 छात्र परीक्षा में शरीक हुये थे। जहां सभी छात्र फेल हो गये।

उक्त मामला जब सोशल मीडिया में वायरल हुआ तो परीक्षा में शामिल छात्र-छात्राओं के बीच हड़कंप मच गया। वही प्राचार्य के द्वारा सफाई दी गई और बताया गया कि आधार पाठ्यक्रम में 44 परीक्षार्थी पूरक हुये हैं। 40 छात्र उत्तीर्ण हैं। सभी छात्रों के फेल होने की बाते अफवाह हैं। प्राचार्य की ओर से जब सफाई आई तब मामला शांत हुआ।

इनका कहना है

ओएमआर सीट की जांच कम्प्यूटर से की गई थी। जिसमें बीए तृतीय वर्ष के 44 परीक्षार्थी पूरक हो गये हैं। उक्त कक्षा के छात्रों के फेल होने की खबरें सोशल मीडिया में की जा रही हैं। वह निराधार हैं। शेष जो कमियां हुई हैं। विश्वविद्यालय स्तर से ठीक कराई जा रही हैं।

डॉ. कमलराज सिंह उईके
प्रभारी प्राचार्य
शासकीय महाविद्यालय, बरका

विस्थापितों के नाम पर खाना पूर्ति कर बाहर के लोगो को कलिंगा कंपनी में दिया गया रोजगार, आरोप

सिंगरौली। युवा कांग्रेस के प्रदेश प्रवक्ता पंकज पांडेय ने पत्रकार वार्ता कर एनसीएल के अमलोरी परियोजना में ओबी का काम कर रही कलिंगा कंपनी के एच आर विवेक मिश्रा पर आरोप लगाया है कि विवेक मिश्रा के द्वारा विस्थापित व स्थानीय लोगो की खानापूर्ति करते हुए यहां के नौजवानों के हक को बाहर से लोगो को लाकर लाभ दिया जा रहा है श्री पांडेय ने बताया कि जब परियोजना के विस्थापित स्थानीय लोग रोजगार के लिए जाते है तब उन्हे ये बता दिया जाता है कि रोजगार नहीं है और एक तरफ बाहर से लोगो को लाकर रोज भर्ती किया जा रहा है जिसके खिलाफ युवा कांग्रेस तीन दिन बाद अमलोरी महाप्रबंधक कार्यालय पर प्रदर्शन करेगी साथ ही एनसीएल का काम भी बंद किया जाएगा साथ ही उन्होंने एनसीएल महाप्रबंधक पर भी सवाल खड़े किए की उनके परियोजना खदान में काम करने वाली कंपनी यहां के लोगो के साथ इतना बड़ा अत्याचार कर रही हैं उन्होंने कभी अंकुश लगाने का काम नहीं किया साथ ही खदान के भीतर ये कंपनियां बड़े पैमाने पर एनसीएल को चपत लगाने का काम कर रही 10मीटर गड्ढा खोदती है और 100 मीटर का पेमेंट ले रही है कोयले से लोड गाड़िया आवासीय परिसर की सड़को पर दौर रही है आए दिन सड़क दुर्घटना से लोगों की मौत हो रही है पत्रकार वार्ता के दौरान जिला कांग्रेस ग्रामीण महामंत्री मीडिया प्रभारी प्रवीण सिंह चौहान यूथ इंटक के जिलाध्यक्ष मनोज सिंह पिंटू कमल सिंह पुष्पराज नई अनिल प्रजापति सुरेश साहू सामिल रहे।

बैढ़न इलाके में अवैध रेत का कारोबार फिर पकड़ा जोर

रात में शुरू होता है कारोबार, पुलिस बेखबर

सिंगरौली। जिला मुख्यालय बैढ़न क्षेत्र में अवैध कारोबार जोर पकड़ने लगा है। रात के समय उत्खनन कराकर ट्रैक्टरों से परिवहन कराया जा रहा है। वही उक्त मामले में कोतवाली पुलिस अंजान है।

दरअसल रेत का अवैध कारोबार प्रशासन एवं सरकार के लिए किरकिरी बना हुआ है। 6 करोड़ की लेनदारी-देनदारी का मामला सोशल मीडिया में जोर पकड़ा हुआ है। लेनदार एवं देनदार की खूब किरकिरी हो रही है। वही सोशल मीडिया में लेनदार ट्रोल भी हो रहा है। इन बातों में कितना दम है यह तो लेनदार-देनदार ही सही बता पाएंगे। इधर बैढ़न इलाके में रेत का अवैध कारोबार जोर पकड़ा हुआ है। चर्चाएं हैं कि रात 10 बजे के बाद बलियरी सहित आसपास के म्यार नदी से रेत का उत्खनन एवं परिवहन शुरू हो जाता है। वही चर्चा है कि यहां टीपी में भी खेला कर दिया जाता है। एक टीपी के सहारे कई चक्कर वाहन रेत का अवैध परिवहन करते हैं। जिसकी भनक पुलिस को नही लग रही है। पुलिस के नजर में कही अवैध रेत का उत्खनन-परिवहन नही हो रहा है। सब कुछ ठीकठाक है। जबकि सूत्र बतातें हैं कि पिछले चार-पॉच दिनों के दौरान रात के समय रेत कारोबारी सक्रिय होकर बैढ़न इलाके के बस्तियों में रेत खपा रहे हैं। उधर यह भी चर्चाएं हैं कि पुलिस रात में गस्त करती है। लेकिन उनकी नजर रेत ट्रैक्टरों पर नही पड़ती या फिर रेत कारोबारी पुलिस वाहन को देख दुपक जाते हैं। इसीलिए कोतवाली पुलिस अंजान है। फिलहाल नवागत पुलिस अधीक्षक के सामने इन अवैध करोबार पर अंकुश लगाकर कार्रवाई कराना एक बड़ी चुनौती मानी जा रही है।

हर्रैया में श्रीमद् भागवत महापुराण कथा के कलश का हुआ विसर्जन

सिंगरौली। ग्राम पंचायत डिग्घी के ग्राम हर्रैया बरगवां रोड में चल रही। संगीतमय श्रीमद्भागवत कथा में अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त अध्यात्म तत्ववेता योग एवं भागवताचार्य पीठाधीश्वर श्रीकृष्ण प्रणामी मंदिर इटावा उ.प्र. से आये स्वामी परमानंद महराज द्वारा कथा सुनाया गया। विसर्जन के दिन भारी संख्या में श्रद्धालू महिलाएं-पुरुष, बच्चे शामिल होकर कलश विसर्जन किए। आयोजन समिति के राकेश चन्द्र पाण्डेय व गुंजारी लाल तिवारी ने सफल आयोजन के लिए सभी श्रद्धालुओं व भक्तगण का धन्यवाद ज्ञापित किया और श्री पाण्डेय ने कहा कि इसी तरह प्रत्येक वर्ष धार्मिक आयोजन किये जायेंगे।

मरीजों को मिलेगी सुविधा, नवनिर्मित उप स्वास्थ्य केन्द्र घोघरा का नगर परिषद सरई की अध्यक्ष ने किया उद्घाटन

सिंगरौली। नगर परिषद सरई की अध्यक्ष अनुराधा सिंह ने घोघरा में नवनिर्मित उप स्वास्थ्य केंद्र का उद्घाटन किया। इस केंद्र का शुभारंभ क्षेत्रवासियों के लिए स्वास्थ्य सेवाओं को सुलभ बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उद्घाटन समारोह में वार्ड के पार्षद और समाजसेवी प्रेम सिंह भाटी, स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी सहित स्थानीय जन उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान अध्यक्ष अनुराधा सिंह ने कहा कि स्वास्थ्य सुविधाएं किसी भी क्षेत्र के विकास का आधार होती हैं। उन्होंने बताया कि इस स्वास्थ्य केंद्र से आसपास के सैकड़ों ग्रामीणों को बेहतर चिकित्सा सेवाएं प्राप्त होंगी। अब लोगों को प्राथमिक स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए दूरदराज के अस्पतालों पर

निर्भर नहीं रहना पड़ेगा। पार्षद प्रेम सिंह भाटी ने कहा कि उप स्वास्थ्य केंद्र की स्थापना से क्षेत्र के नागरिकों को न केवल त्वरित चिकित्सा सहायता मिलेगी, बल्कि महिलाओं और बच्चों के स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का भी समाधान होगा। उन्होंने इस पहल को नगर परिषद की विकास योजनाओं का अहम हिस्सा बताया। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने उपस्थित नागरिकों को स्वास्थ्य केंद्र में उपलब्ध सुविधाओं के बारे में जानकारी दी। यहां सामान्य स्वास्थ्य जांच, टीकाकरण, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाएं, और आवश्यक दवाओं की आपूर्ति उपलब्ध कराई जाएगी। स्थानीय निवासियों ने उप स्वास्थ्य केंद्र की स्थापना पर खुशी जाहिर की और इसे क्षेत्र के विकास में मील का पत्थर बताया। उन्होंने नगर परिषद और स्वास्थ्य विभाग के इस प्रयास की सराहना की। अंत में उपस्थित नागरिकों ने स्वास्थ्य सेवाओं के प्रति जागरूकता बढ़ाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने क्षेत्र के विकास के लिए इसी प्रकार की अन्य पहलें जारी रखने की अपेक्षा जताई।

इस मौके पर डॉ.सौरभ कुशवाहा मेडिकल ऑफिसर सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र सरई, डॉ.रामायण प्रसाद शुक्ला सुपरवाइजर, रामनरायण शुक्ला,जगदीश प्रसाद रावत,धर्मेंद्र पनिका, लालजी जायसवाल,गीता देवी प्रजापति सहित आशा कार्यकर्ता एवं आमजन उपस्थित रहे।

भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ में भाषण, निबंध और पोस्टर प्रतियोगिता आयोजित

सीधी। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस संजय गांधी स्मृति महाविद्यालय सीधी में भारतीय ज्ञान परंपरा के अंतर्गत भाषण, निबंध तथा पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन 18 नवंबर से सतत किया जा रहा है। भारतीय ज्ञान परंपरा के नोडल अधिकारी डॉ. रामनारायण स्वर्णकार के कुशल नेतृत्व में विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित हो रही है। दिनांक 18.11.2024 को भाषण प्रतियोगिता के संयोजक डॉ. अश्वनी कुमार द्विवेदी द्वारा भारतीय ज्ञान परंपरा प्रासंगिकता विषय पर प्रतियोगिता आयोजित की गई। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. पी. के. सिंह द्वारा भारतीय ज्ञान परंपरा द्वारा आयोजित प्रतियोगिताओं का उद्घाटन किया गया और छात्रध्छात्राओं को विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया गया। डॉ. अनिल सिंह प्राध्यापक अंग्रेजी ने भारतीय ज्ञान परंपरा प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला। भाषण प्रतियोगिताओं में कुल 11 छात्र/छात्राओं ने भाग लिया जिसमें प्रथम स्थान अभिनय शर्मा बी.ए. द्वितीय वर्ष, द्वितीय स्थान अंकुश सिंह परिहार बी.ए. तृतीय वर्ष, तृतीय स्थान अनामिका तिवारी बी.ए. तृतीय वर्ष को प्राप्त हुआ। इस प्रतियोगिता के निर्णयक क्रमशः डॉ. गौरव यादव (अतिथि विद्वान वनस्पति शास्त्र), डॉ. कोमल पाण्डेय (अतिथि विद्वान समाज शास्त्र), डॉ. नागेन्द्र सिंह (सहायक प्राध्यापक हिन्दी) रहे।

निबंध प्रतियोगिता दिनांक 19.11.2024 को आयोजित हुई जिसके संयोजक डॉ. गुलशेर अहमद रहे। निबंध प्रतियोगिता का विषय भारतीय ज्ञान परंपरा एवं राष्ट्रीय शिक्षा नीति रहा। इस प्रतियोगिता में कुल 13 छात्र/छात्राओं ने भाग लिया जिसमें प्रथम स्थान अंकुश सिंह परिहार

बी.ए. तृतीय वर्ष, द्वितीय स्थान आराधना द्विवेदी बी.एससी. द्वितीय वर्ष, तृतीय स्थान अंजली सिंह बी.ए. तृतीय वर्ष को प्राप्त हुआ। इस प्रतियोगिता के निर्णयक क्रमशः डॉ. कन्हैया लाल प्रजापति (अतिथि विद्वान वनस्पति शास्त्र), डॉ. सत्यप्रकाश शुक्ला (अतिथि विद्वान भौतिक शास्त्र), डॉ. निवेदिता लखेरा (अतिथि विद्वान हिन्दी) रहे है। डॉ. गुलशेर अहमद ने छात्र/छात्राओं को निबंध लेखन के संबंध में मार्ग दर्शन प्रदान किया। भारतीय ज्ञान परंपरा के नोडल अधिकारी डॉ. रामनारायण स्वर्णकार ने छात्र/छात्राओं को निबंध प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए बधाई दी।

पोस्टर प्रतियोगिता दिनांक 20.11.2024 को आयोजित किया गया जिसमें भारतीय ज्ञान परंपरा पर वैश्विक संस्कृति का प्रभाव पर छात्र/छात्राओं ने पोस्टर तैयार किया। पोस्टर प्रतियोगिता के संयोजक डॉ. दिवाकर सिंह ने छात्र/छात्राओं को पोस्टर प्रतियोगिता एवं पोस्टर बनाने के तरीके को समझाया। पोस्टर प्रतियोगिता में कुल 06 छात्र/छात्राओं ने भाग लिया जिसमें प्रथम स्थान रौनक सोनी बी.एससी. प्रथम वर्ष, द्वितीय स्थान ज्योति बी.एससी. प्रथम वर्ष, तृतीय स्थान संजय कुमार यादव बी.एससी. प्रथम वर्ष को प्राप्त हुआ। इस प्रतियोगिता के निर्णयक क्रमशः डॉ. दिवाकर सिंह (सहायक प्राध्यापक वनस्पति शास्त्र), डॉ. नागेन्द्र सिंह (सहायक प्राध्यापक हिन्दी), डॉ. अर्चना सिंह (अतिथि विद्वान अंग्रेजी) रहे है।

उक्त समस्त प्रतियोगिताओं में डॉ. कोमल पाण्डेय, डॉ. विभा कुशवाहा, डॉ. विनोद कुमार साकेत, डॉ. अमित कश्यप, डॉ. कन्हैया लाल प्रजापति, डॉ. सत्य प्रकाश शुक्ला, डॉ. निवेदिता लखेरा, डॉ. संहिता मिश्रा, डॉ. राजेश कुमार विश्वकर्मा, डॉ. राकेश कुमार प्रजापति (सहायक नोडल अधिकारी भारतीय ज्ञान परंपरा), डॉ. प्रतिभा सिंह की उपस्थिति उल्लेखनीय रही। समस्त प्रतियोगिताओं में श्री मनोज कुमार प्रजापति का विशेष योगदान रहा जिन्होंने प्रतियोगिताओं के विभिन्न व्यवस्थाओं को संभाला। भारतीय ज्ञान परंपरा के नोडल अधिकारी डॉ. रामनारायण स्वर्णकार ने समस्त छात्र/छात्राओं को जिनकी उपस्थिति में उक्त कार्यक्रम सम्पन्न हुये धन्यवाद ज्ञापित किया और समस्त प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया। यह समस्त प्रतियोगिताएं महाविद्यालयीन स्तर की थी जिसमें प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले छात्र/छात्राएं जिला स्तरीय प्रतियोगिता में सम्मिलित होंगे।

धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान अंतर्गत प्रधानमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना का मिलेगा लाभ

सीधी

सहायक संचालक मत्स्योद्योग ने जानकारी देकर बताया कि धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान अंतर्गत मत्स्य विभाग की प्रधानमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना को भी सम्मिलित किया गया है। इस योजना अंतर्गत सीधी जिले के चयनित 134 ग्रामों में निवासरत अनुसूचित जनजाति वर्ग के हितग्राही जो मत्स्यपालन की गतिविधियों से जुड़कर रोजगार प्राप्त करना चाहते हैं इस योजना का लाभ लेने हेतु आवेदन कर सकते हैं। धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान अंतर्गत मत्स्य विभाग की प्रधानमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना में बैकयार्ड मिनी आरएएस, बायोफ्लाक, पोंड बायोफ्लाक, मछली बेचने के लिए साईकिल, मोटर साईकिल, आटोरिक्शा विथ आइस बॉक्स, संवर्धन पोखर निर्माण, फिश सेल्फिंग की ओस्क सहित एनी गतिविधियों हेतु आवेदन आमंत्रित किये गए हैं। इच्छुक हितग्राही मत्स्य पालन विभाग के जिला कार्यालय, जनपद पंचायत स्तर पर स्थित राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के अधिकारियों से संपर्क कर आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं। इस योजना में इकाई लागत का 90 प्रतिशत राशि अनुदान के रूप में कार्य पूर्ण होने तथा मूल्यांकन पश्चात हितग्राही को शासन द्वारा सीधे हितग्राही के बैंक खाते मे देय होगा। यह योजना केवल जिले के चयनित 134 ग्रामों में निवासरत आदिवासी वर्ग के हितग्राहियों के लिये ही संचालित है। चयनित ग्रामों में निवासरत केवल आदिवासी वर्ग के इच्छुक हितग्राही धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान अंतर्गत मछली पालन के लाभकारी व्यवसाय से जुड़कर योजना का अधिक से अधिक लाभ उठा सकते है।

हमारा शौचालय हमारा सम्मान अभियान अंतर्गत बहरी में दूसरे सामुदायिक शौचालय का संचालन प्रारंभ

सीधी। जिला सीधी अंतर्गत जनपद पंचायत सिहावल में हमारा शौचालय हमारा सम्मान अभियान अंतर्गत स्वच्छ बहरी सुंदर बहरी ग्राम पंचायत क्षेत्र बहरी बाजार ग्राम केशवाही साडा भवन के सामने दूसरे सामुदायिक शौचालय का संचालन किया गया। सार्वजनिक शौचालय आधुनिक सर्व सुविधायुक्त है जिसमें बोरबेल, स्नानागार, लेडीज यूरिनल, पुरूष यूरिनल, बिजली, पानी, सहित रखरखाव के लिए कर्मचारी की व्यवस्था की गई है। इसी अभियान अंतर्गत अन्य अक्रियाशील सामुदायिक शौचालय को इसी तरह सुधार करने के निर्देश सीईओ जिला पंचायत द्वारा दिया गया।

उक्त सामुदायिक शौचालय का संचालन होने से व्यवसायियों एवं क्षेत्र से आ रहे ग्रामीण जनों को सुविधा मिलेगी एवं बस स्टैंड साडा परिसर में स्वच्छता व्यवस्था मजबूत होगी।

धरती पुत्र दिवस के रूप में आज मनाया जाएगा मुलायम सिंह की जन्म जयंती का कार्यक्रम

कार्यक्रम का आयोजन समाजवादी पार्टी कार्यालय में आयोजित होगा

सीधी। भारत देश के रहे पूर्व रक्षा मंत्री भारत रत्न से सम्मानित समाजवादी पार्टी के संस्थापक धरतीपुत्र श्रद्धेय मुलायम सिंह नेताजी की जन्म जयंती का कार्यक्रम आज मनाया जाएगा समाजवादी पार्टी कार्यालय सीधी में।

समाजवादी पार्टी सीधी के शहर अध्यक्ष समर बहादुर यादव ने पत्रकार बंधुओ को जानकारी देते हुए बताएं कि भारत रत्न से सम्मानित देश के पूर्व रहे रक्षा मंत्री समाजवादी पार्टी के संस्थापक श्रद्धेय मुलायम सिंह नेता जी की 85वीं जन्म जयंती के शुभ अवसर पर नेताजी के विचार संगोष्ठी का कार्यक्रम आज 22 नवंबर को दोपहर 1ः00 बजे से समाजवादी पार्टी कार्यालय न्यू बस स्टैंड तिराहा के पास मनाया जाएगा। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से उपस्थित रहेंगे मध्य प्रदेश के प्रदेश महासचिव, रीवा संभाग प्रभारी रामप्रताप सिंह यादव एवं सीधी जिला प्रभारी संत कुमार पटेल की उपस्थिति में कार्यक्रम संपन्न होगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष राजेंद्र पटेल व कार्यक्रम का संचालन शहर अध्यक्ष समर बहादुर यादव करेंगे। अतः जिले में निवासरत प्रदेश पदाधिकारी एवं जिला कार्यकारिणी सभी प्रकोष्ठों के अध्यक्ष गण ब्लॉक अध्यक्ष विधानसभा अध्यक्ष जिला एवं शहर कार्य समिति सदस्य सहित सभी महानुभाव सदर आमंत्रित हैं।

एकलव्य स्कूल हड़बड़ो का शैक्षणिक भ्रमण सम्पन्न

सीधी। विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी एकलव्य पब्लिक हायर सेकेंडरी स्कूल हड़बड़ो के छात्र छात्राओं को शैक्षणिक भ्रमण में ले जाया गया, जिसमे बच्चों को चित्रकूट, आगरा, मथुरा एवं वृंदावन का भ्रमण कराया गया। भ्रमण में छात्र छात्राओं को बांके बिहारी मंदिर,स्नेह बिहारी मंदिर, राधावल्लभ मंदिर, राधारमण मंदिर, प्रेम मंदिर, निधिवन, कैलादेवी मंदिर, चामुंडा देवी मंदिर, चौरासी खंभा, रमणरेती मंदिर, रसखान समाधि, ब्रम्हांड घाट, बरसाना में राधारानी मंदिर, कीर्ति मंदिर, नंदगांव में बाबा नन्द के मंदिर एवं कृष्ण जन्मभूमि के दर्शन कराए गए। इससे छात्र छात्राओं में इन स्थानों के प्रति आध्यात्मिक एवं धार्मिक मान्यता का लगाव बढ़ा साथ ही साथ इन स्थानों के महत्व एवं वहां की जानकारी भी प्राप्त हुई।

विद्यालय के इस भ्रमण में लगभग 150 छात्र छात्राएं एवं विद्यालय के कई

स्टाफ सम्मिलित हुए थे। विद्यालय के संचालक ज्ञानेन्द्र प्रताप सिंह, नीतू सिंह, संरक्षक शीलध्वज सिंह, प्रबंधक विनोद सिंह, श्यामलाल शर्मा, प्राचार्य स्वेता सिंह, राजेंद्र द्विवेदी, वरिष्ठ शिक्षक मनीता सिंह, प्रीति शुक्ला, मनोज खरे, संजय पाण्डेय, सचिन सिंह, विदित सिंह, ध्रुवदेव सिंह, अरविंद सिंह, शशिमा सिंह, संध्या शुक्ला, नमिता सिंह, सुनीता विश्वकर्मा, ज्योतिप्रभा द्विवेदी, करूणा मिश्रा, जयप्रकाश पाण्डेय, सोनू सिंह, माधव सिंह रजनीश पांडे, अर्पिता सिंह, अनूप लखेरा, अंकिता सेन, संतोष यादव, सन्नी बैगा, आंचल सिंह, विपुल तिवारी, मनीष मौर्या, काजल केवट एवं समस्त विद्यालयीन परिवार एवं अभिभावकों द्वारा छात्र-छात्राओं के इस सफल भ्रमण की शुभकामनायें देते हुए भविष्य में भी ऐसे ही उत्सुकता से अन्य तरह की गतिविधियों को करने की प्रेरणा दी है।

नरेन्द्र सिंह बने निर्विरोध जिला अध्यक्ष

सीधी। मध्यप्रदेश सहकारी कर्मचारी महासंघ की बैठक सम्पन्न हुई। जिसमें जिले के आए सभी ब्लाकों के कर्मचारी जिसमें विक्रेता, कनिष्ठ विक्रेता, प्रभारी प्रबंधक, आपरेटर, लिपिक एवं चैकीदार उपस्थित रहें। इस अवसर पर प्रदेश महासंघ के राजेश मिश्रा को सीधी जिला का चुनाव अधिकारी नियुक्त किया गया था उनकी उपस्थिति में जिलाध्यक्ष हेतु चुनाव सम्पन्न हुए जिसमें उपस्थित समस्त गणमान्य पदाधिकारियों, सदस्यों द्वारा जिला अध्यक्ष पद हेतु नरेन्द्र सिंह को सर्वसम्मति से निर्विरोध चुना गया। इसके साथ ही प्रदेश प्रतिनिधि के निर्वाचन में मतदान प्रक्रिया प्रारम्भ हुई जिसमें 151 मत प्राप्त हुए जिसमें अशोक सिंह चैहान को 141 मत प्राप्त हुए तथा उन्हे विजयी घोषित कर चुनाव अधिकारी राजेश मिश्रा द्वारा प्रमण-पत्र जारी किया गया।

इस अवसर पर जिला संरक्षक राकेश सिंह, अनिल मिश्रा, धीरेन्द्र सिंह प्रबंधक बघवार, जय सिंह, सुखेन्द्र सिंह, राजभान पटेल, सुखसागर पटेल, रामशिरोमणि जायसवाल, ध्रुव सिंह, मनोज कुमार द्विवेदी, जीतेन्द्र सिंह, राकेश सिंह, ज्ञानेन्द्र सिंह, राजेन्द्र सिंह गहरवार सहित अन्य पदाधिकारी, कर्मचारियों ने हर्ष व्यक्त करते हुए शुभकामनाएं दी।

अमानक लाटों का बीज भण्डारण, क्रय-विक्रय एवं परिवहन तत्काल प्रभाव से प्रतिबंधित

सीधी। अनुज्ञप्ति अधिकारी एवं उप संचालक किसान कल्याण तथा कृषि विकास ने जानकारी देकर बताया है कि बीज नियंत्रण आदेश 1983 के तहत बीज निरीक्षण विकासखण्ड सीधी द्वारा बीज नमूना लिया जाकर विश्लेषण हेतु प्रयोगशाला भेजे गये थे जो बीज परीक्षण प्रयोगशाला रीवा के पत्र दिनांक 11.11.2024 के द्वारा प्राप्त परिणाम के आधार पर अमानक स्तर का पाया गया है। बीज नियंत्रण आदेश 1983 की धारा 15 में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए अमानक लाटों का बीज का भण्डारण, क्रय-विक्रय एवं परिवहन तत्काल प्रभाव से प्रतिबंधित किया गया है। उन्होने बताया कि मे. न्यू रौनक कृषि सेवा केन्द्र प्रो रावेन्द्र कुमार शुक्ला लालता चौक सीधी के विक्रय प्रतिष्ठान से अजीत सीड्स प्रा. लि. हैदराबाद के बीज सरसो किस्म अजीत 201 टी.एल./ व्हीकेएस-37 लाट नम्बर केओजी 56608, मे. प्रगति बीज भण्डार प्रो. मनोज सिंह बघेल रीवा रोड चुरहट वि.ख. रामपुर नैकिन के विक्रय प्रतिष्ठान से एस.एल.व्ही-46 सीड्स प्रा. मि. तेलंगाना के बीज सरसों/ एसएलव्ही-46 हायब्रिड/ पीएलएस 64 लाट नम्बर एसएलव्ही-एएल-0909 का नमूना लिया गया था जो परीक्षण उपरान्त अनामन पाया गया है। जिसका भण्डारण, क्रय-विक्रय एवं परिवहन तत्काल प्रभाव से प्रतिबंधित किया गया है।

शासकीय महाविद्यालय खड्डी में सांस्कृतिक कार्यक्रम संपन्न

सीधी। शासकीय महाविद्यालय खड्डी जिला सीधी में उच्च शिक्षा विभाग के तत्वाधान में भारतीय ज्ञान परंपराये प्रकोष्ठ के अंतर्गत दो दिवसीय महाविद्यालयीन स्तर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित हुए जिसमें मुख्य रूप से प्रथम दिवस भारतीय संस्कृति के लोकगीत, भारतीय ज्ञान परंपराये से सम्बन्धित पोस्टर, भारतीय ज्ञान परंपराये से सम्बन्धित निबंध प्रतियोगिता एवं द्वितीय दिवस भारतीय संस्कृति के लोकनृत्य, भारतीय परंपराओं से सम्बन्धित भाषण, भारतीय परंपराओं से संबंधित सामान्य ज्ञान प्रतियोगिताओ का आयोजन संपन्न हुआ। प्रतियोगिता में महाविद्यालय के छात्र छात्राओं ने अत्यंत उत्साहित होकर हिस्सा लिया एवं अदभुत, मंत्रमुग्ध प्रदर्शन दिया। प्रतियोगिता में प्रभारी प्राचार्य डॉ विनोद कुमार दुबे, डॉ श्रीकांत द्विवेदी, डॉ अजय सिंह, डॉ वीणा चौधरी, डॉ भावना सिंह, डॉ मनोज रजक, प्रिंस मिश्रा, डॉ पवन कुमार वर्मा, अभिनंदन पांडेय, डॉ राजकुमार गुप्ता क्रीड़ा अधिकारी, सुखसेन सूतिया सहायक लिपिक एवं अन्य कर्मचारी उपस्थिथि रहें।

68वीं राज्यस्तरीय परंपरागत लाठी एवं गतका प्रतियोगिता में रीवा संभाग की टीम हुई सम्मिलित

सीधी। मध्य प्रदेश के उज्जैन में दिनांक 18 नवंबर से 22 नवंबर 2024 तक आयोजित होने वाली 68वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता के अंतर्गत परंपरागत लाठी एवं गतका प्रतियोगिता में रीवा संभाग के विभिन्न जिलों के छात्रों का चयन हुआ जिसमें सीधी जिले से अंश प्रताप सिंह,मो.सहवाग और मो. यासीन का चयन हुआ। उनके चयन पर उनके अभिभावक तथा समस्त क्षेत्रवासी उत्साहित हुए। उपरोक्त सभी छात्र ञ्जष्टरुप्लांट, बघवार द्वारा संचालित आदित्य बिड़ला हायर सेकेंडरी स्कूल के छात्र हैं तथा विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं में प्रतिभाग करते रहते हैं। खेल के प्रति इनकी मेहनत और लगन को देखते हुए विद्यालय के खेल शिक्षक श्री प्रकाश प्रजापति एवं मोहित मिश्र ने उनका मार्गदर्शन किया और प्रशिक्षण दिया जिसके फलस्वरुप उन्होंने विद्यालय के साथ-साथ अपने जनपद का भी नाम रोशन किया। उनकी इस सफलता पर विद्यालय प्रबंधन के साथ विद्यालय के प्राचार्य श्री अतुल कुमार पाण्डेय ने और अन्य सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं ने उनके उज्जवल भविष्य की कामना की और उन्हें निरंतर आगे बढ़ने के लिए प्रेरणा शब्द कहे।

फर्जी बिल के नाम पर भनवारी पंचायत में हुआ भुगतान

सरपंच एवं रोजगार सहायक की मिलीभगत से किया गया कारनामा

सीधी। जनपद पंचायत सिहावल अंतर्गत ग्राम पंचायत भनवारी में फर्जी बिल के माध्यम से भुगतान करने का मामला सामने आया है। ताज्जुब की बात यह है कि फर्जी बिल के साथ जीएसटी, सीएसटी बिल न जारी होने के बाद भी भुगतान प्रक्रिया पंचायत द्वारा करा दी गई है। ऐसे में संबंधितों के खिलाफ कार्यवाही होने की उम्मीद मानी जा सकती है। जिम्मेदार अधिकारी इस मामले में पहल करेंगे तो निश्चित रूप से फर्जी बिल जारी करने वालों के खिलाफ कार्यवाही हो सकती है।

पंचायत में निर्माण कार्यों के नाम पर होटल सहित अन्य स्थानों में बिल की रसीद ली गई लेकिन न तो जीएसटी को पालन किया गया वहीं बिना डेट एवं नियम के विपरीत दुकानदारों से बिल लेने की जानकारी मिली है। इस मामले में सरपंच एवं रोजगार सहायक अब मुसीबत में फंस सकते हैं। हालांकि भुगतान हो सकता है लेकिन जांच होगी तो ऑडिट रिपोर्ट में उनके खिलाफ कार्यवाही होगी। वहीं जिम्मेदार अधिकारी की भी यह जिम्मेवारी होती है कि फर्जी बिल भुगतान कैसे हुआ इस मामले में उनके द्वारा क्या पहल की जाएगी यह भी बड़ा मामला होता है।

भनवारी पंचायत में भुगतान करने को लेकर जो शिकायतें मिली हैं उसके तहत बीएन मोबाईल बस स्टैंड सीधी द्वारा 26 नवंबर 2023 में स्टेशनरी के नाम पर 25 हजार रुपए, वहीं पाठक स्वीट्स बहरी के नाम पर 2 अलग-अलग तारीख में 6 हजार 940 एवं 11 हजार 840 रुपए का भुगतान हुआ। इसी तरह विजय टेंट हाउस के नाम पर 12 जनवरी 2024 की तिथि पर 18600 इसके अलावा विजय टेंट हाउस में कई भुगतान हुए हैं। वहीं उदय ट्रेडर्स सीधी के नाम पर भी 12 नवंबर 2024 के नाम पर 12850 रुपए का भुगतान किया गया। आरके साउंड एवं डीजे बहरी में भी बिना डेट एवं जीएसटी बिल दिए बिना 65 हजार का भुगतान हुआ। इसी तरह जय टेंट हाउस बहरी द्वारा 15 हजार 900 का भुगतान किया गया। संतोष फ्लॉवर्स डेकोरेशन द्वारा 12 जनवरी 2024 को 5600 रुपए का भुगतान हुआ। वहीं कोशव हार्डवेयर के नाम पर 11 हजार 900 का भुगतान किया गया। रामायण होटल बहरी में 26 जनवरी 2024 में मिष्ठान खरीदने के नाम पर 14 हजार 960 रुपए का भुगतान किया गया। इस तरह का फर्जी भुगतान करने की सर्वाधिक शिकायतें मिली हैं।

पाठक स्वीट्स बहरी के संचालक ने बताया कि हमने कोई बिल नहीं दिए हैं। हमारे नाम पर फर्जी बिल बनाया गया है। पंचायत में भुगतान करा दिया गया इसकी हमें कोई जानकारी नहीं है। वहीं उमेश गुप्ता ने कहा कि हम बिल लगाने के लिए नहीं दिए थे वह कैसे बिल का भुगतान किए हमें इसकी जानकारी नहीं है। इसके साथ ही अन्य दुकानदारों ने यह स्वीकारा कि हमारे दुकान के नाम पर पंचायत में फर्जी भुगतान किया गया है। कुल मिलाकर दुकानदारों की भी मिलीभगत है। अब कच्ची बिल देने की वजह से वह अपनी कमी छिपाने की बजाय दूसरों पर दोषारोपण कर रहे हैं।

गणेश स्कूल के 6 छात्रों ने राज्य स्तरीय बॉक्सिंग प्रतियोगिता मे जीते पदक

सीधी। विगत 03 से 07 नवंबर 2024 को जबलपुर मे आयोजित शालेय राज्यस्तरीय बॉक्सिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें रीवा संभाग से श्री गणेश स्कूल अमहा के 16 छात्र- छात्राएं सम्मिलित हुए एवं अच्छा प्रदर्शन करते हुए 02 छात्र- 14 वर्ष बालक - अभिषेक जायसवाल एवं हिमांशु शुक्ला ने रजत पदक जीता वही 17 वर्ष बालिका मे राबिया बानो, 17 वर्ष बालक मे- अनिरुद्ध सिंह, 19 वर्ष बालक मे अनुपम जायसवाल एवं आयुष पाठक ने कास्य पदक जीता। पदक विजेता छात्र छात्राओं एवं उनके प्रशिक्षक सूरज शुक्ला को श्री गणेश इंस्टिट्यूट के डायरेक्टर नीरज शर्मा, असिस्टेंट डायरेक्टर अरुण ओझा, गणेश विद्यालय अमहा के प्राचार्य जे.एन. मिश्रा, हेड मास्टर पुष्पराज मिश्रा, सतीश तिवारी,विनायक मिश्रा एवं समस्त स्टॉफ ने चयनित छात्र-छात्राओं को बधाई एवं उज्जवल भविष्य की कामना की।

संपादकीय

मोटापे की दवाएं

संसार में मोटापा एक बड़ी समस्या ही नहीं, बल्कि एक बड़े रोग की तरह फैल रहा है और ऐसे में, मोटापे की दवा खोजने में लगे वैज्ञानिकों का सम्मान सुखद व स्वाभाविक है। वैसे तो मोटापे की दवा खोजने के अभियान में अनेक वैज्ञानिकों का योगदान रहा है, पर उनमें से तीन वैज्ञानिकों को इस वर्ष के प्रतिष्ठित लास्कर पुरस्कार के लिए चुना गया है। सबसे कामयाब मोटापा-विरोधी दवाओं को विकसित करने में शामिल इन तीन वैज्ञानिकों के बारे में माना जा रहा है कि इन्हें चिकित्सा का नोबेल भी मिलेगा। आमतौर पर लास्कर पुरस्कार जीतने वाले वैज्ञानिक को ही नोबेल दिया जाता है। ये तीन सम्मानित वैज्ञानिक हैं- जोएल हेबेनर, स्वेतलाना मोजसोव और लोते बेजरे नुडसन। इनके द्वारा निर्मित दवा दरअसल ग्लूकागन- जैसे पेप्टाइड 1 (जीएलपी-1) नामक हार्मोन की नकल करती है, इससे रक्त-शर्करा के स्तर को कम करने और भूख नियंत्रित करने में मदद मिलती है। क्लिनिकल-अनुसंधान श्रेणी में लास्कर से सम्मानित इन तीनों वैज्ञानिकों को 2,50,000 अमेरिकी डॉलर की राशि मिलेगी। वास्तव में, बायोमेडिकल वैज्ञानिक जीएलपी-1 अनुसंधान की बढ़ती मान्यता से उत्साहित हैं। इसका मकसद शुरुआत में मधुमेह का इलाज करना था और मधुमेह के इलाज की तलाश में मोटापे की दवाएं हाथ लगी हैं। गौर करने की बात है कि मोटापा के मोर्चे पर वैज्ञानिक लंबे समय से काम कर रहे हैं। शल्य क्रिया के अलावा कुछ दवाएं भी उपलब्ध हैं, जो मोटापे को घटाने में मदद कर सकती हैं। मोटापे के खिलाफ नई कामयाबी से यह पता चला है कि जीएलपी-1 आधारित दवाएं सिर्फ मोटापे और मधुमेह का इलाज नहीं करती हैं। वे हृदय रोग, किडनी रोग के इलाज में भी मददगार हो सकती है। इन दवाओं का इस्तेमाल स्लीप एपनिया में भी हो सकता है। इधर, स्लीप एपनिया के मामले बढ़ रहे हैं, मतलब, सोते समय सांस रुक-रुककर चलने की शिकायत बढ़ रही है। वास्तव में, एक अच्छी दवा जब बनती है, तो उसका व्यापक प्रयोग या उपयोग सामने आता है। जीएलपी-1 आधारित दवाओं पर और काम करने की जरूरत है।

आज भारत में केवल मुंबई, दिल्ली, कोलकाता, चेन्नई, बैंगलोर, हैदराबाद, पुणे जैसे महानगर ही देश के विकास में भागीदारी नहीं कर रहे हैं बल्कि ग्रामीण इलाकों में भी पर्याप्त विकास हो रहा है। इससे रोजगार के अवसर भी इन इलाकों में निर्मित हो रहे हैं। भारतीय प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार समिति की सदस्य सुश्री शमिका रवि द्वारा हाल ही में सम्पन्न किए गए एक रिसर्च पेपर में, आंकड़ों के साथ, कई महत्वपूर्ण जानकारियां दी गई हैं। इस रिसर्च पेपर में भारत के आर्थिक विकास के कई क्षेत्रों के सम्बंध में तथ्यों पर आधारित सारगर्भित बातें बताने के साथ साथ यह भी जानकारी दी गई है कि किस प्रकार भारत में अब ग्रामीण इलाके भी देश की अर्थव्यवस्था में अपना योगदान बढ़ा रहे हैं तथा कई राज्यों की आर्थिक स्थिति में सुधार होता हुआ दिखाई दे रहा है। साथ ही, यह भी बताया गया है कि किस प्रकार भारत में तेज गति से हो रहे आर्थिक विकास का लाभ देश के युवाओं को रोजगार के अधिक अवसरों के रूप में मिल रहा है।

भारत में रोजगार के संदर्भ में बदलना होगा अपना नजरिया

(प्रह्लाद सबनानी)

आज भारत में केवल मुंबई, दिल्ली, कोलकाता, चेन्नई, बैंगलोर, हैदराबाद, पुणे जैसे महानगर ही देश के विकास में भागीदारी नहीं कर रहे हैं बल्कि ग्रामीण इलाकों में भी पर्याप्त विकास हो रहा है। इससे रोजगार के अवसर भी इन इलाकों में निर्मित हो रहे हैं। सबसे अधिक विकास आज अविकसित क्षेत्रों में हो रहा है। आज गुजरात, महाराष्ट्र, तमिलनाडु, कर्नाटक, आदि के साथ साथ उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, उत्तराखंड, एवं नोर्थ ईस्ट के इलाके भी तेजी से विकास कर रहे हैं। विकास के कई नए क्षेत्रों का निर्माण हुआ है। पिछड़े हुए इन राज्यों में गति पकड़ रहा विकास, भारत के सकल घरेलू उत्पाद में और भी अधिक वृद्धि दर्ज करने में सहायक सिद्ध होगा। ग्रामीण इलाकों में मूलभूत सुविधाओं का अतुलनीय विस्तार हुआ है, जिसके चलते अब सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र में कार्य करने वाली कम्पनियां भी अपने संस्थानों को ग्रामीण क्षेत्रों में स्थापित करने के लिए प्रोत्साहित हो रही हैं। विशेष रूप से दक्षिणी प्रदेशों में कुछ कम्पनियों ने इस सम्बंध में अच्छी पहल की है। प्राचीन भारत में ग्रामीण क्षेत्र ही आर्थिक विकास के मजबूत केंद्र रहे हैं। इससे इन क्षेत्रों में निवासरत नागरिकों को रोजगार के अवसर भी इनके आसपास के इलाकों में मिल जाते हैं और इन्हें शहरी क्षेत्रों की ओर पलायन करने की आवश्यकता ही नहीं होती है।

दूसरे, सामान्यतः देश के विभिन्न राज्यों की वित्तीय स्थिति में भी मजबूती आई है। कुछ राज्यों के बजटीय घाटे में अतुलनीय सुधार दृष्टिगोचर हुआ है। परंतु, साथ ही कुछ राज्यों जैसे, पंजाब, केरल, पश्चिम बंगाल, हिमाचल प्रदेश, आदि प्रदेशों में आज बजटीय घाटे की स्थिति दयनीय हो रही है जिसे शीघ्र ही सम्हालने की आवश्यकता है क्योंकि एक तो इन राज्यों में विकास दर कम होती जा रही है दूसरे इन राज्यों द्वारा मुफ्त योजनाओं को धड़ल्ले से चलाया जा रहा है, बगैर यह ध्यान दिए कि इन बढ़े हुए खर्चों के लिए क्या उनके बजट में कुछ गुंजाइश भी है। इस प्रकार के बढ़े हुए खर्चे इन राज्यों के बजट पर अंततः दबाव बढ़ाते हैं।

आज देश में कुछ राज्यों में ब्याज के भुगतान, प्रशासन सम्बंधी खर्चों एवं सेवानिवृत्त कर्मचारियों को पेंशन का भुगतान करने में ही पूरे बजट की राशि समाप्त हो जाती है। प्रदेश में विकास कार्य करने के लिए कुछ भी राशि बचती ही नहीं है बल्कि कुछ राज्यों को तो इन मदों पर भुगतान करने हेतु भी ऋण लेना होता है जो बजट पर और अधिक दबाव को बढ़ाता है। पूंजीगत खर्चे इन राज्यों में कम ही हो पा रहे हैं जिससे इन राज्यों में प्रति व्यक्ति आय भी कम है और ये राज्य विकास की दर को हासिल नहीं कर पा रहे हैं। दिल्ली में पिछले 10 वर्ष पूर्व तक पूंजीगत मदों पर बजट का एक बहुत बड़ा भाग खर्च होता था परंतु पिछले 10 वर्षों में पूंजीगत व्यय में भारी कमी दृष्टिगोचर हुई है। पंजाब की स्थिति भी बहुत खराब हो गई है केवल 20 वर्ष पूर्व तक पंजाब देश में सबसे अमीर राज्यों की श्रेणी में शामिल था परंतु आज इसके आसपास के राज्य, हिमाचल प्रदेश एवं हरियाणा, भी पंजाब से आगे निकल गए हैं। इन राज्यों में उद्योगों को स्थापित करने की आज सबसे अधिक आवश्यकता है। पंजाब से उद्योग निकलकर हिमाचल प्रदेश एवं हरियाणा में चला गया है। मध्यप्रदेश एवं बिहार कृषि के क्षेत्र में बहुत भारी वृद्धि दर्ज कर रहे हैं परंतु उद्योग के कम मात्रा में होने के चलते इन राज्यों में प्रति व्यक्ति आय में वृद्धि दर तुलनात्मक रूप से कम है।

किसी भी देश के लिए श्रम की भागीदारी एवं बेरोजगारी दो अलग अलग मुद्दे हैं। श्रम की भागीदारी में 18 वर्ष से 59 वर्ष के बीच के वे लोग शामिल रहते हैं जो अर्थ के अर्जन हेतु या तो कुछ कार्य कर रहे हैं अथवा कोई आर्थिक कार्य करने को उत्सुक हैं एवं इस हेतु रोजगार तलाश रहे हैं। पिछले 40 वर्षों के दौरान चीन में श्रम की औसत भागीदारी 75 प्रतिशत से ऊपर रही है। अर्थात प्रत्येक 4 में से 3 लोग या तो रोजगार में रहे हैं अथवा रोजगार तलाशते रहे हैं। वियतनाम में श्रम की भागीदारी 72 से 73 प्रतिशत की बीच रही है। बंगलादेश में यह 60 प्रतिशत से अधिक रही है। परंतु भारत में श्रम की भागीदारी 5 वर्ष पूर्व तक केवल 50 प्रतिशत के आसपास थी जो आज बढ़कर 57 प्रतिशत हो गई है। अर्थात इतने बड़े देश में कुल कार्य करने योग्य जनसंख्या में से आधे से कुछ कम आबादी या तो रोजगार में नहीं है अथवा रोजगार तलाश भी नहीं रही है। यह स्थिति भारत जैसे देश के लिए ठीक नहीं है।

दूसरे, बेरोजगारी से आशय ऐसे नागरिकों से है जो रोजगार तलाश रहे हैं लेकिन उन्हें रोजगार मिल नहीं रहा है। भारत में ऐसे नागरिकों की संख्या मात्र 3 प्रतिशत ही है। समय के साथ बेरोजगारी की दर में थोड़ा बहुत परिवर्तन होता रहता है। परंतु, जब इस स्थिति को विभिन्न प्रदेशों के बीच तुलना करते हुए देखते हैं तो बेरोजगारी की दर में भारी अंतर दिखाई देता है। गुजरात, छत्तीसगढ़, कर्नाटक जैसे राज्यों में बेरोजगारी की दर यह 0.9 से 1.5 प्रतिशत के बीच है, जबकि केरल में 12.5 प्रतिशत है। आर्थिक विकास में वृद्धि के साथ साथ रोजगार के अवसर भी अधिक निर्मित होते हैं। इसलिए आज देश में रोजगार के नए अवसर निर्मित करने के लिए व्यवसाय को बढ़ाना होगा, विकास को बढ़ाना होगा। केवल केंद्र सरकार एवं राज्य सरकारें समस्त नागरिकों को रोजगार उपलब्ध नहीं करा सकती है। इस हेतु, निजी क्षेत्र को आगे आना ही होगा। केंद्र सरकार एवं राज्य सरकार के संस्थानों के रोजगार के अवसर निर्मित करने की कुछ सीमाएं हैं।

आज भारत में 30 वर्ष के अंदर की उम्र के नागरिकों में बेरोजगारी की दर 12 प्रतिशत है, जबकि देश में कुल बेरोजगारी की दर 3.1 प्रतिशत है। अतः देश के युवाओं में बेरोजगारी की दर अधिक दिखाई देती है। देश के युवाओं में कौशल का अभाव है। इसलिए केंद्र सरकार विशेष कार्यक्रम लागू कर युवाओं में कौशल विकसित का प्रयास कर रही है। विशेष रूप से भारत में युवाओं के लिए कहा जा रहा है कि वे 30 वर्ष की उम्र तक काम करना ही नहीं चाहते हैं, क्योंकि इस उम्र तक वे रोजगार के अच्छे अवसर ही तलाशते रहते हैं। 30 वर्ष की उम्र के बाद वे दबाव में आने लगते हैं एवं फिर उन्हें जो भी रोजगार का अवसर प्राप्त होता है उसे वे स्वीकार कर लेते हैं। इसलिए 30 वर्ष से अधिक की उम्र के नागरिकों के बीच बेरोजगारी की दर बहुत कम है। यह स्थिति हाल ही के समय में विश्व के अन्य देशों में भी देखी जा रही है। युवाओं की अपनी नजर में सही रोजगार के अवसर के लिए वे इंतजार करते रहते हैं, अथवा वे अपनी पढ़ाई जारी रखते हैं। आज विशेष रूप से भारत में रोजगार के अवसरों की कमी नहीं है। युवाओं में कौशल एवं मानसिकता का अभाव एवं केवल सरकारी नौकरी को ही रोजगार के अवसर के लिए चुनना ही भारत में श्रम की भागीदारी में कमी के लिए जिम्मेदार तत्व हैं। अधिक डिग्रीयां प्राप्त करने वाले युवा रोजगार के अच्छे अवसर तलाश करने में ही लम्बा समय व्यतीत कर देते हैं। कम डिग्री प्राप्त एवं कम पढ़े लिखे नागरिक छोटी उम्र से ही रोजगार प्राप्त कर लेते हैं। यह भी कटु सत्य है कि डिग्री प्राप्त करने एवं वास्तविक धरातल पर कौशल विकसित करने में बहुत अंतर है। आज भी भारत में कई कम्पनियों की शिकायत है कि देश में इंजीनीयर्स तो बहुत मिलते हैं परंतु उच्च कौशल प्राप्त इंजीनीयर्स की भारी कमी हैं।

तमिलनाडु में किए गए एक अध्ययन में यह तथ्य उभर का सामने आया है कि किसी भी देश के नागरिक जब अधिक उम्र में रोजगार प्राप्त करते हैं तो उनकी कुल उम्र भर की कुल वास्तविक औसत आय बहुत कम हो जाती है। इसके विपरीत जो नागरिक अपनी उम्र के शुरूआती पड़ाव में ही रोजगार प्राप्त कर लेते हैं उनकी कुल उम्र भर की वास्तविक औसत आय तुलनात्मक रूप से बहुत बढ़ जाती है। भारत में स्टार्ट अपस को बढ़ावा दिया जाना चाहिए एवं युवाओं को सरकारी नौकरी की चाहत को छोड़कर निजी क्षेत्र में रोजगार प्राप्त करने के प्रयास करने चाहिए। साथ ही आज युवाओं को अपने स्वयं के व्यवसाय प्रारम्भ करने के प्रयास भी करने चाहिए। (लेखक सेवा निवृत्त उप महाप्रबंधक, भारतीय स्टेट बैंक)

डोनाल्ड ट्रम्प की विजय और भारत

(सुरेश हिंदुस्तानी)

अमेरिका के इस चुनाव में भारत के लोकसभा चुनाव की तरह ही प्रचार किया गया। कई प्रकार के नैरेटिव स्थापित करने का प्रयास किए गए। वामपंथी विचार के मीडिया ने ट्रम्प की राह में अवरोध पैदा करने के भरसक प्रयास किए।

अमेरिका में रिपब्लिकल पार्टी की ऐतिहासिक विजय के बाद अब यह तय हो गया है कि पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प दूसरी बार अमेरिका के राष्ट्रपति बनेंगे। अमेरिका का इतिहास बताता है कि ट्रम्प की यह जीत उनकी ऐतिहासिक वापसी है। अमेरिका में यह विजय किसी चमत्कार से कम नहीं है। 130 वर्ष के अमेरिकी इतिहास में यह पहली बार है, ज़ब किसी ने यह कारनामा किया है। डोनाल्ड ट्रम्प ने लगातार तीसरी बार अमेरिका के राष्ट्रपति का चुनाव लड़ा, जिसमें पहली और तीसरी बार वे सफल रहे, दूसरी बार के चुनाव में जो बाइडेन से पराजित हो गए। इस चुनाव में पराजित होने के बाद ट्रम्प अमेरिका में राजनीतिक तौर पर लगातार सक्रिय रहे। उनका मिशन फिर से राष्ट्रपति बनना ही था, जिसे उन्होंने बखूबी अंजाम देकर एक नया कीर्तिमान बना दिया। चुनाव में उनकी प्रतिद्वंदी कमला हैरिस यकीनन राजनीतिक समझ रखती थी, लेकिन यह समझ किसी भी प्रकार से सफलता की परिचायक नहीं बन सकी। हालांकि अमेरिकी मीडिया के एक वर्ग ने तो उनको भावी राष्ट्रपति के रूप में प्रचारित कर दिया। लेकिन यह नैरेटिव भी उनके लिए जीत का मार्ग नहीं बना सका। यहां एक ख़ास तथ्य यह भी माना जा सकता है कि कमला हैरिस को भारतीय मूल का बताने का सुनियोजित प्रयास किया गया। ऐसा इसलिए किया गया कि भारतीय मूल के मतदाताओं को उनके पक्ष में लाया जा सके, लेकिन वे जिन हाथों में खेल रही थी, वह लाइन भारत के लिए राजनीतिक तौर सही नहीं थी।

वैश्विक राजनीति के जानकार डोनाल्ड ट्रम्प की जीत कई निहितार्थ निकाल रहे हैं। कई विश्लेषक ट्रम्प की जीत को भारत की कूटनीतिक सफलता के तौर पर भी स्वीकार कर रहे हैं। इसका एक कारण यह माना जा रहा है कि वैश्विक स्तर पर भारत सरकार जिस नीति और विचार को लेकर कार्य कर रही है, उसकी झलक ट्रम्प के विचारों में भी दिखाई देती है। इसके अलावा ट्रम्प का कहना है कि अमेरिका की खोई ताकत को फिर से प्राप्त करना चाहते हैं। आज अमेरिका कहने मात्र को ही महाशक्ति है, लेकिन उसका वैसा दबदबा आज नहीं है, जो पहले हुआ करता था। इस बीच भारत ने महाशक्ति बनने की दिशा में तीव्र गति से अपने कदम बढ़ाए हैं, इसलिए आज विश्व के अनेक देश भारत को महाशक्ति के रूप में देखने लगे हैं। हमें स्मरण होगा कि रूस और यूक्रेन के मध्य युद्ध के दौरान भारत के नागरिक पूरे सम्मान के साथ भारत लौटे थे। उस समय भारत के नागरिकों के समक्ष यूक्रेन की सेना ने अपने हथियार नीचे कर लिए थे। यह केवल एक दृश्य नहीं, बल्कि भारत की शक्ति का ही परिचायक था। भारत की इस बढ़ती शक्ति से अमेरिका भी भली भांति परिचित है। रूस और यूक्रेन युद्ध के बारे में कई बार यह कहा जा चुका है कि भारत चाहे तो युद्ध रुकवा सकता है। इसका तात्पर्य यही है कि आज का भारत विश्व के लिए एक ताकत बन चुका है।

अमेरिका के इस चुनाव में भारत के लोकसभा चुनाव की तरह ही प्रचार किया गया। कई प्रकार के नैरेटिव स्थापित करने का प्रयास किए गए। वामपंथी विचार के मीडिया ने ट्रम्प की राह में अवरोध पैदा करने के भरसक प्रयास किए। यहां तक कि उनको सनकी और विलेन कहने में भी गुरेज नहीं किया गया। यही तो भारत में किया गया। वामपंथी समूह ने भारत के लोकसभा चुनावों में सरकार के विरोध में जहरीली भाषा का प्रयोग किया। फिर भी आखिरकार नरेंद्र मोदी तीसरी बार प्रधानमंत्री पद पर आसीन हो गए। अब ऐसा लगने लगा है कि मतदाता बहुत समझदार हो गया है। उसको किसी भी प्रकार से भ्रमित नहीं किया जा सकता। उसे अब देश दुनिया की समझ हो गई है, इसलिए वह वर्तमान के साथ कदम मिलाकर चलने की ओर अग्रसर हुआ है।

विश्व के कई देश आज कई प्रकार की समस्याओं से जूझ रहे हैं। कोरोना के बाद कई देशों की आर्थिक स्थिति बिगड़ गई है, उसे पटरी पर लाने के लिए उस देश की सरकार की ओर से भरपूर प्रयास किए जा रहे हैं। इन समस्याओं में कई समस्याएं ऐसी हैं, जो सबके सामने हैं। आतंकवाद एक विकराल समस्या बनता जा रहा है। अमेरिका भी इससे ग्रसित है। रूस और यूक्रेन की बीच तनातनी कम नहीं हो रही। इजराइल और हमास के बीच युद्ध जैसे हालात हैं। अमेरिका में ट्रम्प के पुनः राष्ट्रपति बनने के बाद यह लग रहा है कि अब आतंक के सहारे भय का वातावरण बनाने वाले किसी भी कदम को पूरे जोश के साथ रोकने का प्रयास किया जाएगा।अमेरिका में ट्रम्प की जीत से भारत के पड़ोसी देश यानि पाकिस्तान, चीन और बांग्लादेश में सुगबुगाहट प्रारम्भ हो गई है, क्योंकि यह देश भारत को हमेशा अस्थिर करने की फिराक में रहते हैं। हम वह वाकिया अभी तक भूले नहीं हैं, ज़ब अमेरिका ने आतंक के विरोध में बड़ी कार्यवाही को अंजाम देते हुए ओसामा बिन लादेन को मौत के घाट उतार दिया था, हालांकि उस समय अमेरिका के राष्ट्रपति ओबामा थे, लेकिन आतंक के विरोध में ट्रम्प का भी वैसा ही रवैया माना जा सकता है। इसी प्रकार चीन के समक्ष भी स्थिति पैदा होती दिखाई दे रही है। हम जानते हैं कि अमेरिका हमेशा से ही पाकिस्तान से आतंक के विरोध में कार्यवाही करने के लिए कहता है, लेकिन जो देश आतंक के आकाओं के सहारे ही चल रहा हो, वह आतंक के विरोध में कैसे कार्यवाही कर सकता है। अब अमेरिका में ट्रम्प के पुनः आने के बाद इस बात की संभावना बढ़ गई है कि अब पाकिस्तान दिखावे के लिए ही सही, लेकिन आतंक के आकाओं के खिलाफ एक्शन लेगा।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं)

वर्ग पहेली 5559

संकेतः बाएं से दाएं

1. 26 जनू 2000 को अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेअ काउंसिल द्वारा इस देश को टेस्ट का दर्जा दिया गया (4)
4. बसा हुआ, बस्तीवाला, संपन्न (3)
6. किसी का नाम किसी बात आदि के लिए निश्चित करने की क्रिया या भाव (5)
8. वर्षा के जल को यह कहते है (2)
10. कलम से लिखा हुआ, कलम काटकर लगाया हुआ (3)
12. रिक्त स्थान की पूर्ति करना (3)
13. महिला, स्त्री, नारी (3)
15. नमूने के तौर पर बनाया हुआ, खुरदरा (2)
16. आश्चर्य से भरा हुआ, विस्मय (4)
17. फौज में रहने वाला, फौज का (2)
18. स्याही को अंग्रेजी में यह कहते है (2)
20. पुराणानुसार ऋक्ष पर्वत से निकलकर गंगा नदी में मिलने वाली एक टौंस नाम की एक नदी (2)
23. यह लेबनान की राजधानी है जो प्रमुख बंदरगाह भी है (2)
24. मवेशी, पशु, ढोर (4)

ऊपर से नीचे

1. आलिंगन करना, गले लगाना (6)
2. प्रदान करना, प्रदत्त करना, सौंपना (2)
3. शमन करने वाला, शांत करने वाला (3)
4. बीआर चोपड़ा की फिल्म जिसमें धर्मेंद्र, फिरोज खान, सायरा बानो आदि की भूमिकाएँ थी (8)
5. राजद्रोही, बगावत करने वाला (2)
7. पंचतत्वों में से एक, वारि, आब (2)
9. अक्षर, वर्ण (3)
11. हजरत मुहम्मद की छंदोबद्ध स्तुति (2)
14. प्रक्षालनकर्मी, प्रक्षालक (3)
16. जिसे जीता ना जा सके (3)
19. कला आदि सिखलाने वाला व्यक्ति, दीर्घ मात्रा, नव ग्रहों में से एक (2)
22. मयूर, हमारा राष्ट्रीय पक्षी (2)

वर्ग पहेली 5558 का हल

सु	मि	त्रा	नं	द	न	पं	त
न		स	ब	ल		जा	ल
य	म		र	प	ट		ब
ना	न	क		ति		आ	गा
	वां		श		स	म	र
	छि	त	रा	ना		द	
सा	त		फ	ल		र	स
थी		हु	त		द	फ्त	र

भाजपाई हुए कैलाश गहलोत, केजरीवाल के लिए बहुमत पाना होगा मुश्किल

(संतोष पाठक)

अगर वाकई भाजपा, अपनी रणनीति में कामयाब हो जाती है तो निश्चित तौर पर इसका असर आम आदमी पार्टी पर पड़ेगा। आप के लिए इस बार बड़ी चुनौती सिर्फ भाजपा की तरफ से ही नहीं आ रही है बल्कि कांग्रेस खासकर राहुल गांधी भी इस बार दिल्ली में पार्टी को मजबूत देखना चाहते हैं।रविवार को दिल्ली सरकार और आम आदमी पार्टी से इस्तीफा देने वाले कैलाश गहलोत ने सोमवार को भाजपा का दामन थाम लिया। हालांकि गहलोत के आतिशी मंत्रिमंडल और आम आदमी पार्टी से इस्तीफा देने के साथ ही यह तय माना जा रहा था कि उनका अगला ठिकाना भाजपा ही होने जा रहा है।इसी के साथ अब यह सवाल खड़ा हो गया है कि कैलाश गहलोत कुछ महीनों बाद ही दिल्ली में होने वाले विधानसभा चुनाव में भाजपा को कितना फायदा पहुंचा सकते हैं। सवाल यह भी खड़ा हो रहा है कि क्या कैलाश गहलोत का कद वाकई इतना बड़ा है कि 'शीशमहल' सहित उनके द्वारा लगाए गए तमाम आरोपों से अरविंद केजरीवाल की छवि को कुछ नुकसान पहुंच सकता है।

यह बात बिल्कुल सही है कि कैलाश गहलोत आज जो आरोप लगा रहे हैं,लगभग उसी तरह के आरोप भाजपा पिछले लंबे समय से लगा रही है। दूसरी बात यह है कि , यह सब जानते हैं और मानते भी हैं कि आज की तारीख में आम आदमी पार्टी वन मैन पार्टी बन कर रह गई है। आप का मतलब, आज की तारीख में सिर्फ अरविंद केजरीवाल ही रह गया है। ऐसे में बाकी मुद्दे लगभग गौण हो जाते हैं। अरविंद केजरीवाल की दिल्ली में सबसे बड़ी ताकत वो लाभार्थी वर्ग है जो उन्होंने महिलाओं को फ्री डीटीसी बस सेवा और दिल्लीवासियों को फ्री बिजली और पानी देकर तैयार किया है। इसके साथ ही केजरीवाल ने बिहार और पूर्वी उत्तर प्रदेश से आने वाले लोगों के साथ-साथ जाट और मुस्लिम समुदाय के सॉलिड वोट बैंक का इतना मजबूत किला बना रखा है कि जिसे ढहाना भाजपा के लिए बड़ी चुनौती बना हुआ है। यही वजह है कि भाजपा इस बार अरविंद केजरीवाल के मजबूत मोहरों के सहारे ही उन्हें विधानसभा चुनाव में मात देना चाहती है। कैलाश गहलोत का भाजपा में आना तो महज एक शुरुआत माना जा रहा है। बताया जा रहा है कि आने वाले दिनों में केजरीवाल के कई कद्दावर नेता भाजपा का दामन थाम सकते हैं। ये सभी नेता आप सरकार की विफलताओं के साथ- साथ केजरीवाल की छवि पर भी चोट करेंगे। कैलाश गहलोत को पार्टी में शामिल कराकर भाजपा ने दिल्ली के जाट समुदाय को बड़ा संदेश देने का प्रयास किया है। आने वाले दिनों में भाजपा , आप में और ज्यादा तोड़-फोड़ कर बिहार और पूर्वी उत्तर प्रदेश से आने वाले दिल्ली के मतदाताओं को भी लुभाने का प्रयास करेगी। अगर वाकई भाजपा, अपनी रणनीति में कामयाब हो जाती है तो निश्चित तौर पर इसका असर आम आदमी पार्टी पर पड़ेगा। आप के लिए इस बार बड़ी चुनौती सिर्फ भाजपा की तरफ से ही नहीं आ रही है बल्कि कांग्रेस खासकर राहुल गांधी भी इस बार दिल्ली में पार्टी को मजबूत देखना चाहते हैं।

आज का राशिफल

मेष

आज करियर के मामले में लाभ होगा। आपको शासन द्वारा सम्मानित किए जाने की संभावना रहेगी। आपको परिवार के मामले में परिवार के मामले में कोई बड़ा फैसला लेना पड़ सकता है। आपको काम आगे बढ़ाने के लिए आप किसी बैंक से लोन लेने के बारे में सोच सकते हैं।

वृष

आज दिन काफी व्यस्?तता में बीतगा और दिन भर ही भागदौड़ से आप शाम तक काफी थक जाएंगे। आपको पांव में चोट लगने का भय है। आपकी निर्णय लेने की क्षमता से आपको लाभ होगा और आपकी तरक?की होगी। की क्षमताओं का आपको आज लाभ मिल सकता है।

तुला

आज दिन शुभफलदायी है और आपको धन संपत्ति के मामले में लाभ होगा। आपके अधिकार और सम्पत्ति में वृद्धि होगी। आप दूसरों के भले की सोचेंगे एवं दिल से सेवा भी करेंगे। आपको अपने गुरु का पूर्ण सम्?मान करना चाहिए तो आपका कोई कुछ नहीं बिगाड़ पाएगा।

वृश्चिक

आज दिन परेशानी में बीतेगा और आपका मन काफी अशांत और परेशान हो सकता है। आपके द्वारा व्यापार वृद्धि के लिए किए गए प्रयास निष्फल हो सकते हैं। शाम तक आपको करियर और कारोबार के मामले में कोई बड़ा फैसला लेना पड़ सकता है।

मिथुन

आज सावधान रहने की सलाह है। आज आप फिजूल के खर्चे से बचें। सामाजिक क्रियाकलापों में व्यवधान आ सकता है और आपको थोड़ी सी भागदौड़ करनी पड़ सकती है। अकस्मात लाभ होने से आपकी धर्म, आध्यात्म के प्रति रुचि बढ़ेगी।

कर्क

आज दिन भाग्य की दृष्टि से उत्तम रहेगा, आपको परिश्रम का फल शानदार मिलेगा और ऑफिस में आपके काम को काफी पसंद किया जाएगा। संतान के प्रति आपका विश्वास और अधिक मजबूत होगा।

धनु

आज दिन शुभ है और आपके विद्या व ज्ञान में वृद्धि होगी। आपके अन्दर दान पुण्य एवं परोपकार की भावना विकसित होगी। आपको भाग?य की ओर से पूरा साथ मिलेगा और आपकी तरक?की होगी। आपकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ होगी। शाम से लेकर रात तक आपको कहीं भागदौड़ करनी पड़ सकती है।

मकर

आज भाग?य का साथ मिल रहा है। आपको ऐसे बहुमूल्य वस्तुओं की प्राप्ति हो सकती है। साथ ही आपको ऐसे अनावश्यक खर्चे भी सामने आएंगे जो कि न चाहते हुए भी मजबूरी में करने पड़ेंगे। ससुराल पक्ष से मान सम्मान प्राप?त होगा।

सिंह

आज दिन मिलाजुला रहेगा और आपको किसी कारण से मानसिक अशांति और खिन?नता हो सकती है। मन उदास रहेगा और इस वजह से आपके जरूरी काम भी अधूरे पड़े रहेंगे। माता-पिता के सहयोग और आशीर्वाद से आपको कुछ नए और बेहतर अवसर प्राप?त हो सकते हैं।

कन्या

आज दिन सुख और संपन?नता से भरा होगा। आप हर कार्य को बिना डर के पूरा करेंगे। आपके अंदर निर्भीकता का भाव रहेगा और आप अपने सभी जरूरी कार्य साहस के साथ पूरे करेंगे। आपको अपने माता-पिता का सुख सहयोग प्राप?त होगा।

कुंभ

आज करियर के मामले में लाभ होगा और आपका दिन बुद्धि विवेक से नए काम करने में लगेगा। आप सीमित और आवश्यकतानुसार ही व्यय करें तो आपको लाभ होगा। आपको अपने परिजनों से खुशी मिलेगी और ऑफिस में भी लोग आपके काम की तारीफ करेंगे।

मीन

आज करियर के मामले में नुकसान होने की आशंका है। कोई भी काम बहुत सोचकर करने की सलाह है। किसी विवाद का हल निकल आएगा। खुशमिजाज व्यक्तित्व होने के कारण अन्य व्यक्ति आपसे संबंध बनाने की चेष्टा करेंगे। सामाजिक सम्मान मिलने से आपका मनोबल बढ़ा रहेगा।

संक्षिप्त समाचार

आईएफएफआई देश में फिल्म इंडस्ट्री के विकास में महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित हुआ : अश्विनी वैष्णव

नई दिल्ली, एजेंसी। गोवा में 55वें भारतीय अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (आईएफएफआई) और फिल्म बाजार के 18वें संस्करण की बुधवार को शुरुआत हुई। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बुधवार को उद्घाटन समारोह में दुनिया भर से आए प्रतिनिधियों का स्वागत किया। उन्होंने कहा, मैं आईएफएफआई में दुनिया भर से आए सभी प्रतिनिधियों का स्वागत करता हूं। आईएफएफआई भारत में फिल्म इंडस्ट्री के विकास में एक बहुत ही महत्वपूर्ण मील का पत्थर बन गया है। हम भारत में इस समय कंटेंट क्रिएटर अर्थव्यवस्था को विकसित करने पर बहुत अधिक ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि देश में एक बहुत ही जीवंत क्रिएटर्स इकोनॉमी है, जहां लोग बहुत ही इनोवेटिव कंटेंट लेकर आ रहे हैं। भारत की समृद्ध विरासत, व्यंजन, संस्कृति, भाषा और साहित्य की कुछ खास बातों को कंटेंट क्रिएटर्स द्वारा बहुत ही दिलचस्प तरीकों से पेश किया जा रहा है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि प्रौद्योगिकी के विकास और क्रिएटर्स इकोसिस्टम के विकास के साथ, भारत क्रिएटर्स इकोनॉमी के विकास में एक प्रमुख भूमिका निभा सकता है। उन्होंने उम्मीद जताई कि गोवा में फिल्म बाजार में आए फिल्म निर्माता, प्रोड्यूसर, सेल्स एजेंट आदि को यहां नई साझेदारियां मिलेंगी और नए विचार विकसित होंगे। उन्होंने कहा, हम यह भी उम्मीद करते हैं कि आपके द्वारा हमारे साथ साझा किए गए कई विचार आने वाले वर्षों में इंडस्ट्री की दिशा को आकार देने में हमारी मदद करेंगे।

ऑनलाइन चैट में छात्र पर बुरी तरह भड़क गए शिक्षा मंत्री, क्यों कहा- इसके खिलाफ ऐक्शन लो

बेंगलुरु, एजेंसी। कर्नाटक के शिक्षा मंत्री मधु बंगरप्पा ने ऑनलाइन चैट के दौरान एक छात्र के खिलाफ कार्रवाई का आदेश देकर नया विवाद खड़ा कर दिया। यह घटना बुधवार को विधान सौधा में सरकारी प्री-डिग्री कॉलेज के छात्रों के लिए राज्य की मुफ्त ऑनलाइन नीट, सीईटी कोचिंग के शुभारंभ समारोह के दौरान हुई। चैट में छात्र ने शिक्षा मंत्री के कन्नड़ भाषा पर सवाल उठाए कि आपको ठीक से कन्नड़ बोलनी नहीं आती। इस पर मंत्री जी भड़क गए। इस घटना का वीडियो वायरल हो रहा है। वीडियो में मंत्री बंगरप्पा को छात्रों के साथ ऑनलाइन संवाद करते हुए देखा गया। बिना डीपी वाले एक छात्र को मंत्री से यह कहते हुए सुना गया कि वह कन्नड़ ठीक से नहीं बोलते हैं। यह सुनते ही, बंगरप्पा भड़क गए। वो चिल्लाए- कौन ऐसा कह रहा है? क्या मैं अब उर्दू में बोल रहा हूं? किसने कहा कि मुझे कन्नड़ नहीं आती? इसे रिकॉर्ड करो, इसके खिलाफ कार्रवाई करो। यह बहुत बेवकूफी है। इसे बहुत गंभीरता से लिया जाना चाहिए। मैं चुप नहीं रहूंगा और इसे यूं ही जाने नहीं दूंगा। इसके बाद बंगारप्पा को प्रधान सचिव रितेश कुमार को यह निर्देश देते हुए देखा गया कि वे इस मामले को न छोड़ें। कथित तौर पर, शिक्षा विभाग के अधिकारी उस छात्र की तलाश कर रहे हैं जिसने यह बयान दिया था। दूसरी ओर, भाजपा ने इस सवाल पर मंत्री की प्रतिक्रिया की निंदा की। भाजपा नेता बसनगौड़ा आर पाटिल यतनाल ने एक्स पर एक पोस्ट में मंत्री के गुस्से को बेबुनियाद करार दिया। कई कन्नड़ समाचार चैनलों को टैग करते हुए यतनाल ने अपनी पोस्ट में लिखा, राज्यवासियों को पता है कि शिक्षा मंत्री कन्नड़ सही से नहीं बोल पाते हैं। मंत्री ने मीडिया के सामने एक छात्र के खिलाफ कार्रवाई करने की बात कही, क्योंकि उसने मंत्री से कहा था कि वह कन्नड़ नहीं बोल पा रहे हैं, इससे पता चलता है कि वह कितने बेईमान हैं।

जम्मू में कार्यक्रम के दौरान उमर अब्दुल्ला ने बड़ी कुर्सी पर बैठने से इनकार किया

जम्मू कश्मीर , एजेंसी। जम्मू कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने बुधवार को यहां आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान उनके लिए विशेष रूप से रखी गई बड़ी कुर्सी पर बैठने से इनकार कर दिया। अब्दुल्ला ने चट्ठा स्थित शेर-ए-कश्मीर कृषि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (एसकेयूएएसटी) के मुख्य परिसर में चार दिवसीय 'राष्ट्रीय कृषि शिखर सम्मेलन एवं किसान मेले' का उद्घाटन किया। मंच पर पहुंचे अब्दुल्ला ने देखा की उनकी कुर्सी बड़ी थी। उन्होंने एसकेयूएएसटी के प्रबंधन से उनके लिए भी मंच पर बैठे अन्य लोगों जैसी कुर्सी रखने का अनुरोध किया।

झारखंड, महाराष्ट्र में डबल इंजन की सरकार बनेगी : गिरिराज

नईदिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने बुधवार को दावा किया कि झारखंड और महाराष्ट्र दोनों राज्यों में डबल इंजन की सरकार बनेगी। दोनों राज्यों में बुधवार को विधानसभा चुनाव के लिए मतदान हुए। केंद्रीय मंत्री सिंह ने दोनों राज्यों में 'एग्जिट पोल' के पूर्वानुमानों के बारे में यहां संवाददाताओं द्वारा पूछे जाने पर कहा, ''हम 'एग्जिट पोल' पर विश्वास नहीं करते।'' उन्होंने कहा कि झारखंड में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सत्ता में आएगी और वहां सरकार बनने पर बांग्लादेशी घुसपैठियों को बाहर निकाल दिया जाएगा।

केरल में एंटीबायोटिक के उपयोग में 30 प्रतिशत की आई कमी

तिरुवनंतपुरम, एजेंसी। केरल में एंटीबायोटिक के उपयोग में 20 से 30 प्रतिशत की कमी आई है. वट्टियोरकावु शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (यूपीएचसी) में जागरूकता अभियान के राज्य स्तरीय शुभारंभ पर बोलते हुए, स्वास्थ्य मंत्री वीना जॉर्ज ने इस उल्लेखनीय उपलब्धि की घोषणा की. उन्होंने सख्त नियमों, जागरूकता अभियानों और अभिनव स्वास्थ्य सेवा रणनीतियों के माध्यम से एंटीबायोटिक दवाओं के दुरुपयोग और अति प्रयोग को रोकने के लिए राज्य के सामूहिक प्रयासों पर प्रकाश डाला.

उन्होंने कहा कि, पिछले एक साल में एंटीबायोटिक दवाओं के अनावश्यक और अवैज्ञानिक उपयोग में काफी कमी आई है. मंत्री जार्ज ने कहा कि, नीति से अभ्यास तक प्रभावी नीतिगत उपायों और जमीनी स्तर की कार्रवाइयों के संयोजन ने इस सफलता को आगे बढ़ाया है. केरल ने बिना डॉक्टर के पर्चे के एंटीबायोटिक दवाओं की बिक्री पर कड़े प्रतिबंध लगाए हैं. साथ ही नियम के उल्लंघन की रिपोर्ट करने के लिए एक टोल-फ्री नंबर शुरू किया है. इसके साथ-साथ स्वास्थ्य और आशा कार्यकर्ताओं द्वारा घर-घर जाकर अभियान चलाकर जमीनी स्तर पर व्यापक जागरूकता अभियान भी चलाए गए हैं. स्वास्थ्य मंत्री ने भी अभियान में व्यक्तिगत रूप से भाग लिया. स्वास्थ्य

कार्यकर्ताओं के साथ मंत्री जार्ज ने वट्टियोरकावु में लोगों के घरों का दौरा किया और लोगों से सीधे बातचीत की. इससे राज्य में एंटीबायोटिक साक्षरता को बेहतर बनाने में भी मदद मिली. राज्य की योजना सभी अस्पतालों को एंटीबायोटिक-स्मार्ट अस्पताल में बदलने की भी है.

उम्मीद है कि यह पहल स्वास्थ्य सुविधाओं में एंटीबायोटिक के तर्कसंगत उपयोग के महत्व को उजागर करेगी. विधायक वीके प्रशांत और एनएचएम राज्य मिशन निदेशक डॉ. विनय गोयल सहित अधिकारियों ने संदेश फैलाने के लिए स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं और समुदाय के सदस्यों के साथ हाथ मिलाया.

वैश्विक चुनौती क्या है : केरल के प्रयासों की तात्कालिकता वैश्विक स्वास्थ्य चिंताओं के अनुरूप है. विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने चेतावनी दी है कि, अगर इसका समाधान नहीं किया गया तो रोगाणुरोधी प्रतिरोध के कारण 2050 तक सालाना 10 मिलियन मौतें हो सकती हैं. एंटीबायोटिक के दुरुपयोग को कम करके, केरल इस वैश्विक मुद्दे से निपटने में खुद को अग्रणी के रूप में स्थापित कर रहा है. राज्य अभियान द्वारा नागरिकों के लिए उठाए गए महत्वपूर्ण कदमः एंटीबायोटिक का उपयोग केवल डॉक्टर के पर्चे के अनुसार करें. कभी भी बिना पर्चे के एंटीबायोटिक न खरीदें. निर्धारित एंटीबायोटिक का पूरा कोर्स पूरा करें. बची हुई या एक्सपायर हो चुकी दवाइयों का इस्तेमाल करने से बचें. पर्यावरण प्रदूषण को रोकने के लिए एंटीबायोटिक दवाओं का जिम्मेदारी से निपटान करें. केरल ने राष्ट्रीय मॉडल स्थापित किया जागरूकता, कार्रवाई-उन्मुख नीतियों और स्वास्थ्य सेवा नवाचार को मिलाकर राज्य का व्यापक दृष्टिकोण अन्य राज्यों के लिए एक बेंचमार्क स्थापित करता है. मंत्री वीना जॉर्ज ने कहा कि, यह उपलब्धि न केवल केरल के लिए एक सफलता है, बल्कि एएमआर को संबोधित करने के लिए देश के लिए एक रोडमैप है. इस उल्लेखनीय उपलब्धि के माध्यम से, केरल सार्वजनिक स्वास्थ्य की सुरक्षा के लिए अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि कर रहा है और एंटीमाइक्रोबियल प्रतिरोध के खिलाफ वैश्विक लड़ाई में अग्रणी भूमिका निभा रहा है।

वोट प्रतिशत जब भी बढ़ता है तो भाजपा को ही इसका लाभ मिलता है: देवेंद्र फडणवीस

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र में शुरुआती घंटों में लग रहा था कि मतदान धीमा है, लेकिन शाम को आंकड़ा आया तो सारे रिकॉर्ड ही टूट गए। महाराष्ट्र में बीते तीन दशकों में पहली बार 65 फीसदी से ज्यादा मतदान हुआ है। वहीं गढ़चिरौली और कोल्हापुर जैसे जिलों में मतदान का आंकड़ा 75 फीसदी तक पहुंच गया। अब बढ़े हुए वोटिंग प्रतिशत को लेकर राजनीतिक पंडितों के अपने कयास हैं, लेकिन डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस उत्साहित हैं। उनका कहना है कि भाजपा और महायुति को इस बार फिर से जनता का आशीर्वाद मिलेगा। महाराष्ट्र में सबसे ज्यादा मतदान ग्रामीण जिलों में हुआ है, जबकि मुंबई क्षेत्र में तो 52 फीसदी वोटिंग ही हुई। देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि वोट प्रतिशत जब भी बढ़ता है तो भाजपा को ही इसका लाभ मिलता है। साफ है कि भाजपा और महायुति को इस बार भी फायदा मिलने वाला है। वहीं मतदान के बाद वह बुधवार की शाम को आरएसएस मुख्यालय गए और वहां संघ प्रमुख मोहन भागवत से मुलाकात भी की। सूत्रों का कहना है कि इस मीटिंग के दौरान मोहन भागवत के अलावा सीनियर लीडर भैयाजी जोशी भी मौजूद थे। वह करीब 20 मिनट तक संघ मुख्यालय में रहे और फिर निकल गए। भाजपा नेता या अन्य किसी सूत्र ने इस मुलाकात को लेकर कुछ कहा नहीं है। लेकिन यह चर्चा तेज हो गई है कि शायद सीएम पद के लिए फडणवीस को आरएसएस का समर्थन मिल गया है। दरअसल चुनाव के बीच में ही मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा था कि वह सीएम पद की रेस में नहीं हैं। इसके बाद से ही माना जा रहा है कि यदि महायुति को बहुमत मिला तो इस बार मौका देवेंद्र फडणवीस को मिल सकता है। हालांकि अब तक कुछ भी स्पष्ट नहीं है। इसका कारण यह है कि भाजपा का हाईकमान ही तय करता है कि मुख्यमंत्री कौन होगा। बता दें कि महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव को लेकर अब तक जो 8 सर्वे आए हैं, उनमें से 5 में भाजपा को सबसे बड़ी पार्टी बताया गया है। वहीं 3 सर्वे ऐसे भी हैं, जो मानते हैं कि महाविकास अघाड़ी को सत्ता मिल सकती है।

ग्रेटर नोएडा में पुलिस के साथ मुठभेड़ में शातिर बदमाश घायल, गिरफ्तार

ग्रेटर नोएडा, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के ग्रेटर नोएडा में पुलिस और बदमाशों के बीच मुठभेड़ में एक बदमाश को पुलिस की गोली लगने के बाद गिरफ्तार किया गया है। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक, 20 नवंबर को थाना बिसरख पुलिस एटीएस चौराहे पर चेकिंग कर रही थी। तभी पर्थला की तरफ से एक एलएलपी मोटरसाइकिल एफजेड-5 पर सवार एक व्यक्ति आता दिखाई दिया। रुकने का इशारा करने पर वह पुलिस टीम को देखकर यू टर्न लेकर तेजी से हिंडन पुस्ता की तरफ भागने लगा। पुलिस टीम ने उसका पीछा किया गया। भागने के क्रम में मोटरसाइकिल अनियंत्रित होकर गिर गई। आरोपी ने पुलिस टीम पर गोली चलानी शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में बदमाश के पैर में गोली लगने से वह घायल हो गया। उसकी पहचान रिजवान उर्फ शाहरुख के रूप में हुई है। उसके कब्जे से चोरी की मोटरसाइकिल, एक अवैध तमंचा .315 बोर, एक खोखा और एक जिन्दा कारतूस .315 बोर और पांच हजार रुपये नकद बरामद हुए हैं। पूछताछ में उसने बताया कि कुछ दिन पहले उसने विजय नगर, गाजियाबाद क्षेत्र से एक चेन छीनी थी। उसे बेचकर कुछ रुपये उसने खर्च कर दिए और पांच हजार रुपये बचे हुए थे जो बरामद हुए हैं। मोटरसाइकिल के सम्बन्ध में जानकारी करने पर ज्ञात हुआ कि इस संबंध में थाना सेक्टर-63 में मामला दर्ज है। बदमाश पर लूट, डकैती, हत्या के प्रयास के दो दर्जन से अधिक मुकदमे उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद और गौतमबुद्धनगर, तथा दिल्ली में दर्ज हैं।

जम्मू कश्मीर में जल्द ही शुरू होगा आरटीआई पोर्टल, स्मार्टफोन-लैपटॉप से दायर हो सकेगी एप्लीकेशन

श्रीनगर, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर सरकार जल्द ही आरटीआई दाखिल करने का आसान और सुविधाजनक मैथड के लिए सूचना का अधिकार पोर्टल शुरू करेगी. इसे एक्टिविस्ट और आम लोगों ने बहुत देर से लिया गया लेकिन स्वागत योग्य निर्णय बताया है. आधिकारिक सूत्रों ने कहा कि पोर्टल राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र तैयार कर लिया गया है. फिलहाल इसका परीक्षण चल रहा है. इस संबंध में सूत्रों ने ईटीवी भारत से कहा, राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र ने जम्मू कश्मीर सरकार के लिए आरटीआई पोर्टल का कस्टमाइजेशन पूरा कर लिया है. इस पोर्टल जल्द ही लॉन्च किया जाएगा. अधिकारियों ने बताया कि एनआईसी ने इस साल अगस्त में विभिन्न विभागों के आरटीआई पोर्टल के सभी नोडल अधिकारियों के लिए कैपेसिटी बिल्डिंग सेशन आयोजित किया था. उन्होंने कहा, सभी नोडल अधिकारियों को अब आरटीआई, जम्मू-कश्मीर पोर्टल पर सफलतापूर्वक शामिल कर लिया गया है. इन नोडल अधिकारियों को प्रशिक्षित किया गया है और वे अपने विभागों में सीपीआईओ के प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण के लिए जिम्मेदार मास्टर ट्रेनर के रूप में कार्य करेंगे. पोर्टल में सुविधाजनक फीचर्स ट्रेनिंग सेशन में भाग लेने वाले एक अधिकारी ने कहा कि पोर्टल में सुविधाजनक फीचर्स हैं और एप्लीकेंट अपने स्मार्टफोन या लैपटॉप से आरटीआई दाखिल कर सकते हैं. सूत्रों ने कहा कि पोर्टल की साइट अभी तक एनआईसीएनईटी

के एक्सेस तक ही सीमित है और इसे औपचारिक लॉन्च के तुरंत बाद सार्वजनिक डोमेन में लाइव कर दिया जाएगा. आरटीआई कार्यकर्ताओं फैसले का किया स्वागत इस संबंध में आरटीआई कार्यकर्ताओं ने आरटीआई पोर्टल शुरू करने के सरकार के फैसले का स्वागत किया है. आरटीआई कार्यकर्ता एमएम शुजा ने ईटीवी भारत को बताया, पोर्टल का निर्माण लंबे समय से हमारी मांग थी. पोर्टल हमारा समय बचाएगा, क्योंकि हम घर से या अपने स्मार्टफोन पर आवेदन दाखिल कर सकते हैं. पहले आवेदकों को आवेदन जमा करने या डाक के माध्यम से भेजने के लिए कार्यालयों में जाना पड़ता था. वहीं, युवा वकील और आरटीआई कार्यकर्ता नवीद बुखियार ने कहा कि सरकार की ओर से यह एक स्वागत योग्य कदम है, लेकिन यह बहुत देर से उठाया गया है. उल्लेखनीय है कि अनुच्छेद 370 को निरस्त करने और जम्मू-कश्मीर को केंद्र शासित प्रदेश में अपग्रेड करने से पहले राज्य का अपना आरटीआई अधिनियम था, लेकिन केंद्रीय सूचना आयोग ने जून 2020 में जम्मू कश्मीर सरकार से आम जनता के लिए ऑनलाइन आरटीआई आवेदन और प्रथम अपील दायर करने की सुविधा के लिए एक आरटीआई पोर्टल बनाने को कहा था. अधिकारियों ने कहा कि शुरुआत में, भारत सरकार के कार्मिक विभाग ने सुझाव दिया था कि जम्मू कश्मीर के आवेदक भारत सरकार के आरटीआई ऑनलाइन पोर्टल का एक सेक्शन रख सकते हैं. हालांकि, बाद में, भारत सरकार ने एक अलग ऑनलाइन पोर्टल शुरू करने का निर्देश दिया।

चंडीगढ़ पर हक चाहिए तो 107 गांव वापस दो

चंडीगढ़, एजेंसी। हरियाणा विधानसभा में राजधानी चंडीगढ़ पर नियंत्रण का सवाल उठा है। नया विधानसभा परिसर चंडीगढ़ में बनाने के फैसले का पंजाब सरकार ने विरोध किया है और इसे लेकर हरियाणा विधानसभा में भी चर्चा हुई है। मंगलवार को इस बारे में लंबा मंथन चला और सीएम नायब सिंह सैनी ने कहा कि सभी दलों को इस मामले में एकजुट होकर साथ आना चाहिए। उन्होंने कहा कि चंडीगढ़ में नई विधानसभा बनने का विरोध करना गंभीर मामला है। इसमें आप सभी लोग दल से परे होकर साथ दें। वहीं इस पर बात करते हुए पूर्व सीएम भूपिंदर सिंह हुड्डा ने कहा कि सरकार को चंडीगढ़ पर दावा नहीं छोड़ना चाहिए। भूपिंदर हुड्डा ने कहा, सरकार को चंडीगढ़ पर अपने अधिकार से पीछे नहीं हटना चाहिए। विधानसभा वहीं बननी चाहिए, जहां जमीन का आवंटन हुआ है। उसे दूर नहीं ले जाना चाहिए। इसके अलावा पंजाब के साथ पानी के बंटवारे और हिंदी भाषी गांवों पर अधिकार के मसले को भी जोरदारी से रखना चाहिए। उनके अलावा कांग्रेस के सीनियर लीडर अशोक अरोड़ा ने भी कहा कि चंडीगढ़ पर हरियाणा का भी बराबर अधिकार है। अरोड़ा ने कहा,

चंडीगढ़ दोनों राज्यों की साझा राजधानी है। यह तब रहेगी, जब तक पंजाब हमें अबोहर और फाजिल्का के 107 हिंदी भाषी गांव नहीं दे देता। उन्होंने हमारे पानी के हिस्से को भी नियंत्रण में रखा है। अरोड़ा ने कहा कि सतलुज-यमुना लिंक नहर के माध्यम से ऐसा हो रहा है, जबकि सुप्रीम कोर्ट ने आदेश भी जारी कर दिया है। उन्होंने कहा कि पंजाब के नेता अकसर गैर-जिम्मेदाराना बयान देते हैं। उन्होंने कहा कि हमें अपने नए विधानसभा परिसर के बदले में पंजाब को किसी तरह के धन या फिर जमीन नहीं देनी चाहिए। इस बहस पर विधानसभा स्पीकर हरविंदर कल्याण ने कहा कि इस पर सभी दलों को मंथन करना चाहिए। जब तक सर्वदलीय मीटिंग में इस पर चर्चा नहीं होती, तब तक असेंबली में भी इस पर चर्चा नहीं कराई जा सकती। सीएम सैनी ने कहा कि पंजाब के नेताओं ने तो सतलुज-यमुना लिंक नहर के मसले का भी राजनीतिकरण किया है। ऐसा तब हुआ है, जबकि सुप्रीम कोर्ट ने हरियाणा के किसानों के हित में फैसला सुनाते हुए कहा है कि उनका भी जल पर अधिकार है। इस तरह सुप्रीम कोर्ट के आदेश को भी किनारे लगाने का मामला देश में पहली बार दिखता है। अब तो वे लोग चंडीगढ़ में हमारी नई विधानसभा बनने का भी विरोध कर रहे हैं। हमारे यहां 2026 में परिसीमन होना है और उससे पहले हम नई विधानसभा बना रहे हैं।

गंगा में 'आचमन' के लिए भी नहीं बचेगा जल! प्रदूषण पर पीसीबी की ताजा रिपोर्ट ने बढ़ाई चिंता

देहरादून, एजेंसी। प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड(पीसीबी)की ओर से अक्तूबर में जारी रिपोर्ट में बताया गया कि अक्तूबर में एसटीपी से गंगा में गया पानी सितंबर की तुलना में ज्यादा खराब रहा। जल निगम व जल संस्थान के सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट(एसटीपी)से निकलने वाले पानी ने अक्तूबर में भी गंगा को प्रदूषित किया। रिपोर्ट के अनुसार, ओल्ड सस्पेंशन चमोली के एसटीपी (.05 एमएलडी) से सितंबर में निकले पानी में फीकल कोलीफॉर्म की मात्रा 280 मोस्ट प्रोबेबल नंबर (एमपीएन) थी, जो अक्तूबर में 1600 एमपीएन पर पहुंच गई है।

गंगोत्री में फीकल कोलीफॉर्म की मात्रा 540 से 920 एमपीएन पर पहुंच गई। बदरीनाथ में यह मात्रा 920 एमपीएन तक है। पीसीबी की रिपोर्ट से जल संस्थान में खलबली मची है। मुख्यालय से टिहरी, चमोली, रुद्रप्रयाग, उत्तरकाशी, हरिद्वार, नैनीताल, देहरादून के इंजीनियरों को दिनभर निर्देश जारी किए जाते रहे। इस संबंध में महाप्रबंधक डीके सिंह ने बताया कि रिपोर्ट निर्धारित मानकों के अनुरूप नहीं पाई गई है। उन्होंने तीन दिन में दो और लैबों से सैंपल लेकर रिपोर्ट मुख्यालय को भेजने के निर्देश दिए। सिंह ने निर्देश दिए कि एसटीपी का संचालन निर्धारित मानकों के अनुरूप किया जाए। रखरखाव और संचालन में गड़बड़ी मिलने पर उन्होंने सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी है।

जल संस्थान की रिपोर्ट में सब मानक के अनुसार पीसीबी की रिपोर्ट में एसटीपी से निकलने वाले पानी को एनजीटी के मानकों के अनुरूप सही नहीं बताया जा रहा है। एनजीटी के मानकानुसार एसटीपी से निकलने वाले पानी में फीकल कोलीफॉर्म की मात्रा 230 एमपीएन तक होनी चाहिए। दूसरी ओर, जल संस्थान के डिवीजनों से जो रिपोर्ट मुख्यालय भेजी जा रही है, उसमें मात्रा, मानकानुसार बताई जा रही है। इस पर जीएम सिंह ने बताया कि कई बार सैंपल लेने के तरीके से भी रिपोर्ट में अंतर की संभावना रहती है। इसे ध्यान में रखते हुए पानी के सैंपल दोबारा लेकर जांच को भेजे जा रहे हैं।

हरियाणा के झटके या चुनाव आयुक्त के तंज का असर, इस बार कम क्यों हो गए एग्जिट पोल

नई दिल्ली, एजेंसी। किसी भी राज्य के विधानसभा चुनाव या फिर लोकसभा इलेक्शन के नतीजों से पहले एग्जिट पोल्स आते रहे हैं और अकसर उनकी चर्चा भी खूब जोर-शोर से होती रही है। लेकिन इस बार माहौल अलग ही था। महाराष्ट्र और झारखंड के चुनाव नतीजों से पहले बुधवार को आए एग्जिट पोल्स की संख्या कम ही रही। इसके अलावा ज्यादातर बड़े टीवी चैनलों ने भी किसी एग्जिट पोल से अपना वास्ता नहीं जोड़ा। सभी ने स्वतंत्र एजेंसियों का एग्जिट पोल ही दिखाया और इस डिस्क्लेमर के साथ कि हमने यह सर्वे नहीं किया है। यही नहीं कई नामी सर्वे एजेंसियां तो इस बार एग्जिट पोल से ही दूर रहीं। इसके कई कारण भी माने जा रहे हैं। पहला यह कि लोकसभा चुनाव में ज्यादातर एग्जिट पोल्स गलत साबित हुए थे और फिर हरियाणा में तो किसी भी सर्वे ने भाजपा को जीत नहीं दिलाई थी और उसे जोरदार विजय हासिल हुई। माना जा रहा है कि लगातार गलत साबित होने के बाद कई सर्वे एजेंसियों ने एग्जिट पोल्स से ही दूरी बना ली है। इसके अलावा चैनलों ने भी एग्जिट पोल्स में ज्यादा रुचि नहीं दिखाई। ज्यादातर चैनलों ने स्वतंत्र एजेंसियों के सर्वे को ही दिखाया और उनका ही औसत निकालते दिखे। वहीं नामी एजेंसियां दूर रहीं तो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर ही कुछ ने सर्वे

जारी कर दिए। आमतौर पर एग्जिट पोल्स को नतीजों से पहले जनता के मूड के तौर पर देखा जाता रहा है। लेकिन जिस तरह लगातार एग्जिट पोल्स गलत साबित हुए हैं, उससे विश्वसनीयता पर ही संकट की स्थिति है। यही नहीं पिछले दिनों एग्जिट पोल्स पर चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने भी टिप्पणी की थी। उन्होंने इलेक्शन रिजल्ट वाले दिन तेजी से आने वाले रुझानों को लेकर भी टिप्पणी की थी।

उनका कहना था कि आखिर जब गिनती ही 8 बजे शुरू होती है और हम आधे घंटे बाद ही कोई अपडेट देते हैं तो फिर 8 बजते ही कैसे रुझान टीवी चैनलों पर आने लगते हैं। इसके अलावा एग्जिट पोल्स को लेकर भी चुनाव आयोग ने सवाल उठाए थे। कई राजनीतिक दल भी इस पर सवाल उठाते रहे हैं। एग्जिट पोल करने वाली एजेंसियों को इतिहास में भी खट्टे-मीठे अनुभवों का सामना करना पड़ा है। 1998 और 2014 के आम चुनावों में एग्जिट पोल्स लगभग सही साबित हुए थे, लेकिन 2004 में सभी का अनुमान गलत निकला था। वहीं 2024 के आम चुनाव में भी भाजपा और उसके एनडीए गठबंधन को बड़े बहुमत का अनुमान लगाया गया था, लेकिन नतीजा आया तो भाजपा 240 सीटों पर ही ठिठक गई। लेकिन लोकसभा चुनाव के बाद हरियाणा में भी एग्जिट पोल्स के एकदम गलत साबित होने के चलते काफी आलोचना हुई है। कई एग्जिट पोल्स करने वालों को तो सोशल मीडिया पर भी ट्रोल होना पड़ा।

भारत फिर बना एशियन महिला हॉकी चैंपियन

फाइनल में चीन को 1-0 से हराया

नईदिल्ली, एजेंसी। भारतीय महिला हॉकी टीम ने बुधवार 20 नवंबर 2024 को बिहार के राजगीर में एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में चीन को 1-0 से हरा दिया। इसके साथ ही उसने लगातार दूसरी बार एशियन महिला चैंपियंस ट्रॉफी अपने नाम की। भारत ने तीसरी बार एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी जीती है। इससे पहले उसने 2023 में रांची और 2016 में सिंगापुर में एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी जीती थी। हरेंद्र सिंह के शासनकाल (हेड कोच रहते हुए) में भारतीय महिला टीम ने अपना पहला खिताब जीता।

हरेंद्र सिंह अपनी हर खिलाड़ी को गले लगा रहे हैं। उन्हें हाई-फाइव दे रहे हैं। शायद सबसे बड़ा आलिंगन दीपिका को जाता है, जो भारत की मैच जिताऊ खिलाड़ी रहीं। दीपिका प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट चुनी गई। उन्होंने टूर्नामेंट में 11 गोल किये। इसमें से 4 फील्ड गोल थे। उन्होंने 6 पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदला, जबकि एक गोल पेनल्टी स्ट्रोक पर किया। वह टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा गोल करने वाली खिलाड़ी भी रहीं।

बेस्ट गोलकीपर का पुरस्कार जापान की यू कुडो को मिला। राजगीर में जश्न का माहौल है। चाहे बच्चे हों या बड़े, भारत के जश्न मनाने के दौरान हर तरफ खुशी की लहर है। इस साल की शुरुआत में ओलंपिक क्वालिफायर में करारी हार के बाद भारतीय महिला हॉकी टीम के लिए यह बहुत जरूरी था। भारत इस टूर्नामेंट में सर्वश्रेष्ठ टीम रही।

भारत टूर्नामेंट में एकमात्र ऐसी टीम रहा जिसे हराया नहीं जा सका। उसने सभी सात गेम जीते। भारत ने ग्रुप स्टेज के अपने सभी मैच जीते। उसने मंगलवार को सेमीफाइनल में जापान को 2-0 से हराया था। पेरिस ओलंपिक 2024 में रजत पदक जीतने वाला चीन इस टूर्नामेंट में सर्वोच्च रैंकिंग वाली टीम था। हालांकि, ओलंपिक में फाइनल तक पहुंचने वाला चीन अपने नियमित खिलाड़ियों के साथ यहां नहीं आया था। उनके मुख्य कोच एलिसन अन्नान भी नहीं थे, लेकिन वे अब भी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक अच्छी टीम हैं और भारत ने उन्हें दो बार हराया है। चीन ने अपने 5 पूल गेम में से 4 जीते हैं।

डेविस कप फाइनल्सः

कनाडा को हराकर जर्मनी सेमीफाइनल में

मैलागा (स्पेन), एजेंसी। जान-लेनार्ड स्ट्रफ और डैनियल अल्टमायर ने अपने-अपने मैच जीते, जिससे जर्मनी ने कनाडा को 2-0 से हराकर बुधवार को डेविस कप फाइनल्स के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। जर्मनी ने 2019 के बाद पहली बार क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई और कनाडा को आसानी से हराया।

अल्टमायर ने शुरुआत में घबराहट से उबरते हुए गैब्रियल डायलो को सीधे सेटों में 7-6(5) 6-4 से हराया, इससे पहले स्ट्रफ ने किसी तरह डेनिस शापोवालोव के खिलाफ रोमांचक मुकाबले को 4-6 7-5 7-6(5) से जीत लिया। स्ट्रफ ने कहा, आज मुझे लगता है कि दोनों खिलाड़ी जीत के हकदार थे। लेकिन मैं अंत में जीत हासिल करके खुश हूं। डेनिस शानदार खेल रहे थे, उन्होंने पूरे मैच में बेहतरीन सर्विस की। वापसी करना मुश्किल था। टाईब्रेक में भी, उन्होंने कुछ विनर्स लगाए। यह बहुत करीबी मुकाबला था। इस जीत ने जर्मनी और नीदरलैंड के बीच सेमीफाइनल मुकाबले की नींव रखी, जब डच ने स्पेन को हराकर मंगलवार रात राफेल नडाल के टेनिस करियर को खत्म कर दिया।

स्ट्रफ पुराने खेल प्रतिद्वंद्वियों के खिलाफ खेलने को लेकर उत्साहित थे। उन्होंने कहा, यह अद्भुत होगा। हमारे लिए क्वार्टर फाइनल से सेमीफाइनल में जाना एक बड़ा कदम है। हम जीतना चाहते हैं और अब फाइनल में जाना चाहते हैं। जर्मन स्टार ने कहा, नीदरलैंड ने शानदार मुकाबला खेला। हमें कड़े मुकाबले की उम्मीद है। हम जानते हैं कि जर्मन और डच के बीच थोड़ी प्रतिद्वंद्विता है और डच लोगों के पास अद्भुत प्रशंसक हैं, इसलिए मैं इसका बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं।

शापोवालोव को एक ऐसे प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ़ चूके मौकों का अफसोस होगा, जिसने 2022 में इस प्रतियोगिता में तीसरे सेट के टाईब्रेक में भी उन्हें हराया था। कनाडाई खिलाड़ी कई बार अजेय रहे, उन्होंने 27 ऐस और 24 विनर्स लगाए। लेकिन उन्होंने डबल फॉल्ट के साथ 13 फ्री पॉइंट भी गंवाए, जिसमें मैच को अपने प्रतिद्वंद्वी को सौंपने का तोहफा भी शामिल है।

इससे पहले, शुरुआती मैच में, पहले सेट के दौरान दोनों खिलाड़ी आशंकित दिखे। अल्टमायर ने टाईब्रेक में 5-0 की बढ़त को जाने दिया और फिर 7-5 से जीत हासिल की। दूसरा सेट बेहतर रहा और यह तभी संभव हुआ जब जर्मन खिलाड़ी ने 15-40 से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए दसवें गेम में कनाडाई खिलाड़ी की सर्विस तोड़ी और मैच जीत लिया।

बुमराह और कमिंस मिलकर रचेंगे अनोखा कीर्तिमान

नईदिल्ली, एजेंसी। क्रिकेट के इतिहास में पहला टेस्ट मैच साल 1877 में मेजबान ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच मेलबर्न में खेला गया था। इस मैच के बाद से 147 साल का वक्त बीत चुका है। इस दौरान एक से बढ़कर एक टेस्ट मैच खेले जा चुके हैं।

अब पर्थ में भारत और मेजबान ऑस्ट्रेलिया 22 नवंबर को एक दूसरे से भिड़ने के लिए तैयार हैं। बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी 2024-25 के पहले मैच का आगाज भारतीय समयानुसार सुबह 7 बजकर 50 मिनट पर शुरु होगा। इस मैच में जैसे ही टॉस होगा तो क्रिकेट में अनोखा रिकॉर्ड बन जाएगा। दरअसल, भारतीय टीम पहले टेस्ट मैच में कप्तान रोहित शर्मा के बिना ही उतरेगी। रोहित शर्मा अभी भारत में ही हैं और परिवार के साथ समय बिता रहे हैं। ऐसे में पर्थ में टीम इंडिया की कप्तानी का जिम्मा तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह संभालेंगे। पर्थ टेस्ट में जब जसप्रीत बुमराह कल सुबह टॉस के लिए ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस के साथ मैदान में उतरेंगे तो मैदान पर एक अद्भुत नजारा देखने को मिलेगा। इस तरह बुमराह और कमिंस मिलकर टेस्ट में अनोखा कीर्तिमान रच देंगे।

टेस्ट क्रिकेट में बनेगा अनोखा रिकॉर्ड

टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में ऐसा बहुत ही कम देखने को मिला है जब एक टेस्ट मैच में दोनों ही टीमों की कप्तानी तेज गेंदबाजों ने संभाली हो। अब पर्थ में ये बड़ा करिश्मा होने जा रहा है जब दोनों ही टीमों के कप्तान तेज गेंदबाज होंगे। जसप्रीत बुमराह और पैट कमिंस दोनों ही तेज गेंदबाज हैं। टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में अब तक सिर्फ 5 बार ऐसा हुआ है जब एक टेस्ट मैच में दोनों ही कप्तान तेज गेंदबाज रहे हैं।

कमिंस ने पुष्टि की कि पर्थ टेस्ट में मार्श निश्चित रूप से गेंदबाजी के लिए उपलब्ध रहेंगे

पर्थ, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस ने पुष्टि की है कि मिशेल मार्श भारत के खिलाफ पहले बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी टेस्ट में गेंदबाजी की जिम्मेदारी संभालेंगे, साथ ही उन्होंने कहा कि शुक्रवार से पर्थ स्टेडियम में ऑलराउंडर कितनी गेंदबाजी कर सकते हैं, इस पर कोई सीमा नहीं होगी।

कमर के निचले हिस्से में स्ट्रेस फ्रैक्चर सर्जरी के कारण कैमरून ग्रीन की अनुपस्थिति में, एक ऑलराउंडर के रूप में मार्श की भूमिका, जो सीम गेंदबाजी के कुछ ओवर दे सकते हैं, इस महत्वपूर्ण श्रृंखला से पहले ऑस्ट्रेलिया के लिए एक बड़ा मुद्दा बन गया है। मार्श ने मई के बाद से प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में केवल चार ओवर गेंदबाजी की है, जब उन्हें हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण दिल्ली कैपिटल्स के लिए आईपीएल 2024 अभियान से बाहर होना पड़ा और उन्होंने वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया के लिए खेले गए शेफील्ड शील्ड मैचों में भी गेंदबाजी नहीं की। ठीक है, वह निश्चित रूप से गेंदबाजी करने के लिए उपलब्ध है, वह एक ऑलराउंडर है। जिस तरह से हम चार गेंदबाजों को तैयार किया गया है, हम वास्तव में एक ऑलराउंडर को ढेर सारी गेंदबाजी करने के लिए बजट नहीं दे सकते। इसलिए मुझे लगता है कि (मार्श गेंदबाजी) प्रत्येक पारी में कुछ स्पैल या ऐसा ही कुछ करेंगे।

कमिंस ने गुरुवार को प्री-मैच प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, लेकिन वह खेलने के लिए तैयार है। वह इस सप्ताह वास्तव में अच्छी गेंदबाजी कर रहा है। उसका शरीर बहुत अच्छा है, पिछले कुछ समय से यह सबसे अच्छा है। हमने कभी किसी पर ऊपरी सीमा नहीं लगाई। वह खेलने के लिए तैयार है और जितनी जरूरत है उतनी गेंदबाजी करने के लिए तैयार है।

उन्होंने यह भी बताया कि कैसे शीर्ष क्रम के बल्लेबाज मार्नस लाबुशेन, जिन्होंने सीम गेंदबाजी के लिए लेग-स्पिन को छोड़ दिया है, अपने शेफ़ील्ड शील्ड मैचों में 33.2 ओवर गेंदबाजी करने के बाद पर्थ टेस्ट में गेंदबाजी करने के लिए उत्सुक हैं। वह हमेशा गेंद से प्रभावित करने की कोशिश करता है, जो कि शानदार है। उसे गेंदबाजी करना पसंद है। उसने क्वींसलैंड के लिए कुछ उपयोगी ओवर फेंके हैं। जाहिर है, उसके पास लेग स्पिन है, उसने पहले भी थोड़ी ऑफ स्पिन गेंदबाजी की है, और फिर इस साल उसने तेज गेंदबाजी की है।

कोहली पर ऑस्ट्रेलिया में दबाव भारत की तुलना में कम होगा : मार्क वॉ

नई दिल्ली, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व बल्लेबाज मार्क वॉ ने कहा कि विराट कोहली पर ऑस्ट्रेलिया में खेलने का दबाव भारत की तुलना में कम होगा, क्योंकि दाएं हाथ के इस बल्लेबाज को ऑस्ट्रेलियाई परिस्थितियां पसंद हैं और उनका ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ रिकॉर्ड शानदार है। कोहली खराब फॉर्म के बीच बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के लिए ऑस्ट्रेलिया पहुंचे।

उन्होंने अपनी दस हालिया टेस्ट पारियों में 20.62 की औसत से रन बनाए, जो ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट में उनके 54.08 के औसत और उनके कुल करियर औसत 47.83 से काफी कम है। लेकिन ऑस्ट्रेलिया में अपने कुछ ऐतिहासिक शतक लगाने और 2018/19 में भारत को यहां 2-1 से सीरीज जिताने के बाद, 22 नवंबर से पर्थ स्टेडियम में शुरू होने वाली आगामी पांच मैचों की सीरीज में उनसे सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन की उम्मीद है।

चाईना मास्टर्स बैडमिंटनः

लक्ष्य-सिंधू और मालविका चाइना मास्टर्स के दूसरे दौर में, पीवी की बुसानन पर 20वीं जीत

शेनजेन (चीन), एजेंसी। पुरुष वर्ग में लक्ष्य ने मलयेशिया के सातवे वरीय ली जि जिया पर 57 मिनट में 21-14, 13-21, 21-13 की जीत से ओलंपिक कांस्य पदक मुकाबले में मिली हार का बदला चुकता किया। दुनिया की 19वें नंबर की खिलाड़ी सिंधू की विश्व रैंकिंग में 11वें स्थान पर काबिज बुसानन के खिलाफ 21 मुकाबलों में सिंधू की 20वीं जीत थी।

दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू सहित लक्ष्य सेन और फॉर्म में चल रही मालविका बंसोड़ ने बुधवार को यहां अपने मुकाबले जीतकर चाइना मास्टर्स सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट के दूसरे दौर में प्रवेश कर लिया। महिलाओं के वर्ग में सिंधू ने अपने से ऊंची रैंकिंग वाली थाईलैंड की बुसानन ओंगबामरूंगफान को 50 मिनट तक चले पहले दौर के मुकाबले में 21-17, 21-19 से मात

दी। वहीं, मालविका (36वीं रैंकिंग) ने डेनमार्क की लिने होजमार्क जाएर्सफेल्ट (21वीं रैंकिंग) पर 20-22, 23-21, 21-16 से उलटफेर भरी जीत दर्ज की। पुरुष वर्ग में लक्ष्य ने मलयेशिया के सातवे वरीय ली जि जिया पर 57 मिनट में 21-14, 13-21, 21-13 की जीत से ओलंपिक कांस्य पदक मुकाबले में मिली हार का बदला चुकता किया।

लक्ष्य का सामना डेनमार्क के रास्मस गेमके और जापान के केंटा निशिमोटो के बीच होने वाले मुकाबले के विजेता से होगा।

लक्ष्य पेरिस ओलंपिक कांस्य पदक मैच में बढ़त बनाने के बावजूद ली से हार गये थे। दुनिया की 19वें नंबर की खिलाड़ी सिंधू की विश्व रैंकिंग में 11वें स्थान पर काबिज बुसानन के खिलाफ 21 मुकाबलों में सिंधू की 20वीं जीत थी।

जोफ्रा आर्चर ने लिया यू-टर्न

24-25 नवंबर को जेद्दा में मेगा नीलामी का हिस्सा बनने को तैयार यू-टर्न

नईदिल्ली, एजेंसी। आईपीएल 2025 मेगा नीलामी से शुरुआत में खुद को बाहर रखने के बाद, इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर ने 24 और 25 नवंबर को जेद्दा में होने वाले दो दिवसीय इवेंट के लिए शॉर्टलिस्ट किए गए विकल्पों में खुद को उपलब्ध कराने के लिए यू-टर्न लिया है।

पिछले कुछ वर्षों में चोटों से जूझने के बाद, 29 वर्षीय खिलाड़ी ने अगले साल की एशेज की अपनी तैयारियों को बेहतर बनाने के लिए शुरुआत में नीलामी में हिस्सा लेने का मन नहीं बनाया था। इसका मतलब यह होता कि नए आईपीएल नियम के अनुसार, जोफ्रा आर्चर को अगले साल की आईपीएल नीलामी में हिस्सा लेने से भी प्रतिबंधित कर दिया जाता।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, जोफ्रा आर्चर और साथी तेज गेंदबाज मार्क वुड को शुरू में आईपीएल 2025 में हिस्सा लेने के लिए अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) नहीं दिया गया था, क्योंकि इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने एशेज को प्राथमिकता दी थी। जोफ्रा आर्चर ईसीबी के इस कदम से असंतुष्ट थे।

कप्तानी को एक पद नहीं, जिम्मेदारी के रूप में देखता हूं: जसप्रीत बुमराह

पर्थ, एजेंसी। जसप्रीत बुमराह को हमेशा से जिम्मेदारी लेना और चुनौतियों का सामना करना पसंद है और यही वजह है कि आस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के पहले टेस्ट में भारतीय टीम की कप्तानी को लेकर वह रोमांचित हैं। इंग्लैंड के खिलाफ 2022 के एडबस्टन टेस्ट के बाद वह दूसरी बार रोहित शर्मा की गैर मौजूदगी में कप्तान होंगे।

उन्होंने पहले टेस्ट से पूर्व प्रेस कांफ्रेंस में कहा, 'मैं कप्तानी को एक पद के तौर पर नहीं देखता। मुझे हमेशा से जिम्मेदारियां उठाना पसंद रहा है। मैं बचपन से कठिन काम करने का शौकीन रहा हूं। कठिन हालात में काम करना मुझे पसंद है और यह एक नयी चुनौती है। उन्हें पता है कि यह जिम्मेदारी एक टेस्ट के लिए ही है लेकिन इससे इनकार नहीं है कि वह भविष्य में कप्तानी करना चाहेंगे। बुमराह ने कहा, 'स्वाभाविक है कि रोहित को मैं नहीं बोलूंगा कि मैं कर लेता हूं।

थोड़ा सा ज्ञान अपने फ्यूचर के लिए भी बचा लो, संजय मांजरेकर के बयान पर भड़के मोहम्मद शमी

नई दिल्ली, एजेंसी। मोहम्मद शमी ने पूर्व क्रिकेटर और कमेंटेटर संजय मांजरेकर को इस बयान के लिये आड़े हाथों लिया है कि इंडियन प्रीमियर लीग की मेगा नीलामी में भारत के इस तेज गेंदबाज पर ज्यादा बोली नहीं लगेगी। आईपीएल में 2013 में पदार्पण के बाद से शमी ने 110 मैचों में 127 विकेट लिए हैं। उन्होंने टखने की चोट के कारण सर्जरी के बाद करीब एक साल में प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में हाल ही में वापसी की है। शमी को मेगा नीलामी से पहले गुजरात टाइटंस ने रिलीज कर दिया। नीलामी में उनका बेस प्राइज दो करोड़ रूपए है। शमी ने इंस्टाग्राम पर लिखा, 'बाबा की जय हो। थोड़ा सा ज्ञान अपने फ्यूचर के लिए भी बचा लो, काम आएगा संजय जी।

किसी को फ्यूचर जानना हो तो सर से मिले। मांजरेकर ने कहा था कि शमी के लिये कई टीमें बोली लगा सकती है लेकिन उन्हें नहीं लगता कि टीमों के बीच उनके लिये जोर आजमाइश होगी।

आईपीएल 2025 से पहले रजत पाटीदार बने कप्तान

आरसीबी ने दी बधाई

नईदिल्ली, एजेंसी। आईपीएल 2025 धीरे-धीरे करीब आता जा रहा है. टूर्नामेंट से पहले मेगा ऑक्शन होना है, जिसमें तमाम खिलाड़ियों की बोली लगनी है. लेकिन उससे पहले रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के लिए खेलने वाले रजत पाटीदार के कप्तान बनने की खबर सामने आई है. खुद आरसीबी ने पाटीदार को कप्तान बनने की बधाई दी.

दरअसल रजत पाटीदार को सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 2024 के लिए मध्य प्रदेश का कप्तान बनाया गया है. रजत मध्य प्रदेश के लिए ही फर्स्ट क्लास क्रिकेट खेलते हैं. शानदार प्रदर्शन के चलते उन्हें मुश्ताक अली ट्रॉफी के लिए टीम की कमान सौंपी गई. सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी की शुरुआत 23 नवंबर से होगी, जबकि टूर्नामेंट का फाइनल मैच 15 दिसंबर को खेला जाएगा.

आरसीबी ने किया रिटेन

आईपीएल 2024 में शानदार प्रदर्शन करने वाले रजत पाटीदार को आरसीबी ने आईपीएल 2025 के लिए रिटेन किया. रजत ने आरसीबी के लिए 2024 के सीजन में 15 मैचों की 13 पारियों में 30.38 की औसत और 177.13 के शानदार स्ट्राइक रेट से 395 रन बनाए थे, जिसमें 5 अर्धशतक शामिल थे.

बताते चलें कि आरसीबी ने सिर्फ तीन खिलाड़ियों को ही रिटेन किया, जिसमें विराट कोहली, रजत पाटीदार और यश दयाल शामिल हैं. पिछले सीजन टीम की कमान संभालने वाले फाफ डु प्लेसिस को फ्रेंचाइजी ने रिलीज कर दिया है. ऐसे में देखने वाली बात यह होगी कि अब 2025 के सीजन में टीम की कमान कौन संभालता है.

हमारा शौचालय हमारा सम्मान

कलेक्टर ने अभियान के क्रियान्वयन के संबंध में ली बैठक

पन्ना। स्वच्छ भारत मिशन अंतर्गत हमारा शौचालय हमारा सम्मान अभियान आगामी 10 दिसम्बर तक संचालित किया जाएगा। आज विश्व शौचालय दिवस के अवसर पर अभियान का शुभारंभ हुआ। अभियान की अवधि में जिला अंतर्गत व्यक्तिगत, संस्थागत और सामुदायिक स्वच्छता परिसरों को उपयोगी बनाने और पूर्णत: सक्रिय करने सहित इनकी साफ-सफाई का कार्य अभियान के रूप में संचालित किया जाएगा।

इस संबंध में कलेक्टर सुरेश कुमार द्वारा मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में संबंधित विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक कर अभियान के क्रियान्वयन के संबंध में आवश्यक निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि गैर क्रियाशील शौचालयों का चिन्हांकन कर जनउपयोगी बनाया जाए। इस कार्य में बेहतर कार्य करने वालों को सम्मानित भी किया जाएगा। उन्होंने कहा कि जनजागरूकता के जरिए लोगों को शौचालयों के उपयोग का महत्व बताएं। शौचालय परिसरों की साफ-सफाई एवं उपयोग से जनस्वास्थ्य की रक्षा के बारे में भी लोगों को अवगत कराया जाए। कलेक्टर ने कहा कि शासकीय संस्थाओं व परिसरों में भी आवश्यकता का आंकलन कर शौचालयों में पानी की उपलब्धता सुनिश्चित करें। स्कूल और आंगनबाड़ी केन्द्रों में प्राथमिकतानुसार जनपद पंचायत के उपयंत्रियों द्वारा भ्रमण कर शौचालयों की स्थिति का मूल्यांकन और स्टीमेट की कार्यवाही की जाए। इसी तरह वृहद स्वरूप के विभागों के जिला अधिकारी भी विभाग अंतर्गत संस्थाओं में अभियान चलाकर अपेक्षानुरूप कार्य करें। इस दौरान विद्युत संबंधी समस्याओं के निराकरण और सीएसआर फण्ड की शेष राशि से प्रथम चरण में बिजली और पानी की उपलब्धता वाले स्कूल और आंगनबाड़ी केन्द्रों में शौचालयों की आवश्यक मरम्मत एवं नवीन कार्यों के लिए निर्देशित किया गया। द्वितीय चरण में शौचालयविहीन संस्थाओं में विद्युत एवं जल आपूर्ति की व्यवस्था के साथ शौचालय निर्माण के संबंध में चर्चा की गई।

जिला पंचायत सीईओ संघ प्रिय ने ओडीएफ प्लस मॉडल और सत्यापन की प्रगति के बारे में अवगत कराते हुए अभियान अंतर्गत आयोजित विभिन्न गतिविधियों, इसकी रूपरेखा और उद्देश्यों के बारे में अवगत कराया तथा समय-सीमा में संपादित की जाने वाली गतिविधियों और विभिन्न प्रतियोगिताओं, निगरानी और मूल्यांकन सहित ग्राम एवं जनपद पंचायत की भूमिका और रिपोर्टिंग के बारे में विस्तृत जानकारी दी।

कृषि विज्ञान केन्द्र द्वारा जनजातीय कृषकों के लिए आयोजित किया गया प्रशिक्षण

उन्नत किस्म के बीज का किया वितरण

पन्ना। जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय जबलपुर के अंतर्गत कृषि विज्ञान केन्द्र, पन्ना द्वारा आज ग्राम पलथरा में जनजातीय कृषकों को अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन के माध्यम से चना किस्म जे.जी. 24 एवं बटरी किस्म आईपीएफडी बीज बुवाई के लिए उपलब्ध कराया गया है। अखिल भारतीय समन्वित रबी अनुसंधान परियोजना, अनुवांशिकीय एवं पादप प्रजनन विभाग तथा विश्वविद्यालय की परियोजना प्रमुख सह संचालक प्रक्षेत्र द्वारा जनजातीय कृषकों को चना एवं बटरी की फसल के बारे में आवश्यक प्रशिक्षण भी दिया गया। साथ ही प्रायोगिक रूप से ट्राईकोडर्मा, पीएसबी तथा राईजोबियम के माध्यम से बीजोपचार, पंक्ति से बुवाई, सात लाईन चना एवं दो लाईन धनियां, प्रति एकड़ 8-10 टी आकार की खूंटी तथा बॉर्डर फसल के रूप में गेंदा लगाने की सलाह दी गई, जिससे कीट व्याधि की समस्या का उचित प्रबंधन हो सके। इसके अतिरिक्त फसल प्रबंधन के संबंध में संपूर्ण जानकारी भी प्रदान की गई। बताया गया कि चना जे.जी. 24 किस्म ऊंची होने के कारण हार्वेस्टर के माध्यम से आसानी से कटाई की जा सकती है तथा इसका दाना बड़ा होने के कारण फुटाने हेतु उपयुक्त होता है। केन्द्र के प्रभारी वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. पी.एन. त्रिपाठी ने बताया कि जैव उर्वरक के पूर्व अमोनियम मॉलीब्डेट से बीजोपचार करने से उत्पादन में 10-15 प्रतिशत बढ़ोत्तरी एवं नाईट्रोजन का स्थिरीकरण ज्यादा प्रभावी मात्रा में होता है। कार्यक्रम में डॉ. आर.पी. सिंह, रितेश बागोरा, डॉ. मोनिका सिंह तथा 50 जनजातीय कृषकों की उपस्थिति रही।

पीएम सूर्य घर योजना में मिलेगी मुफ्त बिजली

तीन किलोवॉट के सौर संयंत्र लगाने पर 78 हजार की मिलेगी सब्सिडी

पन्ना

केंद्र सरकार द्वारा लोगों को मुफ्त बिजली उपलब्ध कराने के उद्देश्य से पीएम सूर्य घर योजना प्रारंभ की गई है। इस योजना में एक किलोवाट का सोलर संयंत्र लगाने पर 30 हजार रूपये, दो किलोवाट का सोलर संयंत्र लगाने पर 60 हजार रुपए तथा तीन किलोवाट या उससे ऊपर 10 किलोवॉट तक के सोलर संयंत्र स्थापना पर 78 हजार रुपए की सब्सिडी केन्द्र सरकार द्वारा दी जा रही है। इसके लिए उपभोक्ताओं को इस योजना में शामिल करके पीएम सूर्य घर योजना से जोड़ने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। आवेदन के लिए पीएम सूर्य घर योजना की वेबसाइट पर जाकर आवेदन किया जा सकता है। इसके अलावा अधिक जानकारी के लिए कंपनी की वेबसाइट अथवा उपाय एप, वॉट्सएप चैटबॉट व टोल फ्री नं 1912 पर भी संपर्क किया जा सकता है।

ऑनलाइन आवेदन करने का तरीका

पोर्टल पर जाकर अपना रजिस्ट्रेशन करें। राज्य का चुनाव करके विद्युत वितरण कंपनी चुनें। फिर उपभोक्ता क्रमांक दर्ज करें। इसके बाद अपना मोबाइल नंबर और मेल आईडी डालें। उपभोक्ता नंबर और मोबाइल नंबर से लॉगिन कर रूफटाप सोलर के लिए आवेदन करें। अनुमोदन अर्थात अप्रूवल के लिए थोड़ा इंतजार करें। बिजली वितरण कंपनी में पंजीकृत वेंडर से ही सौर संयंत्र लगवाएं। एक बार इंस्टॉलेशन पूरा हो जाने पर प्लांट का विवरण जमा करें। नेट मीटर की स्थापना और डिस्काम द्वारा निरीक्षण के बाद पोर्टल से प्रमाण पत्र दिया जाएगा। कमीशनिंग रिपोर्ट प्राप्त कर आप अपना बैंक खाता विवरण तथा एक निरस्त चेक पोर्टल के माध्यम से जमा करें। तत्पश्चात 45 दिनों में केंद्र सरकार द्वारा निर्धारित सब्सिडी प्राप्त हो जाएगी।

जनसुनवाई में आए 15 आवेदन

पन्ना। कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित मंगलवार की जनसुनवाई में 15 आवेदन आए। जिला मुख्यालय की जनसुनवाई में अपर कलेक्टर नीलाम्बर मिश्र, संयुक्त कलेक्टर कुशल सिंह गौतम एवं डिप्टी कलेक्टर समीक्षा जैन ने आवेदकों की समस्याएं सुनकर निराकरण किया। इसके अतिरिक्त ग्राम पंचायत मुख्यालयों पर भी जनसुनवाई कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान स्थानीय स्तर पर अधिकारी-कर्मचारियों द्वारा ग्रामवासियों की समस्याएं सुनकर बड़ी संख्या में आवेदनों का मौके पर ही निराकरण सुनिश्चित किया गया।

कलेक्टर ने जिला जल एवं स्वच्छता मिशन की बैठक में की समीक्षा

पन्ना। कलेक्टर सुरेश कुमार ने मंगलवार को कलेक्टर कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित जिला जल एवं स्वच्छता मिशन की बैठक में जल जीवन मिशन के कार्यों की प्रगति तथा एकल व समूह ग्राम जल प्रदाय योजनाओं के प्रगति की समीक्षा की।

इस दौरान जिले में क्रियान्वित कार्यों की जानकारी लेकर पूर्ण परियोजनाओं को सही तरीके से हैण्डओवर करने के निर्देश दिए। कुछ मामलों में हर घर रिपोर्ट की स्थिति के बावजूद गैर प्रमाणन वाले ग्रामों की सूची प्रस्तुत करने के लिए निर्देशित किया। इसी तरह पानी आपूर्ति वाले ग्रामों के परिवार के मुखिया की पंचायत दर्पण पोर्टल पर एंट्री तथा जल कर जनरेशन एवं वसूली के संबंध में चर्चा कर जरूरी निर्देश दिए गए।

जल निगम द्वारा क्रियान्वित समूह ग्राम जल प्रदाय योजनाओं की समीक्षा में ओवर हेड टैंक एवं टंकी निर्माण व जमीन आवंटन के मामलों सहित सपोर्टिंग एजेंसी टीम के सहयोग तथा कार्यों के क्रियान्वयन की समीक्षा की। साथ ही परियोजनाओं के संचालन-संधारण, पानी सप्लाई के लिए मीटर रीडिंग व्यवस्था, परियोजनाओं के क्रियान्वयन के दौरान चुनौतियों सहित ग्राम पंचायत सरपंच-सचिव के सहयोग तथा लापरवाही पर कार्यवाही प्रस्तावित करने के निर्देश दिए। जल जीवन मिशन के महाप्रबंधक शिवम सिन्हा द्वारा जिले में क्रियान्वित चार परियोजनाओं क्रमश: सिंघौरा-2, पवई-ब्यारमा, मझगांय तथा पवई बांध समूह जल परियोजनाओं से लाभांवित होने वाले ग्रामों तथा कार्य की अद्यतन प्रगति सहित अन्य कार्यों के संबंध में अवगत कराया गया। जिला कलेक्टर द्वारा लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग एवं जल निगम अंतर्गत सीएम हेल्पलाइन की लंबित शिकायतों के निराकरण के लिए भी निर्देशित किया गया। बैठक में जिला पंचायत सीईओ संघ प्रिय सहित कार्यपालन यंत्री लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग महेन्द्र सिंह एवं अन्य अधिकारी भी उपस्थित रहे।

15 दिसम्बर तक संचालित होगा राजस्व महाअभियान 3.0

पन्ना। शासन के निर्देशानुसार आगामी 15 दिसम्बर तक संचालित होने वाले राजस्व महाअभियान 3.0 में राजस्व के समस्त प्रकरणों का निराकरण किया जाएगा। इस संबंध में जिला कलेक्टर द्वारा जिले में महाअभियान के बेहतर क्रियान्वयन के लिए पूर्व में जरूरी निर्देश जारी किए जा चुके हैं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देशानुसार राजस्व विभाग के राजस्व प्रकरणों के त्वरित निराकरण और राजस्व अभिलेख त्रुटियों को ठीक करने के लिए राजस्व महाअभियान 3.0 के आयोजन का निर्णय लिया गया है। इस अभियान का उद्देश्य राजस्व न्यायालयों में लम्बित प्रकरणों जैसे नामांतरण, बँटवारा, अभिलेख दुरुस्ती, सीमांकन इत्यादि का निराकरण, नए राजस्व प्रकरणों को आरसीएमएस पर दर्ज कराने, नक्शे पर तरमीम, पीएम किसान का सैचुरेशन, आधार लिंकिंग, परम्परागत रास्तों का चिन्हांकन, फार्मर रजिस्ट्री, स्वामित्व योजना का क्रियान्वयन है।

कलेक्टर ने स्वीकृत की 50 हजार रूपए की क्षतिपूर्ति राशि

पन्ना। कलेक्टर एवं दावा निपटान आयुक्त सुरेश कुमार ने एक प्रकरण में हिट एण्ड रन मोटरयान दुर्घटना प्रतिकर योजना 2022 के तहत 50 हजार रूपए की क्षतिपूर्ति राशि स्वीकृत की है। विगत 28 अगस्त 2023 को रात्रि में गुनौर से रिछौड़ा तिगड्डा की ओर जाने वाले मार्ग पर अज्ञात वाहन दुर्घटना से घायल व्यक्ति एवं थाना सलेहा अंतर्गत ग्राम हरदुआ बछौन निवासी 55 वर्षीय चंदन सिंह को क्षतिपूर्ति राशि स्वीकृत की गई है।

कलेक्टर ने ग्राम कुड़ार एवं दहलान चौकी का किया भ्रमण

पन्ना

कलेक्टर सुरेश कुमार ने मंगलवार को पन्ना विकासखण्ड अंतर्गत ग्राम पंचायत कुड़ार एवं दहलान चौकी पहुंचकर ग्राम पंचायत स्तरीय जनसुनवाई का आकस्मिक निरीक्षण किया। साथ ही उपस्थित कर्मचारियों से आवेदकों की समस्याओं के निराकरण के संबंध में चर्चा कर जरूरी निर्देश दिए। इस दौरान जनसुनवाई में पहुंचे आवेदकों से संवाद कर विभिन्न विभागों की योजनाओं व लाभ के बारे में पूछा। साथ ही ग्राम पंचायत के माध्यम से क्रियान्वित सेवाओं की जानकारी भी ली।

इसके अलावा ग्राम में स्थित शासकीय शालाओं का निरीक्षण कर मध्यान्ह भोजन की गुणवत्ता देखी। उपस्थित शिक्षकों से बच्चों के शैक्षणिक

विकास एवं पठन पाठ्य सामग्री के बारे में आवश्यक जानकारी प्राप्त की गई। कलेक्टर ने बच्चों से स्कूल की गतिविधि व सुविधाओं के बारे में जानकारी लेकर शाला परिसर का भ्रमण भी किया। इसी तरह आंगनबाड़ी केन्द्र में पहुंचकर पंजीकृत एवं उपस्थित बच्चों के बारे में जानकारी लेकर आंगनबाड़ी सेवाओं के बेहतर क्रियान्वयन के निर्देश दिए। जिला कलेक्टर ने राजस्व महाअभियान 3.0 के तहत राजस्व प्रकरणों के समय सीमा में निराकरण के लिए संबंधित कर्मचारियों को आवश्यक कार्यवाही के निर्देश भी दिए।

धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के तहत पवई में 100-100 सीटों के दो छात्रावास बनेंगे

पन्ना। धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान में केन्द्र सरकार द्वारा देशभर में जनजातीय विद्यार्थियों की शिक्षा-दीक्षा एवं उनकी आवासीय सुविधाओं पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। इसके तहत केन्द्र सरकार ने देश के सभी प्रदेशों से प्राप्त प्रस्तावों के अनुसार ट्राइबल छात्रावासों के निर्माण के लिये स्वीकृति दी है। मध्यप्रदेश सरकार द्वारा भेजे गये प्रस्ताव को मान्य करते हुए 20 जिलों में 100 ट्राइबल छात्रावासों के निर्माण की मंजूरी दी गई है। हर ब्लॉक में 2-2 ट्राइबल छात्रावास बनाये जायेंगे। यह सभी ट्राइबल छात्रावास 4-4 करोड़ रूपये की लागत के और 100-100 सीटर होंगे। अभियान के तहत पन्ना जिले के पवई में भी हॉस्टल बनेगा।

यह ट्राइबल छात्रावास ऐसे स्थान पर (संभवत: सीएम राइज स्कूल परिसर में या इसके समीप) बनाये जायेंगे, जिससे आसपास के गांवों के जनजातीय विद्यार्थियों को रहने और शिक्षा पाने की स्थायी सुविधा मिल सके। सभी जनजातीय बहुल गांवों के समग्र विकास एवं कल्याण के लिये केन्द्र सरकार द्वारा धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान में जनजातीय बहुल गांवों का सर्वांगीण विकास किया जायेगा। जनजातीय समुदायों की आबादी इस अभियान से सीधे तौर पर लाभान्वित होगी।

पार्षद के खिलाफ मानहानि का परिवाद निरस्त

सतना। व्हाट्सएप ग्रुपों में तत्कालीन ननि आयुक्त की मानहानि के आरोप में प्रस्तुत परिवाद को अदालत ने सुनवाई के बाद निरस्त कर दिया है। न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी रेनू यादव की कोर्ट ने सोमवार को जारी आदेश में तत्कालीन ननि आयुक्त और कलेक्टर प्रवीण सिंह अढ़ायच की अनुपस्थिति पर तत्कालीन पार्षद और प्रकरण के आरोपी रहे भगवती पांडेय को प्रकरण से दोषमुक्त किया है।

वर्ष 2018 में नगर पालिक निगम सतना में प्रवीण सिंह अढ़ायच आयुक्त के पद पर पदस्थ थे और तत्समय भगवती पांडेय वार्ड क्रमांक 22 उतैली के पार्षद और भाजपा के महामंत्री थे। श्री पांडेय ने बताया कि नगर निगम के व्हाट्सएप ग्रुप में उनके द्वारा नगर निगम की अराजकता और रिश्वतखोरी के संबंध में जानकारी साझा की गई थी।

तत्कालीन आयुक्त के विरुद्ध कोई व्यक्तिगत आक्षेप नहीं किया गया था, लेकिन व्हाट्सएप ग्रुप में लिखे तथ्यों को अपने विरुद्ध मानहानि पूर्ण मानते हुए तत्कालीन आयुक्त ने यह आपराधिक परिवाद प्रस्तुत किया था, इसके साथ ही पद से पृथककरण की कार्यवाही भी की थी, जिसे कमिश्नर रीवा ने सुनवाई के बाद वर्ष 2019 में पद से पृथककरण की कार्यवाही को अनुचित मानते हुए निरस्त किए जाने का आदेश दिया था।

सोमवार को प्रस्तुत मानहानि के परिवाद की सुनवाई में तत्कालीन आयुक्त और कलेक्टर श्री अढ़ायच कई तारीखों पर अनुपस्थित रहने और अंतिम अवसर होने के बाद भी उपस्थित नहीं होने पर अदालत यह मानते हुए की इस मामले में परिवादी की रुचि नहीं है। प्रकरण को निरस्त कर आरोपी रहे वार्ड क्रमांक 22 के पार्षद को प्रकरण से दोषमुक्त किए जाने का आदेश दिया है।

आदिवासी मजरा झगरहा में छह माह से नहीं है बिजली तत्काल ट्रान्सफार्मर लगाया जाये: जयराम

पन्ना। मध्य प्रदेश की सरकार जहां एक ओर आदिवासी को अपना हितैशी बता रहीं है वहीं दूसरी ओर पन्ना जिले मे गरीब आदिवासीयों की हालत बहुत ही खराब है, मूल भूत सुविधाओं से आदिवासी ग्राम बंचित है शासन की योजनाओं को उन्हे लाभ नहीं मिल रहा है। उनके हक पर अधिकारी कर्मचारी डांका डाल रहें है, पानी, बिजली, शिक्षा, स्वास्थ जैसी आवश्यक सुविधाओं से आदिवासी ग्राम तथा मजरा के लोग बंचित है, छह छह माह तक यदि ट्रान्सफार्मर खराब हो जाते है तो उन्हे बदला नहीं जाता है, अंधेरे में गरीब आदिवासी जीवन यापन करते है। इसी प्रकार का मामला अजयगढ़ जनपद पंचायत अन्तर्गत ग्राम पंचायत मझगांय के मजरा झगरहा का सामने आया है, जहां पर छह माह से ट्रान्सफार्मर खराब है, जिससे मजरे मे अंधेरा छाया हुआ है। उक्त संबंध में ग्रामीणों ने आवेदन भी दिया गया। लेकिन उसके बावजूद कोई कार्यवाही नहीं हुई है। उक्त मामले को लेकर एकलव्य सेना के अध्यक्ष जयराम यादव ने तत्काल ट्रान्सफार्मर रखवाये जाने की मांग जिला प्रशासन तथा विद्युत मंडल के वरिष्ट अधिकारीयों से की गई है। तथा चेतावनी भी दी है कि यदि दो सप्ताह के अन्दर ट्रान्सफार्मर नहीं रखा गया तो आन्दोलन किया जायेगा।

तीन वर्षीय बालक कुएं में गिरा, एसडीआरएफ टीम ने निकाला बाहर

पन्ना। थाना अजयगढ़ अंतर्गत ग्राम पंचायत जैतूपुर के मजरा गटना में 3 वर्षीय बालक की कुएं में गिरने से दर्दनाक मौत हो गई है। कुआं पानी से लबालब भरा होने से गहराई पर जाकर बालक को तलाश करना मुश्किल हो रहा है, ऐसे में ग्रामीण कांटा डालकर बालक को तलाश कर रहे थे। सूचना मिलते ही अजयगढ़ थाना पुलिस मौके पर पहुंच गई और होमगार्ड एसडीईआरएफ कंट्रोल रूम पर सूचना दी, लगभग 2 घंटे में एसडीईआरएफ टीम पहुंच गई, टीम द्वारा रेस्क्यू कर बालक के षव को कुएं से निकाल कर पुलिस को सुपुर्द कर दिया गया, पुलिस ने पंचनामा व पोस्टमार्टम उपरांत अंतिम संस्कार से लिए षव परिजनों को सौंप कर मर्ग कायम कर विवेचना में लिया है। घटना के संबंध में बताया गया है आदर्श पटेल पिता अखिलेश पटेल उम्र लगभग 3 वर्ष निवासी महुरछा जिला बांदा यूपी अपनी मां के साथ मौसी के घर ग्राम गटना आया हुआ था जहां 16 नवंबर 2024 को सुबह लगभग 10 बजे गांव के कुछ बच्चों के साथ खेलते हुए कुआं के पास पहुंच गया जहां पास में ही बंदर उछल कूद कर रहे थे कुछ बच्चे बंदरों को पत्थर मारते हुए खदेड़ने लगे लौट कर देखा तो आदर्श कुएं के पास नहीं दिखा जिसकी सूचना परिवार के लोगों को दी गई काफी तलाश करने के बाद भी कहीं कुछ पता नहीं चला जिसके बाद परिवार के लोग कुआं में बच्चे के गिरने की आशंका से तलाश करने लगे और पुलिस को सूचना दी गई, पुलिस की सूचना पर एसडीईआरएफ टीम ने मौके पर पहुंच कर रेस्क्यू कर षव को कुएं से बाहर निकाला, इस घटना से मृतक बालक के परिवार के लोगों का रो-रो कर बुरा हाल है।

प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश की अध्यक्षता में हुई बैठक

पन्ना। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष राजाराम भारतीय की अध्यक्षता में सोमवार को नेशनल लोक अदालत के सफल आयोजन के दृष्टिगत एडीआर भवन में बैठक हुई। वर्ष 2024 की अंतिम लोक अदालत शनिवार, 14 दिसम्बर को समस्त न्यायालयों में आयोजित की जाएगी। इसमें राजीनामा के माध्यम से अधिकतम प्रकरणों का निराकरण सुनिश्चित किया जाएगा। प्रधान जिला न्यायाधीश ने अभिभाषक संघ के सदस्यों के साथ हुई बैठक में उपस्थित अधिवक्तागण से क्लेम प्रकरणों, मोटर दावा दुर्घटना, सिविल अपील, क्रिमिनल अपील प्रकरणों के अधिकाधिक संख्या में तथा गत लोक अदालत से 10 प्रतिशत अधिक मामलों के निराकरण कराने की अपेक्षा की गई। बैठक में जिला न्यायाधीश एवं प्राधिकरण के सचिव हरप्रसाद बंशकार सहित जिला न्यायाधीश इन्द्रजीत रघुवंशी, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट सुनील अहिरवार, न्यायिक मजिस्ट्रेट मोहित बड़के, जिला विधिक सहायता अधिकारी देवेन्द्र सिंह परस्ते, शासकीय अभिभाषक किशोर श्रीवास्तव, मीडिएटर अधिवक्ता आशा खरे, धर्मेन्द्र पाण्डेय एवं लक्ष्मीनारायण द्विवेदी, अधिवक्ता एम.एल. अवस्थी, दीपक उपाध्याय, पवन शुक्ला, अशोक शर्मा एवं कुंवर बहादुर उपाध्याय और लीगल एड डिफेंस काउंसिल टीम चीफ आनंद त्रिपाठी भी उपस्थित रहे।

सिटी टाइगर

विन्ध्य टाइगर | सीधी, शुक्रवार 22 नवम्बर 2024 | 8

प्रदेश के उपमुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने प्रदेश की पहली मेडिसिटी के भूमि पूजन में शामिल होने से पहले श्री मंगलनाथ मंदिर पहुंचे। इस अवसर पर उन्होंने मंदिर में पूजा-अर्चना की और मंगलनाथ भगवान से प्रदेश की समृद्धि और सुख-शांति की कामना की।

रीवा रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव में 31 हजार करोड़ के मिले प्रस्ताव

रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव से बदलेगी औद्योगिक विकास की फिजा

रीवा

औद्योगिक विकास निगम द्वारा रीवा में पहली बार रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव का आयोजन किया गया। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने गत 23 अक्टूबर को कृष्णा राजकपूर ऑडिटोरियम रीवा में आयोजित इस कॉन्क्लेव का शुभारंभ किया। इसमें शामिल देश के कई नामचीन उद्योगपतियों तथा निवेशकों से मुख्यमंत्री डॉ यादव ने विन्ध्य क्षेत्र में निवेश के लिए स्वयं संवाद किया। रीवा में कॉन्क्लेव के लिए सबसे शानदार व्यवस्थाएँ की गयी। रीवा में कान्क्लेव में 31 हजार करोड़ के निवेश के प्रस्ताव मिले। रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव रीवा के औद्योगिक विकास के लिए क्रांतिकारी कदम साबित होगा। इसमें भाग लेने के लिए पूरे प्रदेश से 4 हजार से अधिक उद्यमियों ने पंजीयन कराया।

इसमें 10 राज्यों के निवेशकों ने भागीदारी की साथ ही 300 से अधिक वायरसेलर मीटिंग की गयी। कार्यक्रम में 150 से अधिक विशिष्ट अतिथियों ने भाग लिया।

रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव में भाग लेने वाले सभी उद्योगपतियों ने मध्यप्रदेश की औद्योगिक नीति तथा सकारात्मक वातावरण की प्रशंसा की। मध्यप्रदेश में सिद्धार्थ इंफाटेक 12 हजार 800 करोड़ रूपये, ऋत्विक प्रोजेक्ट 4 हजार करोड़ रूपये, केजीएस सीमेंट 14 हजार करोड़ रूपये, पतंजलि ग्रुप एक हजार करोड़ रूपये, रामा ग्रुप 500 करोड़ रूपये, सोलर एएमसी सर्विस प्रा.लि. 400 करोड़ रूपये, बीपीसीएल पेट्रोकेमिकल 300 करोड़ रूपये के निवेश का प्रस्ताव दिया है। साथ ही शारदा मिनरल्स ग्रुप 225 करोड़ रूपये, एस गोयनका ग्रुप में 200 करोड़ रूपये, शिव शक्ति कंस्ट्रक्शन कंपनी 175 करोड़ रूपये, अडानी ग्रुप ने सिंगरौली में 2528 करोड़ रूपये, जयप्रकाश पावर बेंचर 750 करोड़ रूपये, एनटीपीसी ने सोलर प्लांट के लिए 103 करोड़ रूपये, अल्ट्राटेक सीमेंट लिमिटेड मैहर में तीन हजार करोड़ रूपये तथा निसर्ग इस्पात सीधी में एक हजार करोड़ रूपये तथा अन्य उद्योगों में 2063 करोड़ रूपये के निवेश के प्रस्ताव मिले हैं। इनसे लगभग 30 हजार लोगों को रोजगार का अवसर मिलेगा।

रीवा में पांचवीं रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव से विन्ध्य के विकास को नई दिशा मिलेगी। निर्यात को बढ़ावा देने के लिए सिंगरौली और कटनी में कन्टेनर डिपो बनाये जायेंगे। रीवा एवं सतना में नवीन औद्योगिक क्षेत्रों तथा सिंगरौली, सीधी, मऊगंज और मैहर में एमएसएमई विभाग के औद्योगिक क्षेत्र खोले जायेंगे। पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए विन्ध्य क्षेत्र की पर्यटन संभावनाओं का व्यापक प्रचार प्रसार किया जायेगा। विन्ध्य में उत्तरप्रदेश और मध्यप्रदेश का संयुक्त सोलर ग्रिप स्थापित किया जायेगा। इससे प्राप्त बिजली का दोनों प्रदेशों में आवश्यकता के अनुसार उपयोग होगा। रीवा में 10 मंजिला आईटी पार्क निर्माण का शिलान्यस किया गया। रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव से विन्ध्य की औद्योगिक फिजा बदलेगी। विन्ध्य में तेजी से हो रहे अधोसंरचना का लाभ उद्योग के क्षेत्र को भी मिलेगा। रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव का आयोजन औद्योगिक विकास निगम के लिए इस वर्ष की सबसे बड़ी उपलब्धियों में से एक है।

आयुष्मान कार्ड बनाने के लिए आयोजित होंगे नि:शुल्क शिविर

रीवा। जिले में 70 वर्ष से अधिक उम्र के वृद्धजनों के आयुष्मान कार्ड बनाये जाने के लिए शहरी क्षेत्र में निःशुल्क शिविर आयोजित किये जायेंगे। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. संजीव शुक्ला ने बताया कि 23 नवम्बर को नगर निगम कार्यालय एवं वृद्धाश्रम रीवा में, 25 नवम्बर को ब्राम्हाकुमारी आश्रम तथा जिला न्यायालय परिसर में 26 नवम्बर को अटल रैन बसेरा में तथा 27 नवम्बर को रेडक्रास सोसायटी कार्यालय में शिविर आयोजित किये जायेंगे। इसके अतिरिक्त संजय गांधी अस्पताल व जिला चिकित्सालय में प्रतिदिन 70 वर्ष से आयु के वृद्धजनों के कार्ड बनाये जा रहे हैं।

समाधान आनलाइन कार्यक्रम अब 16 दिसंबर को आयोजित होगा

रीवा। मुख्यमंत्री द्वारा समाधान आनलाइन कार्यक्रम में आवेदकों की समस्याओं का मौके पर ही निराकरण किया जाता है। समाधान आनलाइन कार्यक्रम अब 16 दिसंबर को आयोजित किया जायेगा।

जिले में 12264 टन यूरिया तथा 652 टन डीएपी है उपलब्ध

रीवा। किसानों के लिए खाद की समुचित व्यवस्था की गयी है। रीवा जिले में सहकारी समिति विपणन संघ तथा निजी विक्रेताओं के पास 21 नवम्बर की स्थिति में 12264 टन यूरिया तथा 652 टन डीएपी खाद उपलब्ध है। इसके साथ-साथ जिले में 2627 टन एनपीके, 79.95 टन एमओपी तथा 3906 टन सिंगल सुपर फास्फेट भी उपलब्ध है। इस संबंध में उप संचालक कृषि यूपी बागरी ने बताया कि जिले के किसान खाद की आपूर्ति के लिए चिंतित न हो। खाद की नियमित आपूर्ति जारी है। किसानों को अगले एक सप्ताह जितनी खाद की जरूरत उसी की खरीद करें।

उप संचालक ने बताया कि अब तक किसानों को 8754.9 टन यूरिया तथा 3784.8 टन डीएपी का वितरण किया जा चुका है। इसी तरह किसानों को 4790.6 टन एनपीके, 24.3 टन पोटाश खाद तथा 726.9 सिंगल सुपर फास्फेट खाद का वितरण किया जा चुका है। किसान भाईयों के लिए डीएपी के स्थान पर यूरिया और एनपीके अथवा यूरिया और एसएसपी खाद का उपयोग अधिक लाभकारी है। सिंगल तथा डबल लाक से प्रतिदिन खाद वितरित की जा रही है। जिस केन्द्र में अधिक संख्या में किसान खाद लेने पहुंच रहे हैं वहां अधिकारियों की निगरानी में टोकन देकर खाद का वितरण किया जा रहा है। वर्तमान में मार्कफेड, सहकारी समिति तथा निजी विक्रेताओं के पास खाद उपलब्ध है। जिले में 7 डबल लाक केन्द्रों में 15 पीओएस मशीन से खाद का वितरण किया जा रहा है। इसी तरह 148 सहकारी समितियों तथा निजी विक्रेताओं के माध्यम से भी खाद वितरित की जा रही है। रीवा में 21 नवम्बर को इफको डीएपी की रैक पहुंच रही है। इसका डबल लाक तथा सहकारी समितियों से वितरण किया जाएगा।

कमिश्नर आज करेंगे समीक्षा

रीवा। कमिश्नर कार्यालय सभागार में 22 नवम्बर को प्रातः 11 बजे से आयोजित बैठक में कमिश्नर बीएस जामोद निर्धारित एजेण्डा बिन्दुओं की समीक्षा करेंगे। बैठक में धान तथा सोयाबीन के उपार्जन की व्यवस्था, खाद एवं बीज के वितरण, राजस्व महाअभियान 3.0, गीता जयंती की तैयारियों तथा मिलावटखोरी रोकने के लिए चलाए जा रहे अभियान की समीक्षा की जाएगी। बैठक में हम होंगे कामयाब विशेष जागरूकता पखवाड़ा मनाए जाने की तैयारियों, नरवाई प्रबंधन के प्रयासों, स्वनिधि भी स्वाभिमान भी पखवाड़ा की समीक्षा, धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान एवं कानून और व्यवस्था की समीक्षा की जाएगी। बैठक में सभी संबंधित अधिकारियों से उपस्थित रहने का अनुरोध किया गया है।

नगरीय निकायों के विकास कार्यों की समीक्षा बैठक आज

रीवा। कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल की अध्यक्षता में 22 नवम्बर को जिले के समस्त नगरीय निकायों में मदवार संचालित विकास कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई है। कलेक्ट्रेट के मोहन सभागार में प्रातः 11 बजे से आहूत बैठक में नगरीय निकाय के सभी सीएमओ तथा उप यंत्रियों को उपस्थिति के निर्देश दिये गये हैं।

मुख्यमंत्री द्वारा ली जाने वाली बैठक के एजेंडा बिन्दुओं की कलेक्टर ने की समीक्षा

रीवा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 22 नवम्बर को प्रदेश के सभी संभागीय कमिश्नर एवं कलेक्टर से विभिन्न बिन्दुओं पर विस्तार से समीक्षा करेंगे। एजेंडा बिन्दुओं की कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने विभागीय अधिकारियों से समीक्षा करते हुए आवश्यक निर्देश दिये। उन्होंने खरीदी केन्द्रों में सीसीटीव्ही लगाने तथा सीमा पर चेक पोस्ट बैरियर स्थापित करने के संबंध में पूछतांछ की। कलेक्टर ने शासन द्वारा निर्धारित दिशा निर्देशों के अनुसार खरीदी केन्द्रों में सुरक्षा एवं अन्य व्यवस्थायें सुनिश्चित कराने के निर्देश

विभागीय अधिकारियों को दिये। बैठक में कलेक्टर ने कहा कि खाद वितरण की व्यवस्था सुगम हो इसके लिए संबंधित नायब तहसीलदार स्वयं वितरण केन्द्रों का भ्रमण करें और इसकी मानीटरिंग करें। उन्होंने गीता जयंती के आयोजन तथा स्वनिधि भी अभियान भी पखवाड़ा के तहत होने वाले आयोजनों के विषय में दिशा निर्देश दिये। कलेक्टर ने कहा कि किसानों को पराली न जलाने की समझाइश दी जाय तथा सेटेलाइट चिन्हित व्यक्तियों के विरूद्ध कार्यवाही करें। उन्होंने चयनित 163 प्रकरणों में आपदा प्रबंधन के तहत कार्यवाही करने तथा गंभीर प्रकरणों में पुलिस में एफआईआर दर्ज कराने के लिए भी विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया। बैठक में कलेक्टर ने एजेंडा बिन्दु धरती आबा गौरव दिवस अभियान के तहत किये गये कार्यों तथा हितग्राही मूलक योजनाओं से लाभांवित हुये व्यक्तियों की सूची प्रस्तुत करने के निर्देश विभागीय अधिकारियों को दिये।

मुख्यमंत्री की वीडियो कान्फ्रेंसिंग से समीक्षा बैठक आज

रीवा। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव 22 नवम्बर को शाम 5 बजे से आयोजित बैठक में वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से निर्धारित एजेण्डा बिन्दुओं की समीक्षा करेंगे। मुख्यमंत्री बैठक में धान तथा सोयाबीन के उपार्जन की व्यवस्था, खाद एवं बीज के वितरण, राजस्व महाअभियान 3.0, गीता जयंती की तैयारियों तथा मिलावटखोरी रोकने के लिए चलाए जा रहे अभियान की समीक्षा करेंगे। बैठक में हम होंगे कामयाब विशेष जागरूकता पखवाड़ा मनाए जाने की तैयारियों, नरवाई प्रबंधन के प्रयासों, स्वनिधि भी स्वाभिमान भी पखवाड़ा की समीक्षा, धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान एवं कानून और व्यवस्था की समीक्षा की जाएगी। कमिश्नर बीएस जामोद ने सभी संबंधित अधिकारियों को बैठक में उपस्थित रहने के निर्देश दिए हैं।

नेशनल लोक अदालत 14 दिसंबर को

आपसी सुलह से होगा प्रकरणों का निराकरण

रीवा

आपसी सुलह से लंबित प्रकरणों के निराकरण के लिए नेशनल लोक अदालत का आयोजन 14 दिसंबर को किया जा रहा है। नेशनल लोक अदालत में आपसी सुलह से प्रकरणों का निराकरण किया जाएगा। इसमें बिजली विभाग, नगरीय निकाय, बैंक, बीमा, श्रम, दूरसंचार, दुर्घटना बीमा, पारिवारिक विवाद सहित अन्य प्रकरणों का आपसी सुलह से निराकरण किया जाएगा। लोक अदालत में प्रकरणों का अंतिम रूप से निराकरण किया जाता है। इसके निराकरण की अन्य किसी न्यायालय में अपील अथवा सुनवाई नहीं होती है। आपसी सुलह से प्रकरणों के निराकरण के इच्छुक पक्षकार आवेदन देकर लोक अदालत में अपने प्रकरणों का निराकरण करा सकते हैं।

नरवाई न जलाने तथा इससे जैविक खाद बनाने की सलाह

रीवा। कृषि विभाग द्वारा जिले के किसानों को धान तथा अन्य फसलों को काटने के बाद बचे हुए अवशेष (नरवाई) नहीं जलाने की सलाह दी गई है। इस संबंध में उप संचालक कृषि यूपी बागरी ने कहा है कि नरवाई जलाने से एक ओर जहां खेतों में अग्नि दुर्घटना की आशंका रहती है। वहीं मिट्टी की उर्वरकता पर भी विपरीत असर पाता है। इसके साथ ही धुएँ से कार्बन डायआक्साइड की मात्रा वातावरण में जाती है जिससे वायु प्रदूषण होता है। मिट्टी की उर्वरा शक्ति लगभग 6 इंच की ऊपरी सतह पर ही होती है। इसमें खेती के लिए लाभदायक मित्र जीवाणु उपस्थित रहते हैं। नरवाई जलाने से यह नष्ट हो जाते हैं, जिससे भूमि की उर्वरा शक्ति को नुकसान होता है। नरवाई जलाने की बजाए यदि फसल अवशेषों को एकत्रित करके जैविक खाद बनाने में उपयोग किये तो यह बहुत लाभ दायक होगा। नाडेप तथा वर्मी विधि से नरवाई से जैविक खाद आसानी से बनाई जा सकती है। इस खाद में फसलों के लिए पर्याप्त पोषक तत्व रहते हैं। इसके आलावा खेत में रोटावेटर अथवा डिस्क हैरो चलाकर भी फसल के बचे हुए भाग को मिट्टी में मिला देने से मिट्टी की गुणवत्ता में सुधार होता है। उप संचालक ने बताया कि धान की फसल के बाद नरवाई को खाद में बदलने तथा बिना जुताई किए बिना गेंहू, चने और सरसों की बोनी के लिए सुपर सीडर तथा हैप्पी सीडर का उपयोग बहुत लाभकारी है। इससे नरवाई नष्ट होने के साथ जुताई और बुवाई का खर्च और समय दोनों बचेगा। साथ ही नरवाई से खाद भी बन जाएगी।

उप संचालक ने बताया कि नरवाई जलाने से होने वाले नुकसान की जानकारी देने के लिए कृषि विज्ञान केन्द्र के माध्यम से 60 हजार से अधिक किसानों को एसएमएस भेजकर जानकारी दी गई है। इन्हें सुपर सीडर के उपयोग के लिए भी प्रेरित किया जा रहा है। इस साल जिले में किसानों द्वारा 30 सुपर सीडर खरीदे गए हैं। जिनके उपयोग से नरवाई प्रबंधन किया जा रहा है और आग लगाने की घटनाओं में कमी आई है।

सामान्य प्रशासन समिति की बैठक आज

रीवा। जिला पंचायत रीवा की सामान्य प्रशासन समिति की बैठक 22 नवम्बर को दोपहर 12 बजे से जिला पंचायत सभा कक्ष में आयोजित की गयी है।

बैठक में वर्ष 2024-25 की डीपीडीपी कार्ययोजना के अनुमोदन, 15वें वित्त की राशि पर चर्चा, आदिम जाति कल्याण विभाग एवं शिक्षा विभाग में रमसा योजना के तहत रीवा एवं मऊगंज जिले में निर्माण कार्यों पर चर्चा के साथ ही आदिम जाति कल्याण विभाग अन्तर्गत संचालित छात्रावासों में कार्यरत वार्डन की अद्यतन स्थित की समीक्षा की जायेगी।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्रीमती सपना त्रिपाठी ने बैठक में समिति के सदस्यों उपस्थिति का अनुरोध करते हुए विभागीय अधिकारियों को जानकारी के साथ उपस्थित रहने के निर्देश दिये हैं।

टी.आर.एस. कॉलेज में प्रभावी विचार अभिव्यक्ति की कला विषय पर आयोजित हुई कार्यशाला

रीवा। टी.आर.एस. कॉलेज के समाज कार्य विभाग द्वारा समाज कार्य में प्रभावी विचार अभिव्यक्ति की कला विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह कार्यशाला छात्रों को अपने विचारों और दृष्टिकोणों को प्रभावी तरीके से अभिव्यक्त करने के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से आयोजित की गई थी। प्राचार्य डॉ. अर्पिता अवस्थी ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि विचारों का सही तरीके से अभिव्यक्त होना किसी भी व्यक्ति के व्यक्तित्व की सबसे बड़ी पहचान होती है। आज के समय में यह अत्यंत आवश्यक है कि हम अपने विचारों को न केवल स्पष्ट रूप से, बल्कि प्रभावी तरीके से प्रस्तुत करें, ताकि समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाया जा सके। समाज कार्य जैसे क्षेत्र में, यह कौशल और भी महत्वपूर्ण बन जाता है, क्योंकि हमें न केवल दूसरों की सुननी होती है, बल्कि अपनी बात भी सही तरीके से रखनी होती है। समाज कार्य के विभाग अध्यक्ष प्रोफेसर अखिलेश शुक्ल ने कार्यशाला के उद्देश्यों को बताते हुए कहा कि छात्रों में संवाद कौशल को बढ़ावा देना और उन्हें समाज में व्याप्त विभिन्न मुद्दों पर अपनी राय रखने के लिए तैयार करना था। प्रोफेसर शुक्ल ने छात्रों को प्रेरित करते हुए कहा, आप सभी के पास समाज के प्रति एक जिम्मेदारी है और यदि आप अपने विचारों को सही तरीके से व्यक्त करने में सक्षम होंगे, तो समाज में आपके योगदान की महत्ता और प्रभाव भी बढ़ेगा।

समर्थन मूल्य पर धान का उपार्जन दो दिसम्बर से 20 जनवरी तक

रीवा जिले में 78 खरीदी केन्द्रों में दो दिसम्बर से होगा धान का उपार्जन

रीवा। किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य देने के लिए निर्धारित समर्थन मूल्य पर धान का उपार्जन एक दिसम्बर से किया जाएगा। धान उपार्जन की अंतिम तिथि 20 जनवरी 2025 निर्धारित की गई है। इस संबंध में कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने बताया कि समर्थन मूल्य पर धान खरीदी के लिए 78 केन्द्र स्थापित कर दिए गए हैं। जिले में 64243 किसानों ने समर्थन मूल्य पर धान खरीदी के लिए पंजीयन कराया है। इनका सत्यापन किया जा चुका है। धान उपार्जन के लिए तहसील गुढ़ में 6, जवा में 5, त्योंथर में 19, मनगवां में 10, रायपुर कर्चुलियान में 7, सेमरिया में 8, सिरमौर में 10, तहसील हुजूर में 15 खरीदी केन्द्र बनाए गए हैं। अधिकांश गोदाम में ही खरीदी केन्द्र बनाए गए हैं जिससे उपार्जित धान का तत्काल भण्डारण हो सके।

कलेक्टर ने बताया कि एफएक्यू धान के लिए 2425 रुपए प्रति क्विंटल समर्थन मूल्य निर्धारित किया गया है। धान खरीदी के लिए सभी खरीदी केन्द्रों में तौल कांटे एवं बारदाने उपलब्ध करा दिए गए हैं। जिले में सहकारी समितियों के माध्यम से धान का उपार्जन किया जाएगा। पंजीकृत किसान अपनी धान बेचने के लिए रजिस्टर्ड मोबाइल नम्बर से अथवा एमपी ऑनलाइन कियोस्क सेंटर से दिनांक और समय का निर्धारण करके स्लॉट बुक कर सकते हैं। स्लॉट बुकिंग की सुविधा आरंभ हो गई है। धान का उपार्जन करने के लिए खरीदी केन्द्र आते समय किसान असुविधा से बचने के लिए अपने पंजीयन की रसीद, स्लॉट बुकिंग पावती, आधार कार्ड और पंजीकृत मोबाइल अपने साथ रखें। उपार्जन केन्द्र प्रभारी तथा किसान द्वारा बायोमेट्रिक अथवा ओटीपी सत्यापन के बाद ही खरीदी की पावती जारी होगी। इसे किसान अपने पास सुरक्षित रखें। कलेक्टर ने जिला आपूर्ति अधिकारी, जिला प्रबंधक नागरिक आपूर्ति निगम तथा महाप्रबंधक जिला सहकारी बैंक को सभी खरीदी केन्द्रों में उपार्जन के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

आयुष्मान द्वारा नि:शुल्क उपचार की सुविधा

अब रीवा (म.प्र.) के लाइफ केयर हॉस्पिटल में

लेज़र मशीन द्वारा

बिना चीरफाड़ के बवासीर (पाइल्स), फिसचुला (भगंदर), फिशर्स, पाइलोनाईडल सायनस एवं वेरिकोज वेन्स ऑपरेशन की सुविधा शुरू

लेजर फायदें

- अस्पताल में रहने की आवश्यकता नहीं
- ऑपरेशन के पश्चात कम से कम तकलीफ
- रक्तस्राव व दर्द कम एवं कम समय में ही अस्पताल से छुट्टी
- किसी भी पारंपरिक इलाज से बहुत प्रभावी एवं गुणकारी
- फिर से होने की संभावना सबसे कम
- कम से कम समय में काम पुनः शुरू कर सकते है

उपलब्ध सुविधाएँ

- आकस्मिक चिकित्सा इकाई
- गहन चिकित्सा
- खून जाँच एवं डिजिटल एक्स-रे केन्द्र
- दवाईयाँ
- प्रसूति कक्ष
- शल्य चिकित्सा कक्ष
- शल्य कियोत्तर कक्ष

आयुष्मान द्वारा नि:शुल्क उपचार की सुविधा

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें-

लाइफ केयर हॉस्पिटल एण्ड रिसर्च सेन्टर

जनता कॉलेज रोड, अनन्तपुर रीवा (म.प्र.)

8435896118, 9630131919, 7898847200

स्वत्वाधिकारी प्रकाशक एवं मुद्रक राजेन्द्र तिवारी द्वारा एस आर के प्रिंटिंग प्रेस विवि रोड खुटेही रीवा से मुद्रित कर जीडीसी के सामने उत्तरी करौंदिया सीधी से प्रकाशित। संपादक-राजेन्द्र तिवारी, आर.एन.आई नं. 47589/88, डाक पंजीयन : MP/SDL/DN/-30/2015-17, दूरभाष : 09424315633,7389444833